THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

पटना से जसीडीह जा रही पैसेंजर ट्रेन में लगी भीषण आग, यात्रियों ने कूद कर बचाई जान

लखीसराय, 6 जून (एजेंसियां)। पटना से जसीडीह जा रही पैसेंजर ट्रेन में भीषण आ गई। एक कोच में लगी आग की जद में दूसरी कोच आ गई। देखते ही देखते धूकर-धूकर बॉगी जलने लगी। गनीमत रही की आग फैलने से पहले ही कोच में सवार यात्री कूद गए। कुछ ही मिनट में ट्रेन के दो कोच में आग फैल गई। इससे दो कोच पूरी तरह से जल गए। इधर, घटना की सूचना के तुरंत बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जुट गई। रेलवे की टीम की मदद से आग बुझाने की कोशिश की जा रही है।

वर्ष-29 अंक : 75 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.1 2081 शुक्रवार, 7 जून-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मोदी का शपथग्रहण 9 जून को

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को लोकसभा चुनाव में 293 सीटें मिलीं। नरेंद्र मोदी को एनडीए का नेता चुना गया। सभी घटक दलों ने अपने समर्थन का पत्र सौंप दिया है। अब मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। हालांकि उनके शपथ ग्रहण समारोह की तारीख को लेकर संशय बना हुआ है। बताया जा रहा कि प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण समारोह की तारीख में बदलाव कर दिया गया है।

अब मोदी नौ जून को शाम छह बजे तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। इससे पहले यह कार्यक्रम आठ जून को होना था। मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। शपथ ग्रहण समारोह को भव्य बनाने की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इसमें विदेशी मेहमानों को आमंत्रित किया गया है। मोदी ने शपथ ग्रहण समारोह से पहले बुधवार को राष्ट्रपति मुर्मू को अपना त्याग पत्र सौंप दिया था। राष्ट्रपति ने नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रियों का त्याग पत्र को स्वीकार कर लिया और साथ ही नए सरकार के गठन तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहने का आग्रह किया।

एक दिन पहले ही एनडीए ने सर्वसम्मिति से नरेंद्र मोदी को अपना नेता मान लिया है। नई दिल्ली में बुधवार को हुई बैठक में एनडीए के 21 नेताओं ने एक पत्र पर हस्ताक्षर करके मोदी को अपना नेता स्वीकृत किया। जिससे नरेंद्र मोदी के एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। बैठक में सभी नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को पिछले 10 सालों में उनके कार्यकाल और देश में विकास कार्यों के लिए उन्हें बधाई भी दी है। भारत निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को लोकसभा 2024 के चुनाव परिणाम एलान किए थे। इसमें भाजपा को सबसे ज्यादा 240 सीटें और इसके बाद दूसरे नंबर पर 99 सीटों के साथ कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही।

सबसे बड़ा शेयर घोटाला : राहुल

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया है कि शेयर बाजार पर सरकार की ओर से की गई टिप्पणी से लाखों खुदरा निवेशकों का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि इससे निवेशकों को 30 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि यह शेयर बाजार का अब तक का सबसे बड़ा घोटाला है। इसकी संसदीय समिति से जांच कराई जानी चाहिए।

राहुल ने कहा, हमने नोट किया कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री ने गृह मंत्री और वित्त मंत्री ने स्टॉक मार्केट पर टिप्पणी की। प्रधानमंत्री ने दो-तीन चार बार देश को कहा कि स्टॉक मार्केट तेजी से आगे बढ़ने जा रहा है। स्टॉक मार्केट में निवेश करने के लिए कहा। रायबरेली व वायनाड से विजयी सांसद और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, पहली बार हमने यह नोट किया कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, वित्त मंत्री ने शेयर बाजार पर टिप्पणी दी। प्रधानमंत्री ने दो-चार बार कहा कि शेयर बाजार तेजी से बढ़ने जा रही है। अमित शाह कहते हैं कि 4 जून से पहले शेयर खरीदें। मोदी कहते हैं कि चार जून को स्टॉक खरीदें।

1 जून को मीडिया झूठे एग्जिट पोल निकालती है। भाजपा को जो आंतरिक एग्जिट पोल था, उसमें उसे 220 सीटें मिल रही थीं। आंतरिक एजेंसियों ने सरकार को 220 से 230 सीटों के मिलने के बारे में बताया था। स्टॉक मार्केट तीन जून को सारे रिकॉर्ड तोड़ देता है और 4 जून को धड़ाम हो जाता है। राहुल ने कहा, ये दिखाता है कि कोई न कोई घपला हो रहा है। हजारों करोड़ रुपये यहां निवेश हुए। स्टॉक मार्केट गिरने के बाद 20 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। ये जो आप देख रहे हैं वह स्टॉक मार्केट के इतिहास का सबसे बड़ा नुकसान है।

मोदी के शपथ ग्रहण में पड़ोसी देशों को न्योता

> *श्रीलंका-बांग्लादेश समेत 5 देशों के नेता होंगे शामिल*

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद नरेंद्र मोदी 9 जून को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इस समारोह के लिए भारत के पड़ोसी देशों के लीडर्स को न्योता भेजा जाएगा।

इनमें श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, नेपाल के पीएम प्रचंड समेत मॉरीशस और भूटान के नेता शामिल होंगे। श्रीलंका के राष्ट्रपति के मीडिया डिविजन ने इसकी पुष्टि भी की। रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने बुधवार को फोन करके पीएम मोदी को चुनाव जीतने पर बधाई दी थी। इसी दौरान कॉल पर मोदी ने उन्हें शपथ ग्रहण में शामिल होने का न्योता दिया, जिसे विक्रमसिंघे ने स्वीकार कर लिया। वहीं बांग्लादेश की पीएम के साथ भी फोन पर बातचीत के दौरान मोदी ने उन्हें समारोह का आमंत्रण दिया है। नेपाल के पीएम प्रचंड ने भी पीएम मोदी को फोन कर बधाई दी। सूत्रों के हवाले से बताया कि बाकी देशों के नेताओं को आज शपथ ग्रहण समारोह के लिए न्योता भेजा जाएगा। इससे पहले मंगलवार (6 जून) को चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद पीएम मोदी को आधी दुनिया ने बधाई दी। इनमें भारत के पड़ोसी देशों के नेताओं के अलावा, रूस के राष्ट्रपति पुतिन, अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडेन, ब्रिटेन के पीएम सुनक, मालदीव, फ्रांस के राष्ट्रपति, इजराइल और जापान के प्रधानमंत्री समेत 90 से ज्यादा नेता शामिल रहे। सभी ने पीएम मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

साथ ही भारत के साथ मिलकर पार्टनरशिप को आगे बढ़ाने की उम्मीद जताई। इससे पहले 2014 में अपने पहले शपथ ग्रहण समारोह के दौरान पीएम मोदी ने सार्क देशों के लीडर्स को न्योता भेजा था। इसके तहत पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ, अफगान राष्ट्रपति हामिद करजई और श्रीलंका के राष्ट्रपति महिंद राजपक्षे समारोह में शामिल हुए थे।

चंद्रबाबू नायुडू 12 जून को सीएम पद की शपथ लेंगे

> *चौथी बार बनेंगे आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री * मोदी सहित नई कैबिनेट के कई मंत्री मौजूद रहेंगे*

अमरावती, 6 जून (एजेंसियां)। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायुडू 12 जून को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। समारोह अमरावती में होगा। इसमें नरेंद्र मोदी और नए केंद्रीय कैबिनेट के कई मंत्री शामिल होंगे। नायुडू का शपथ समारोह पहले 9 जून को होने वाला था। हालांकि, मोदी के शपथ समारोह के चलते इसे टाल दिया गया।

चंद्रबाबू नायुडू चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री बनने जा रहे है। इससे पहले उन्होंने 1 सितंबर 1995, 11 अक्टूबर 1999 और 8 जून 2014 को तीन बार सीएम पद की शपथ ली थी। 2019 में वाईएसआरसीपी अध्यक्ष जगन मोहन रेड्डी ने जीत दर्ज कर उनसे सत्ता छीनी थी। सूत्रों के मुताबिक, नायुडू शपथ ग्रहण के दिन अमरावती को राज्य की राजधानी बनाने का ऐलान कर सकते हैं। 2 जून को हैदराबाद को तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की संयुक्त राजधानी रखने के लिए 10 साल का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया। अभी आंध्र प्रदेश का एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसकी कोई राजधानी नहीं है।

अमरावती नायुडू के लिए खास महत्व रखता है। 2014 में आंध्र प्रदेश का बंटवारा दो हिस्सों में हुआ था। तेलंगाना अलग राज्य बना। 2014 के आंध्र प्रदेश पुनर्गठन एक्ट के मुताबिक, हैदराबाद ही इन दोनों राज्यों की राजधानी बनी रही, लेकिन एक्ट के मुताबिक ये सिर्फ 10 साल का कॉन्ट्रैक्ट था।

10 साल बाद यानी 2024 तक आंध्र को अपनी नई राजधानी बनानी थी। आंध्र के बंटवारे के साल यानी 2014 के विधानसभा चुनाव में चंद्रबाबू नायुडू की टीडीपी विजयी हुई। नायुडू ने सीएम बनने के बाद अमरावती को राजधानी बनाने का ऐलान किया था। अमरावती में जमीन अधिग्रहण और निर्माण कार्य भी शुरू हो गया था। हालांकि, 2019 में फिर सत्ता बदली और तत्कालीन सीएम जगन मोहन ने अमरावती की जगह राज्य की तीन राजधानी बनाने की घोषणा कर दी। तीन-तीन राजधानियों के ऐलान के साथ ही अमरावती में विरोध प्रदर्शन हुए। मामला हाई कोर्ट पहुंचा।

हाई कोर्ट ने मार्च 2022 में अमरावती को राजधानी बनाने के हक में फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार सिर्फ अपनी इच्छा की वजह से तीन राजधानियां नहीं बना सकती। कोर्ट ने सरकार को अमरावती में चल रहा राजधानी का निर्माण कार्य अगले छह महीने में पूरा करने का आदेश दिया था। हालांकि, अब तक आंध्र प्रदेश को अपनी राजधानी नहीं मिल सकी है। इधर, 2 जून को कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने से पहले तेलंगाना सरकार ने उन इमारतों को खाली करने का आदेश दे दिया है, जहां आंध्र सरकार के दफ्तर हैं।

नई सरकार के गठन से पहले जेपी नड्डा के आवास पर भाजपा की अहम बैठक, अमित शाह भी मौजूद

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद भाजपा नीत एनडीए सरकार बनाने की प्रक्रिया में जुट चुकी है। मंगलवार को जारी नतीजों के बाद नरेंद्र मोदी एक बार फिर प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। इस शपथ समारोह से पहले आज भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर बैठक बुलाई गई। इस बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह और राजनाथ सिंह समेत कई अन्य नेता भी मौजूद रहे।

इन मुद्दों पर चर्चा

इस बैठक में गठबंधन पार्टियों का मंत्रिमंडल में स्थान से लेकर पार्टियों के नेताओं के चयन जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यवाहक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने को लेकर एनडीए की शुक्रवार को बैठक होने की संभावना है। अगले हफ्ते तक नई सरकार के शपथ लेने की उम्मीद है। लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे नरेंद्र मोदी ने बुधवार को गठबंधन पार्टियों के साथ एक बैठक की। भाजपा की सहयोगी पार्टी जनता दल (जेडीयू) के नेताओं ने भी पार्टी अध्यक्ष नीतीश कुमार के साथ विचार-विमर्श किया। हालांकि, अबतक क्षेत्रीय पार्टियों ने किसी भी तरह की कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सूत्रों के अनुसार, क्षेत्रीय पार्टियां केंद्रीय सरकार में कई अहम मंत्री पद की मांग कर सकते हैं। एनडीए गठबंधन में 19 सांसदों के साथ तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के साथ सबसे बड़ी पार्टी और 12 सांसदों के साथ जनता दल दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। भाजपा के नेतृत्व वाली नई सरकार इन दो पार्टियों पर निर्भर हैं।

बता दें कि देश की 543 लोकसभा सीटों पर भाजपा नीत एनडीए ने 292 पर और इंडिया ने 234 सीटों पर जीत हासिल की। एनडीए की इस जीत के साथ नरेंद्र मोदी नौ जून को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं।

पहली बार चुने गए 280 सांसद

चुनाव आयोग राष्ट्रपति मुर्मू को सौंपेगा विजयी उम्मीदवारों की सूची

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आ चुके हैं। 240 सीटों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। भाजपा नीत एनडीए बहुमत हासिल करने के बाद अब सरकार बनाने की प्रक्रिया में जुट चुकी है। हालांकि, इस बार के चुनाव में एक और खासियत देखने को मिली। 18वीं लोकसभा में करीब 280 सांसद होंगे जो पहली बार चुने गए हैं, जो साल 2019 से काफी अधिक हैं। बता दें, 2019 में 267 सदस्य थे, जो पहली बार सांसद चुने गए थे।

कुल 263 नवनिर्वाचित सांसद पहले लोकसभा के सदस्य के रूप में कार्य कर चुके हैं। थिंक टैंक पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के अनुसार, इसके अलाव 16 सांसद राज्यसभा के सदस्य रहे हैं और एक सांसद ने लोकसभा में सात कार्यकाल पूरे किए हैं। फिर से चुने गए सांसदों में से आठ ने अपना निर्वाचन क्षेत्र बदल दिया और एक को दो निर्वाचन क्षेत्रों से फिर से चुना गया। 17वीं लोकसभा में नौ दोबारा चुने गए सांसद दूसरी पार्टी के थे, जबकि आठ अन्य अपनी पिछली पार्टी से अलग हुई पार्टी के प्रतिनिधि थे। चुनाव लड़ने वाले 53 मंत्रियों में से 35 ने जीत हासिल की है। नई लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 240 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है। अगली सबसे बड़ी पार्टी 99 सीटों के साथ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) है, इसके बाद समाजवादी पार्टी 37 सीटों के साथ है। सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू गुरुवार शाम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लोकसभा चुनाव जीतने वाले उम्मीदवारों की सूची सौंपेंगे।

संसद भवन में गांधी-आंबेडकर की प्रतिमा का स्थान बदला

कांग्रेस बोली-दो राज्यों में हार का बदला ले रही भाजपा

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस ने एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा है। दरअसल, संसद भवन में भूनिर्माण कार्य के कारण महात्मा गांधी, बीआर आंबेडकर, छत्रपति शिवाजी महाराज सहित अन्य मूर्तियों को स्थानांतरित कर दिया गया है। भूनिर्माण कार्य के कारण आदिवासी नेता बिरसा मुंडा और महाराणा प्रताप की मूर्तियों को भी हटाया गया है। सभी मूर्तियों को अब एक साथ पुराने संसद भवन और संसद पुस्तकालय के बीच एक लॉन में रखा गया है। कांग्रेस ने इस काम की आलोचना की है।

यह अपमानजनक है :

कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने इस पर आपत्ति जताई है। उन्होंने एक्स पर कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा गांधी और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की मूर्तियों को ससंद भवन के उनके प्रमुख स्थानों से हटा दिया गया है। यह अपमानजनक है। संसद भवन के सामने छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा गांधी और बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्तियों को उनके विशिष्ट स्थानों से हटा दिया गया है। यह बेहद अपमानजनक हरकत है। भाजपा की आलोचना करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने कहा कि चूंकि महाराष्ट्र के मतदाताओं ने इस बार भाजपा को वोट नहीं दिया इसलिए संसद से शिवाजी महाराज और बाबा साहब की मूर्तियों को हटा दिया गया। गुजरात में भाजपा इस बार क्लीन स्वीप नहीं कर पाई इसलिए संसद से महात्मा गांधी की मूर्ति को हटा दिया गया। खेड़ा ने आगे कहा कि जरा सोचिए, एक बार अगर इन्हें इस बार 400 सीटें मिल गईं होती तो क्या यह (भाजपा) संविधान को बख्श देते।

'एनसीपी का कोई विधायक शरद पवार गुट के साथ नहीं जा रहा'

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने उन दावों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि एनसीपी के कई विधायक शरद पवार गुट के संपर्क में हैं। सुनील तटकरे ने कहा कि ये सिर्फ अफवाहें हैं और जानबूझकर ये अफवाहें फैलाई जा रही हैं। सुनील तटकरे ने ये भी बताया कि वह एनडीए की बैठक में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली जा रहे हैं।

एनसीपी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा कि पार्टी की कोर कमेटी की आज बैठक हुई, जिसमें लोकसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा की गई। आगामी विधानसभा चुनाव में हम ज्यादा आक्रामक तरीके से प्रचार करेंगे। एनसीपी के सभी विधायकों की शाम में बैठक होगी, जिसमें चुनाव से संबंधित चर्चा होगी। तटकरे ने कहा, जानबूझकर ये अफवाह फैलाई जा रही है कि हमारे विधायक शरद पवार गुट के संपर्क में है।

कंगना का आरोप-सीआईएसएफ महिला जवान ने थप्पड़ मारा

चंडीगढ़ एयरपोर्ट की घटना, भाजपा की बैठक में शामिल होने दिल्ली आ रही थीं

चंडीगढ़, 6 जून (एजेंसियां)। हाल ही में हिमाचल प्रदेश के मंडी से लोकसभा चुनाव जीतने वालीं कंगना रनोट को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर तैनात सीआईएसएफ की महिला जवान ने थप्पड़ मारा है।

कंगना रनोट ने मामले की शिकायत कर महिला जवान को नौकरी से हटाना और उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। कंगना को मारने वाली जवान का नाम कुलविंदर कौर बताया जा रहा है। कंगना रनोट चुनाव जीतने के बाद भाजपा की बैठक में शामिल होने के लिए विस्तार एयरलाइन्स की फ्लाइट यूके707 से दिल्ली के लिए निकली थीं।

सिक्योरिटी चेक के दौरान पड़ा थप्पड़ :

ये घटना गुरुवार दोपहर साढे 3 बजे की है। कंगना रनोट एयरपोर्ट सिक्योरिटी चेक से निकल रही थीं, जब महिला जवान ने उन पर हाथ उठाया है।

कंगना ने इसकी शिकायत भी दर्ज करवाई है। कंगना को थप्पड़ मारने वाली सीआईएसएफ की जवान उनके किसान आंदोलन में दिए गए बयान से आहत थी। फिलहाल एयरपोर्ट पर मौजूद सिक्योरिटी ने कुलविंदर को कमांडेंट कमरे में बैठाकर रखा है। वहीं कंगना दिल्ली के लिए रवाना हो चुकी हैं। कंगना रनोट इस लोकसभा चुनाव में भाजपा की तरफ से हिमाचल प्रदेश के मंडी से चुनाव में उतरी थीं। एक्ट्रेस के सामने कांग्रेस पार्टी के नेता विक्रमादित्य सिंह थे। कंगना ने उन्हें 74,755 वोटों से हराया है।

चारधाम यात्रा पर आए 2 विदेशी श्रद्धालुओं की मौत

देहरादून, 6 जून (एजेंसियां)। ऋषिकेश-बद्रीनाथ हाईवे पर नरकोट के पास एक बड़ा हादसा हुआ है। रुद्रप्रयाग से 5 किमी पहले पहाड़ी से गिरे बड़े बोल्डर की चपेट में आकर 2 यात्रियों की मौत हो गई जबकि 7 यात्री घायल हो गए। सभी यात्री अमेरिका के न्यूयार्क के रहने वाले हैं। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। यात्री बद्रीनाथ की यात्रा करने के बाद ऋषिकेश की ओर लौट रहे थे। हादसा बुधवार शाम का बताया जा रहा है। जब सभी प्रवासी भारतीय भगवान बद्रीनाथ के दर्शन कर ऋषिकेश लौट रहे थे। इस दौरान रुद्रप्रयाग से पहले नरकोट के पास पहाड़ी से भारी बोल्डर उनके टेंपो ट्रैवलर पर गिर गया। बोल्डर इतना बड़ा था कि टेंपो ट्रैवलर की छत तोड़कर सीधे अंदर घुस गया। इसमें न्यूयार्क में रहने वाले भारतीय अमित सिकंदर (62) और बुद्धदेव मजूमदार (74) की मौके मौत हो गई।

आरोपी प्रज्वल रेवन्ना को अदालत में किया गया पेश

कोर्ट ने 10 जून तक के लिए हिरासत में भेजा

कर्नाटक, 6 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक का अश्लील वीडियो कांड इन दिनों विवादों में हैं। पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर दुष्कर्म का आरोप है। उन्हें आज जनप्रतिनिधि अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उनकी हिरासत अवधि को बढ़ा दिया है। प्रज्वल अब 10 जून तक पुलिस की हिरासत में ही रहेंगे। बता दें, प्रज्वल को 31 मई को अदालत ने छह दिन के लिए पुलिस हिरासत में भेजा गया था। उन्हें जांच दल ने कर्नाटक की विशेष अदालत में पेश किया था। न्यायमूर्ति केएन शिवकुमार ने मामले की सुनवाई की थी।

मीडिया ट्रायल न कराने का अनुरोध :

31 मई को प्रज्वल के वकील, अरुण ने कहा था कि प्रज्वल जांच में सहयोग करने के लिए आगे आए हैं। मीडिया से उनका अनुरोध है कि उनका मीडिया ट्रायल न किया जाए। उन्हें होलेनरसीपुरा मामले में गिरफ्तार किया गया है।

प्रज्वल के खिलाफ ब्ल कॉर्नर नोटिस जारी :

प्रज्वल के खिलाफ इंटरपोल ने ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया था। ब्लू कॉर्नर नोटिस अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन की तरफ से जारी किया जाता है, जिसे इंटरपोल कहा जाता है। जानकारी के अनुसार, किसी अपराध के संबंध में किसी व्यक्ति की पहचान, स्थान सहित अन्य जानकारी एकत्र करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय पुलिस सहयोग निकाय ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी करता है। नोटिस के लिए जांच एजेंसी को इंटरपोल से अनुरोध करना पड़ता है। बता दें, इंटरपोल अलग-अलग तरह की कार्रवाई के लिए विभिन्न रंग के कॉर्नर नोटिस जारी करता है।

नतीजों के बाद पन्नीरसेलवम ने की एआईएडीएमके को एकजुट करने की अपील

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और एआईएडीएमके से निकाले गए नेता ओ पन्नीरसेलवम ने कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए एकजुट होने की बात कही। वहीं पार्टी ने उनके सुझाव को खारिज कर दिया है। साथ ही यह भी कहा कि वे भ्रम फैला रहे हैं।

रामनाथपुरम से लोकसभा चुनाव में अपनी हार और पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के पलानीस्वामी के नेतृत्व वाली एआईएडीएमके के राज्य में 39 सीट में से एक भी सीट हासिल कर पाने में असमर्थ रहे। इसके बाद पन्नीरसेलवम ने एआईएडीएमके को वापस लाने की मांग की है। हालांकि पार्टी की कमान पलानीस्वामी के हाथों में आने के बाद से वे यह अपील कर रहे हैं। पन्नीरसेलवम ने कहा कि कार्यकर्ताओं को सांत्वना देना और उन्हें हार सहन करने की आदत लगाना पाप है। बता दें कि पन्नीरसेलवम में लोकसभा चुनाव में भाजपा के साथ हाथ मिला लिया था।

दिल्ली में खत्म होगा जल संकट

सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल को दिया पानी छोड़ने का आदेश

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। जल संकट से जूझ रहे दिल्ली वालों के लिए अब राहत की खबर सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश को यमुना नही में पानी छोड़ने का आदेश दिया है। दरअसल, गुरुवार को दिल्ली मे पानी के बढ़ते संकट को लेकर दाखिल दिल्ली सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई हुई। इस सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश को 137 क्यूसेक पानी छोड़ने का आदेश दिया है। कोर्ट ने ये भी कहा कि दिल्ली में किसी भी तरह से पानी की बरबादी न हो इस बात का ध्यान रखा जाए।

इतने गंभीर मुद्दे पर ध्यान देना होगा- सुप्रीम कोर्ट

मामले की सुनवाई कर रही जस्टिस विश्वनाथन और जस्टिस प्रशांत मिश्रा की बेंच ने कहा कि यह पानी के लाने के लिए एक रास्ते के अधिकार का मामला है। हमे इतने गंभीर मुद्दे पर ध्यान देना होगा। हिमाचल 150 क्यूसेक पानी दे रहा है, तो आप (हरियाणा) इसे पास होने दें। अगर जरूरत पड़ी तो हम मुख्य सचिव से बात करेंगे। दिल्ली सरकार की तरफ से सिंघवी ने कहा कि मीटिंग हुई हिमांचल पानी देने को तैयार है लेकिन हरियाणा ने कोई जवाब नहीं दिया।

दोनों राज्यों में भीषण गर्मी- सुप्रीम कोर्ट

मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अपर यमुना रिवर बोर्ड के सभी सदस्य इस बात पर सहमत थे कि दोनों राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है और दोनों को पानी की जरूरत है। हिमाचल प्रदेश 5 जून को हुई मीटिंग में शामिल था। हिमाचल प्रदेश ने कहा कि जो अतिरिक्त पानी है। वो इस पानी को दिल्ली के साथ साझा करना चाहता है। इसलिए हम 137 क्यूसेक पानी हिमाचल को जारी करने का आदेश देते हैं।

कोर्ट ने कहा कि यमुना रिवर फ्रंट बोर्ड इस बात का ध्यान देगा कि कितना पानी आया है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश को 137 क्यूसेक पानी यमुना में छोड़ने का आदेश दिया। हथिनी कुंड बराज के रास्ते दिल्ली को अतिरिक्त पानी मिलेगा। कोर्ट के आदेश के अनुसार हिमाचल कल से 137 क्यूसेक पानी छोड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा हरियाणा इस काम में सहयोग करे। कोर्ट ने ये भी कहा है कि कोर्ट ने कहा है कि सोमवार को सभी पक्ष अपनी रिपोर्ट दाखिल करें।

गौकशी का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल, गिरफ्तार

गाजियाबाद, 6 जून (एजेंसियां)। लोनी थाना पुलिस ने गुरुवार तड़के गौकशी के वांछित आरोपी को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। वह पैर में गोली लगने से घायल है। पुलिस आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर रही है। एसीपी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि थाना लोनी पुलिस ने सबलू गढ़ी रोड पर समाधि के पास एक बैटरी रिक्शा पर सवार एक व्यक्ति को चेकिंग के दौरान रोका।

तो वह रिक्शा को मोड़कर सिलवर सिटी की तरफ भागने लगा। पुलिस टीम ने जब उसका पीछा किया तो बैटरी रिक्शा को रास्ते पर छोड़कर शख्स द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने भी आत्मरक्षा में फायर किया, जिसमें बदमाश घायल हो गया। एसीपी ने बताया कि घायल बदमाश ने पूछताछ में अपना नाम फय्याज निवासी अमन गार्डन अशोक विहार थाना लोनी बताया है।

क्या राजनीति से संन्यास ले लेंगे 76 साल के दिग्विजय सिंह

राजगढ़ में करारी हार के बाद क्यों हो रही चर्चा

भोपाल, 6 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में बीजेपी ने इतिहास रच दिया है। बीजेपी ने लोकसभा चुनाव 2024 में मध्य प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की है। कांग्रेस इस बार राज्य की छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर भी जीत हासिल नहीं कर पाई। बीजेपी की लहर में कांग्रेस के कई दिग्गजों को हार का सामना करना पड़ा। राजगढ़ लोकसभा सीट से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की करारी हार के बाद उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें लगने लगी हैं। ऐसी चर्चाएं हैं कि दिग्विजय सिंह अब राजनीति से सन्यास ले सकते हैं।

क्योंकि जिस समय चुनावी तैयारियों में दिग्विजय सिंह लगे थे। तब वह लगातार लोगों के बीच में यह कहते हुए पहुंच रहे थे कि यह उनका अंतिम चुनाव है। एक इमोशनल कार्ड खेलते हुए दिग्विजय सिंह दिखाई दिए लेकिन अब जब राजगढ़ के चुनावी नतीजे आ चुके हैं। और दिग्विजय सिंह को करारी हार का सामना करना पड़ा है। तो ऐसे माना जा रहा है कि क्या दिग्विजय सिंह राजनीति से सन्यास ले सकते हैं। हालांकि वह अभी भी राज्यसभा से सांसद हैं। जिसका कार्यकाल अभी भी बचा हुआ है। ऐसे में यह देखना होगा कि क्या दिग्विजय सिंह राज्यसभा का कार्यकाल पूरा करते हैं या उससे पहले ही इस्तीफा देते हैं। यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि दिग्विजय सिंह लगातार ये कहते हुए दिखाई दिए कि उनका अंतिम चुनाव है।

इसके बाद वो चुनाव नहीं लड़ेंगे। ऐसे में क्या दिग्विजय सिंह आने वाले समय में राजनीति से सन्यास लेते हुए भी दिखाई देंगे? हालांकि यह भी बता दें कि राजगढ़ दिग्विजय सिंह का गढ़ माना जाता है। लेकिन, वहां से हार का सामना करने के बाद अब दिग्विजय सिंह और मध्य प्रदेश कांग्रेस का क्या होता है। यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

स्वर्ण मंदिर में लगे खालिस्तानी नारे भिंडरावाले के पोस्टर भी लहराए

अमृतसर, 6 जून (एजेंसियां)। ऑपरेशन ब्लू स्टार की 40वीं बरसी पर अमृतसर में सिख समुदाय के लोगों ने खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। श्री अकाल तख्त साहिब के बाहर तलवारें भी लहराई गईं। खालिस्तान समर्थन में नारे लगाने के साथ लोगों ने जरनैल सिंह भिंडरावाले की तस्वीर लगे पोस्टर भी लहराए। ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर श्री अकाल तख्त साहिब पर ऑपरेशन में मारे जाने वाले सिखों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई है। श्री अखंड पाठ के भोग के बाद आयोजित अरदास में 1984 में उसे समय की सरकार द्वारा करवाए गए ऑपरेशन के लिए कांग्रेस पार्टी की निंदा की गई है। अरदास में कहा गया है कि सिख कौम इस घटना को कभी भी नहीं भुला सकती है। सिखों के जख्म सदैव रिसते रहेंगे। दूसरी तरफ ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी को लेकर श्री हरि मंदिर साहिब से लेकर पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। श्री हरि मंदिर साहिब में सादे कपड़ों में पुलिस कर्मचारी तैनात किए गए हैं। सुरक्षाबलों की तैनाती के साथ बैरिकेडिंग की गई है। किसी भी अप्रिय घटना पर नजर रखी जाएगी। समागम में श्री अकालतख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह , फरीदकोट से सांसद सरबजीत सिंह खालसा, पूर्व सांसद सिमरनजीत सिंह मान, बलजीत सिंह दादूवाल सहित भारी संख्या में गरम गरमख्याली संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद हैं।

ये योगी आदित्यानाथ पर दबाव बनाने का खेल

फडणवीस के इस्तीफे की पेशकश पर ऐसा क्यों बोले संजय राउत

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर तीखा हमला बोला है। फडणवीस के मंत्री पद से मुक्त करने की मांग को राउत ने 'नौटंकी' करार दिया और महाराष्ट्र में भाजपा के खराब प्रदर्शन के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया।

फडणवीस पर राउत का हमला

संजय राउत ने आगे दावा किया कि सही समय आने पर केंद्र में भी इंडी गठबंधन सरकार बना सकते हैं। देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे की पेशकश पर बोलते हुए राउत ने कहा,

फडणवीस ही भाजपा की हार के जिम्मेदार

महाराष्ट्र में भाजपा की करारी हार के लिए फडणवीस को जिम्मेदार ठहराते हुए संजय राउत ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र की राजनीति के खलनायक हैं और राज्य की जनता ने उनके नेतृत्व को नकार दिया है। राउत ने कहा कि महाराष्ट्र हमेशा से स्वच्छ और कूटनीतिक राजनीति की वकालत करने वाला राज्य रहा है, लेकिन फडणवीस सस्ती रणनीति और छल की संस्कृति लेकर आए, जो उनकी हार का कारण है।

योगी पर दबाव बनाने की कोशिश

शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने आगे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर भी बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि कुछ लोग योगी जी को किनारे करने की कोशिश कर रहे हैं और ये सब इस्तीफे की नौटंकी भी दबाव बनाने के लिए है। हमने हमेशा बाबा जी का सम्मान किया है, लेकिन यह उनकी पार्टी का मामला है।

आरएसएस भी मोदी सरकार के पक्ष में नहीं: राउत

आरएसएस द्वारा भविष्य की एनडीए सरकार का समर्थन करने की अटकलों पर राउत ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि आरएसएस मोदी-शाह सरकार का समर्थन करेगा, क्योंकि वे अपने शासन के बाद से ही आरएसएस को किनारे करते आ रहे हैं। आरएसएस द्वारा विकल्प के तौर पर नितिन गडकरी की तलाश के सवाल पर राउत ने कहा कि अभी रुको और देखो!

जीएमसी में आपत्तिजनक पोस्ट के खिलाफ प्रदर्शन आठ जून तक स्नातक की कक्षाएं निलंबित

श्रीनगर, 6 जून (एजेंसियां)। सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) श्रीनगर में सोशल मीडिया पर डाली ली गई आपत्तिजनक पोस्ट के खिलाफ प्रदर्शन किया गया है। मामले को लेकर गुरुवार को जीएमसी श्रीनगर प्रशासन ने स्नातक कक्षाओं के क्लासवर्क को 8 जून तक स्थगित करने का आदेश दिया है। साथ ही सभी से शांति बनाए रखने की अपील की गई है। दरअसल, बुधवार को एक गैर-स्थानीय मेडिकल छात्र द्वारा अपत्तिजनक एक पोस्ट को लेकर कॉलेज में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। अधिकारियों ने बताया कि जीएमसी श्रीनगर के कई छात्रों और जूनियर डॉक्टरों ने उक्त मेडिकल छात्र के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उन्होंने गैर-स्थानीय छात्र को अपमानजनक चित्र हटाने के लिए तीन घंटे का समय दिया था, लेकिन उसने ऐसा करने से इनकार कर दिया। आरोप है कि इस पोस्ट से धार्मिक भावनाओं को आहत करने की कोशिश की गई। उधर, जीएमसी श्रीनगर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'मामले का तत्काल संज्ञान लिया गया है। जांच लंबित रहने तक संबंधित छात्र को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। नियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई के लिए 13 एचओडी/एचओयू की जांच ने शुरू की है। सभी संबंधितों से अनुरोध है कि वे परिसर में शांति बनाए रखें।'

बंगाल राशन घोटाला मामले में अभिनेत्री रितुपर्णा सेनगुप्ता को ईडी ने फिर भेजा समन

कोलकाता, 6 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में राशन घोटाला मामले में पूछताछ के लिए लोकप्रिय अभिनेत्री रितुपर्णा सेनगुप्ता को एक नया समन भेजा है। नए समन में सेनगुप्ता को अगले हफ्ते कोलकाता के साल्ट लेक स्थित ईडी दफ्तर में आने को कहा गया है।

उन्हें बुधवार को ईडी की पूछताछ में उपस्थित होना था। लेकिन इसके बदले उन्होंने केंद्रीय एजेंसी को एक लेटर भेजा जिसमें उन्होंने कहा कि वो देश से बाहर हैं, इसलिए व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हो सकते। हालांकि, लेटर में उन्होंने कहा कि वो जांच में पूरा सहयोग करने को तैयार हैं। उन्होंने ईडी को पूछताछ के लिए कोई बाद की तारीख बताने को कहा। सूत्रों ने बताया कि अभिनेत्री से पत्र मिलने के बाद ईडी अधिकारियों ने उन्हें पूछताछ के लिए उचित समय देने का फैसला किया। सूत्रों ने बताया कि सेनगुप्ता का नाम उस समय सामने आया जब ईडी अधिकारी राशन घोटाला मामले में एक आरोपी से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रहे थे। रितुपर्णा सेनगुप्ता से जांच के दौरान घोटाला में सामने आए कुछ लेन-देन में संबंध को स्पष्ट करने के लिए कहा जाएगा।

इससे पहले 2019 में सेनगुप्ता को पश्चिम बंगाल में रोज वैली चिटफंड घोटाले में ईडी अधिकारियों ने तलब किया था। उन्हें रोज वैली समूह की कुछ फिल्म प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए तलब किया गया था। आरोप लगाया गया था कि ये फिल्में रोज वैली द्वारा मार्केटिंग के जरिए निवेशकों को आकर्षक रिटर्न का वादा कर जुटाए गए फंड का इस्तेमाल कर बनाई गई थीं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्ति चिदंबरम को जमानत, राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिया आदेश

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। चीनी वीजा घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्ति चिदंबरम को जमानत मिल गई है। यह आदेश दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिया है। कोर्ट के समन जारी करने के बाद तारीख से पहले ही कार्ति चिदंबरम पेश हो गए थे। जिसको देखते हुए ईडी और सीबीआई की विशेष जज कावेरी बावेजा ने चिदंबरम को जमानत दे दी। अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की चार्जशीट के आधार पर कार्ति चिदंबरम को समन जारी किया था। कोर्ट ने एक लाख रुपये को निजी मुचलके और इतनी धनराशि पर आरोपी को जमानत दी है। ईडी ने 2011 में 263 चीनी नागरिकों को वीजा जारी करने से संबंधित कथित घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था।

मामले में कार्ति चिदंबरम के अलावा 3 अन्य लोगों को ईडी ने आरोपी बनाया था। उस समय कार्ति के पिता पी। चिदंबरम केंद्रीय गृह मंत्री थे। मामले में सीबीआई के मामला दर्ज करने के बाद प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग के तहत भी केस दर्ज किया गया था। सीबीआई के मुताबिक इस मामले मे करीब 50 लाख रुपये की रिश्वत ली गई थी।

अतिक्रमण हटाने गए पुलिस और बीएमसी के अधिकारियों पर पथराव, 5 पुलिसकर्मी घायल

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। मुंबई में अतिक्रमण हटाने गई पुलिस और बीएमसी की टीम के खिलाफ पथराव का मामला सामने आया है। इस वारदात में 5 पुलिसकर्मी बुरी तरह से घायल हो गए हैं, जिसके बाद पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है। बताया जा रहा है कि पथराव मुंबई के पवई इलाके में हुआ है। यहां बीएमसी प्रशासन पुलिस के साथ आज अतिक्रमण अभियान पर निकला था। इस दौरान ही स्थानीय लोगों ने पुलिस और बीएमसी अधिकारियों पर हमला कर दिया। भीड़ ने अफसरों पर पथराव शुरू कर दिया। इस घटना में करीब 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। इसके बाद मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें भीड़ पुलिसकर्मियों का विरोध करते हुए उन पर पथराव करती नजर आ रही है। भीड़ में शामिल ज्यादातर लोगों ने अपने हाथ में झंडे और पोस्टर पकड़ रहे हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस अतिक्रमण ड्राइव को आगे चलाया जाएगा या नहीं। ऐसा ही एक मामला महाराष्ट्र के ठाणे में भी सामने आया था। अतिक्रमण हटाए जाने को लेकर एमबीएमसी के कर्मचारियों पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया था, जिसमें उन्हें गंभीर चोट आई थी।

हमले में घायल हुए ऐसे सभी कर्मचारियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एक अधिकारी ने बताया था कि पुलिस ने ठाणे जिले में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान मीरा भयंदर नगर निगम (एमबीएमसी) के कर्मचारियों पर हमला करने के आरोप में 17 फेरीवालों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

स्थानीय पुलिस के साथ एमबीएमसी के कर्मचारी 4 जनवरी को एमबीएमसी सीमा के तहत शांति नगर इलाके में फेरीवालों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने का काम कर रहे थे। इसी दौरान फेरीवालों ने कथित तौर पर नागरिक कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया और उनके साथ मारपीट की थी।

यूपी के सियासत की सबसे बड़ी खबर, अखिलेश यादव देंगे इस्तीफा! अब फिर होगा चुनाव

लखनऊ, 6 जून (एजेंसियां)। लोकसभा सीट से चुनाव जीते समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव अब इस्तीफा दे सकते हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सपा अध्यक्ष अब दिल्ली की राजनीति की ओर रुख कर सकते हैं। इसके लिए अखिलेश यादव यूपी विधानसभआ सी इस्तीफा देंगे। दावा है कि वह करहल विधानसभा सीट से इस्तीफा देंगे। दावा है कि अखिलेश यादव विधानसभा से इस्तीफा देकर अपनी सांसदी बरकरार रखेंगे। अखिलेश यादव के करहल से इस्तीफा देने के बाद इस सीट से कौन चुनाव लड़ेगा, अभी इस पर अंतिम फैसला नहीं हुआ है। हालांकि चर्चा है कि मैनपुरी के पूर्व सांसद तेजप्रताप यादव को करहल विधानसभा से चुनाव लड़ाया जा सकता है।

विधायक पद से इस्तीफा दे सकते हैं अखिलेश

विधानसभा से इस्तीफा देने का साथ ही अखिलेश यादव नेता प्रतिपक्ष के पद को भी छोड़ेंगे। जिसके बाद यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पद पर कोई नया चेहरा दिख सकता है। हालांकि सपा का नया नेता प्रतिपक्ष कौन होगा इसको लेकर अखिलेश दिल्ली से लौट कर फैसला करेंगे। लेकिन, इस रेस में सबसे आगे चाचा शिवपाल यादव का नाम चल रहा है। वहीं जानकारों की माने तो अखिलेश यादव नेता प्रतिपक्ष पद पर भी पीडीए की रणनीति के आधार पर फैसला ले सकता है। अगर ऐसा होता है शिवपाल यादव के अलावा रामअचल राजभर, इंद्रजीत सरोज या कमाल अख्तर को भी मौका दिया जा सकता है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी 37 लोकसभा सीटें जीतनें के बाद प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है और देश में बीजेपी और कांग्रेस के बाद तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। ऐसे में केंद्र की राजनीति में समाजवादी पार्टी की भूमिका कहीं ज्यादा अहम हो गई है। इस बड़ी ज़िम्मेदारी को खुद अखिलेश यादव ही संभालेंगे। इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि जब इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने की बात हुई तो भी अखिलेश को बड़े नेताओं से बातचीत करने की अहम जिम्मेदारी दी गई थी।

चेन्नई दक्षिण लोकसभा सीट से जीतने वाली थमिझाची थंगापांडियन कौन हैं

चेन्नई, 6 जून (एजेंसियां)। इस बार चेन्नई दक्षिण सीट पर मुख्य मुकाबला डीएमके के थमिझाची थंगापांडियन और भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार डॉ। तमिलसाई सुंदरराजन के बीच था। डीएमके उम्मीदवार तमिलाची थंगापांडियन ने 5,16,628 वोट हासिल करके बीजेपी के तमिलिसाई सुंदरराजन को 2 लाख 25 हजार 945 वोट से पराजित कर दिया। इस चुनाव में तमिलिसाई सुंदरराजन को 2,90,683 वोट और तमिलाची थंगापांडियन को 516628 वोट मिले। पिछली बार भी इन्होंने इसी लोकसभा सीट बड़ी जीत दर्ज की थी। आइए जानते हैं कौन हैं कौन हैं तमिलाची थंगापांडियन जो अब संसद में अपनी बात रखेंगी।

थमिझाची थंगापांडियन तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले से हैं। चेन्नई दक्षिण लोकसभा क्षेत्र में डीएमके पार्टी से ये दूसरी बार लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं। 62 साल की थमिझाची सिर्फ नेता नहीं बल्कि कवि और लेखक भी हैं। इनकी शादी सी। चंद्रशेखर से हुई। ये रिटायर्ड डीजीपी हैं। राजनीतिक सफर की शुरुआत से पहले थमिझाची एक कॉलेज में लेक्चरार रही हैं। इन्होंने फिल्म जगत में भी काम किया है। कई फिल्मों के लिए मशहूर डायलाग भी लिख चुकी हैं। राजनीति इनको विरासत में मिली।

9 करोड़ से अधिक संपत्ति

थमिझाची ने अपने पिता स्वर्गीय वी थंगापांडियन के नक्शेकदम पर चलते हुए राजनीति में प्रवेश किया। इनके पिता एम करुणानिधि के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। इनके भाई थंगम थेन्नारसु तमिलनाडु के वित्त मंत्री भी हैं। शिक्षा क्षेत्र की बात करें तो साल 2010 में इन्होंने मद्रास कालेज से पीएचडी की है। चुनाव आयोग में दाखिल हलफनामा के मुताबिक इनके पास 9 करोड़ से अधिक संपत्ति है। और 5 लाख की देनदारियां हैं। इनपर पर किसी भी तरह का कोई आपराधिक मुकदमा नहीं है।

बिहार से लाकर इंदौर में चला रहा था चरस का काला कारोबार

18.50 लाख की चरस के साथ आरोपी गिरफ्तार

खंडवा, 6 जून (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले की कोतवाली थाना पुलिस ने लोगों को नशे का आदी बनाने वाले शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी बिहार से चरस की खेप लाकर इंदौर में नशे का काला कारोबार करता था। इसके लिए वह इंदौर से खंडवा का सफर बस से करने के बाद, खंडवा से बिहार तक का सफर ट्रेन के जरिए पूरा करता था। इस बार बिहार से नशे की खेप लाते हुए जब वह खंडवा रेलवे स्टेशन पर उतरा तो पुलिस को इसकी भनक लग गई। पुलिस की टीम ने स्टेशन से बाहर निकलते ही पार्किंग एरिया में उसे पकड़ लिया । इसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ है। पुलिस ने आरोपी के पास से 18.5 लाख की चरस जब्त की है। जानकारी के अनुसार आरोपी कुछ महीने पहले ही इसी तरह के अपराध में 10 साल की सजा काटकर आया है। जेल से निकलने के बाद वह फिर नशे के काले कारोबार में लिप्त हो गया। फिलहाल पुलिस ने उसे एक दिन की रिमांड पर लिया है। पूछताछ में उसने इंदौर के चंदन नगर में 300 से 500 रुपए में पुडिया बनाकर चरस बेचना बताया है। आरोपी युवक समीरूद्दीन शेख पिता सरफुद्दीन शेख (35) चंदन गुरु अखाड़े की गली बड़वाली चौकी मल्हारगंज इंदौर का का रहने वाला है।

क्या भगवान के साथ कोई गठबंधन कर सकता है? कपिल सिब्बल ने क्यों पूछा पीएम मोदी से ये सवाल

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ मिलकर नई सरकार के गठन की कोशिशों में लगी है, दूसरी तरफ मशहूर वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने बीजेपी और पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला है। मनमोहन सिंह की सरकार में मंत्री रह चुके कपिल सिब्बल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए एक सवाल किया।

उन्होंने पूछा, "मोदीजी मैं पूछता हूं। क्या भगवान के साथ कोई गठबंधन कर सकता है?" उनके इस पोस्ट को बीजेपी और पार्टी आलाकमान की उन कोशिशों से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें वह ज्यादा से ज्यादा गठबंधन सहयोगियों को अपने साथ जोड़कर रखना चाहते हैं।

इलेक्टोरल बॉन्ड के मुद्दे पर किया था घेराव

बता दें कि कपिल सिब्बल समय-समय पर पीएम मोदी की आलोचना करते रहे हैं। इसी साल मार्च में इलेक्टोरल बॉन्ड के मुद्दे पर उन्होंने पीएम पर जमकर निशाना साधा था। तब कपिल सिब्बल ने इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी सार्वजनिक होने के बाद इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि इलेक्टोरल बॉन्ड की डिटेल्स से पता चलता है कि कहीं न कहीं 'लाभ के बदले लाभ देने' का काम हुआ है। उन्होंने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि किसी ने कहा था- 'ना खाऊंगा ना खाने दूंगा'। पीएम ने 2014 से पहले भ्रष्टाचार खत्म करने का वादा करते हुए ये बात कही थी।

घुसपैठियों वाले बयान पर की थी पीएम की आलोचना

22 अप्रैल को कपिल सिब्बल ने 'घुसपैठियों को संपत्ति बांटने' वाले बयान को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की थी। तब सिब्बल ने कहा था कि एक तरफ आप राम मंदिर का उद्घाटन करते हैं, तो दूसरी तरफ नफरत फैलाते हैं। उन्होंने सवाल किया कि पीएम मोदी की सबका साथ-सबका विकास करने की बात कहां गई? सिब्बल ने कहा कि पीएम के परिवार ने भी उनको ऐसी संस्कृति नहीं दी होगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

चरित्र ऐसी वस्तु है जो स्थूल दर्पण में नहीं देखी जा सकती है

'आपको संदेह क्यों? मुझे नहीं मालूम'

> एनडीए से दूरी बनाने की अटकलों को चंद्रबाबू नायुडू ने फिर किया खारिज

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा चुनाव में भाजपा नीत एनडीए 292 सीटों के साथ बहुमत को पार करने में कामयाब रही। इस चुनाव में भले ही भाजपा का प्रदर्शन संतोषजनक न रहा हो, लेकिन आंध्र प्रदेश में भाजपा की गठबंधन पार्टी तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) ने शानदार प्रदर्शन किया।

टीडीपी कुल 16 सीटें जीतने के साथ एनडीए में सबसे बड़ी पार्टी बन गई। इसी के साथ अटकलें लगाई जाने लगीं कि टीडीपी और जनता दल यूनाईटेड (जेडीयू) से विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दल बात करेंगे और अपने साथ आने के लिए मनाएंगे। हालांकि, इन अटकलों पर टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायुडू ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि वह एनडीए में ही रहेंगे।

नायुडू ने लगाया अटकलों पर विराम

बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर एनडीए की बैठक हुई। इस बैठक में चंद्रबाबू नायुडू भी मौजूद थे। बैठक खत्म होने के बाद चंद्रबाबू नायुडू ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, यह एक अच्छी बैठक रही। टीडीपी प्रमुख ने आगे कहा, अगर हम एनडीए का हिस्सा नहीं हैं तो हम चुनाव कैसे लड़ सकते हैं? हमने इससे सामूहिक रूप से लड़ाई लड़ी। आपको यह संदेह क्यों हुआ, मुझे नहीं मालूम। ऐसा कहा जा रहा कि विपक्षी नेता उनसे संपर्क कर सकते हैं, इन अटकलों के बीच उन्होंने लिखित में पीएम मोदी को समर्थन करने का आश्वासन भी दिया। चंद्रबाबू नायुडू और नीतीश कुमार के अलावा बुधवार को पीएम मोदी के आवास पर हुई बैठक में एकनाथ शिंदे, एचडी कुमारस्वामी, पवन कल्याण, चिराग पासवान, और प्रफुल्ल पटेल भी मौजूद थे।

बता दें कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत नहीं मिला और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) भी 300 के आंकड़े से चूक गया। टीडीपी के अलावा जनता दल यूनाईटेड ने भी इस लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदरेशन किया।

एनडीए गठबंधन में 19 सांसदों के साथ तेलुगू देशम पार्टी के साथ सबसे बड़ी पार्टी और 12 सांसदों के साथ जनता दल दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। भाजपा के नेतृत्व वाली नई सरकार इन दो पार्टियों पर निर्भर है।

केसीआर ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को जिताने के लिए धोखाधड़ी की : कांग्रेस

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक येन्नम श्रीनिवास रेड्डी ने आरोप लगाया है कि बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को जिताने के लिए अपने पार्टी कार्यक

र्ताओं के साथ लाखों की धोखाधड़ी की है। गुरुवार को गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए महबूबनगर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले येन्नम श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि भाजपा ने तेलंगाना में आठ लोकसभा सीटें जीती हैं और अपने वोट प्रतिशत में सुधार किया है, क्योंकि केसीआर ने अपनी पार्टी के हितों को भगवा पार्टी के पास गिरवी रख दिया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के अपने जिले महबूबनगर में कांग्रेस उम्मीदवार की हार की टिप्पणी को खारिज करते हुए श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री के पास अपना कोई जिला नहीं है और वे पूरे तेलंगाना राज्य का प्रतिनिधित्व करते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया, महबूबनगर लोकसभा में कांग्रेस उम्मीदवार की हार केसीआर की वजह से हुई, जिन्होंने अपने पार्टी उम्मीदवार को जिताने के लिए भाजपा से पैसे लिए। कांग्रेस विधायक ने कहा कि केसीआर के सत्ता में रहने के दौरान सामाजिक न्याय नहीं हुआ और उन्होंने बीआरएस नेताओं से कहा कि वे अपना अध्यक्ष बदलें और सामाजिक न्याय के लिए पार्टी की कमान किसी दलित नेता को सौंपें।

चेवेल्ला क्षेत्र में मोदी लहर का असर रहा : कोंडा

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। चेवेल्ला से भाजपा सांसद के रूप में जीते कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने आज कहा कि लोगों ने सोचा कि केंद्र में कौन बेहतर होगा और उन्होंने फिर से पीएम मोदी को वोट दिया। गुरुवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कोंडा ने कहा कि चेवेल्ला निर्वाचन क्षेत्र में मोदी लहर आई थी, जिसके कारण चुनावों में उन्हें भारी बहुमत मिला। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों की तुलना में उनके वोट शेयर में भारी वृद्धि हुई है और उन्होंने कहा कि उन्हें सेरिलिंगमपल्ली विधानसभा क्षेत्र में बड़ा बहुमत मिला है। उन्होंने कहा, यहां तक कि शिक्षित लोगों ने भी मतदान किया और भाजपा को बस्तियों में भी बढ़त मिली। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मध्य प्रदेश चुनाव में असली तेलंगाना पुलिस की तरह काम किया। उन्होंने भविष्यवाणी की, मुझे खुशी है कि रघुनंदन राव मेदक में जीते। वहां पैसा और शराब काम नहीं आई। जीएचएमसी चुनाव में भाजपा को सेरिलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र में 10 सीटें मिलेंगी। राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खराब प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि धार्मिक ध्रुवीकरण के कारण देश में भाजपा की सीटों में कमी आई है। कांग्रेस पार्टी ने अल्पसंख्यकों के दिमाग में जहर भर दिया है। इसने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो अल्पसंख्यकों को दूसरे दर्जे के नागरिक के रूप में देखा जाएगा।

तेलंगाना पुलिस अकादमी ने 'नए आपराधिक कानून' पर व्यापक कार्यशाला आयोजित की

पुलिस महानिदेशक ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस अकादमी ने तेलंगाना पुलिस विभाग के सभी अधिकारियों के लिए "नए आपराधिक कानून" पर एक व्यापक कार्यशाला आयोजित की, ताकि सभी पुलिस अधिकारियों को 1 जुलाई 2024 से लागू होने वाले नए आपराधिक कानूनों के बारे में जागरूक किया जा सके। कार्यशाला टीजीपीए में आयोजित की गई थी और इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक रवि गुप्ता आईपीएस ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. जितेन्द्र, आईपीएस, प्रधान सचिव, गृह विभाग थे। राज्य भर के पुलिस अधिकारियों को आपराधिक वकील श्री ए.पी. सुरेश द्वारा नए कानूनों पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। बाद में, अधिकारियों को समूहों में बांटा गया, जिन्होंने नए कानूनों द्वारा पेश किए गए परिवर्तनों पर विचार-विमर्श किया। दिन भर चली कार्यशाला में प्रतिभागियों द्वारा गहन प्रस्तुतियां और संवादात्मक चर्चाएं की गईं। उन्हें प्रश्न पूछने और सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देने के लिए अंतर्दृष्टि साझा करने का अवसर मिला। टीजीपीए द्वारा तैयार की गई "नई आपराधिक कानून पुस्तकें", सीआईडी द्वारा तैयार "नए कानूनों का रेडी रेकनर" और टीजीपीए द्वारा विकसित "नए आपराधिक कानून ऐप" का उद्घाटन डीजीपी, तेलंगाना द्वारा किया गया।

कार्यशाला का संचालन अभिलाषा बिष्ट, निदेशक आरबीवीआरआर टीजीपीए ने किया। इस अवसर पर के श्रीनिवास रेड्डी सीपी हैदराबाद और शिखा गोयल, एडिशनल डीजीपी सीआईडी, महेश एम भागवत एडीजी, रेलवे और सड़क सुरक्षा, संजय कुमार जैन एडीजी एल एंड ओ, विजय कुमार एडीजी ग्रेहाउंड्स, तरुण जोशी, कमिश्नर राचकोंडा, अविनाश मोहंती, कमिश्नर, साइबराबाद उपस्थित रहे।

मंत्री उत्तम आज कालेश्वरम बैराज का दौरा करेंगे

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई मंत्री कैप्टन उत्तम कुमार रेड्डी शुक्रवार को जयशंकर भूपालपल्ली जिले में कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (केएलआईपी) योजना के मेदिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला बैराज का दौरा करेंगे। मंत्री राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) द्वारा अनुशंसित अंतरिम उपायों की प्रगति और बैराजों पर चल रहे मानसून बाढ़ सुरक्षा कार्यों की भी जांच करेंगे। एलएंडटी, एफकॉन्स और नवयुग के शीर्ष प्रबंधन प्रतिनिधियों को मौके पर उपस्थित रहने और मेदिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला बैराज की मरम्मत के संबंध में मौजूदा स्थिति के बारे में मंत्री को जानकारी देने के लिए कहा गया है। मंत्री शुक्रवार को दोपहर 2 बजे मेडिगड्डा बैराज में मीडिया से भी बातचीत करेंगे। 21 अक्टूबर, 2023 को बैराज के 7वें ब्लॉक में खंभों के डूबने के बाद से मेडिगड्डा बैराज लगभग निष्क्रिय हो गया है।

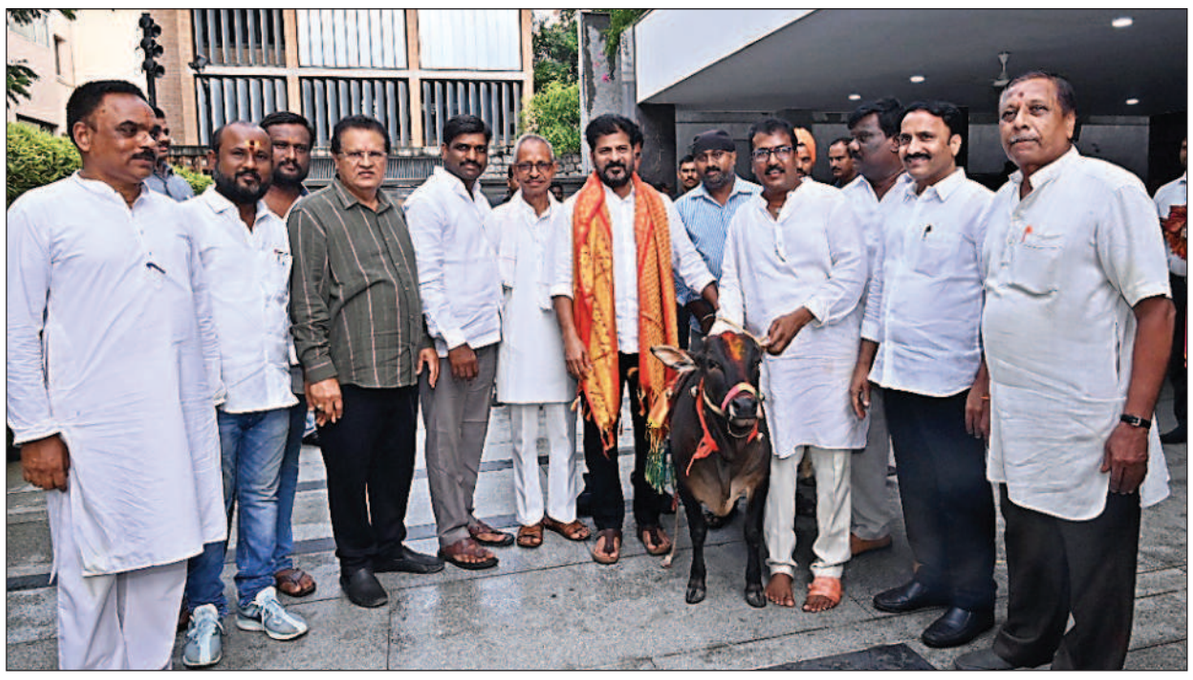

देशी गोवंश रक्षण संवर्धन समिति के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। इस दौरान गोरक्षा कानून लागू करने, गोहत्या निषेध कानून को सख्ती से लागू करने के लिए कदम उठाने और गोचर भूमि को कब्जे से मुक्त कराने का अनुरोध किया।

एफटीसीसीआई में बहु-हितधारक गोलमेज सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा में नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं और अखंडता पर बहु-हितधारक गोलमेज सम्मेलन गुरुवार को यहां एफटीसीसीआई में आयोजित किया गया। इसका आयोजन संयुक्त राष्ट्र निकाय यूएन ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया द्वारा किया गया था, जो एक स्वैच्छिक और रणनीतिक पहल है जो भारतीय कंपनियों, एसएमई, संस्थानों, मीडिया घरानों, कॉर्पोरेट फाउंडेशनों और उद्योग मंडलों का समर्थन करती है जो संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट के दस सार्वभौमिक सिद्धांतों को संस्थागत बनाने के लिए जिम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं के लिए प्रतिबद्ध हैं: मानवाधिकार, श्रम, पर्यावरण और भ्रष्टाचार विरोधी। इसे एफटीसीसीआई, एक आउटरीच पार्टनर और कपिति ग्रुप, एक ज्ञान भागीदार के सहयोग से आयोजित किया गया था। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त नौकरशाह डॉ. जयप्रकाश नारायण ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि गोलमेज सम्मेलन समय की मांग है।

उन्होंने इसके लिए आयोजकों की सराहना की। भारत स्वास्थ्य सेवा पर अपने सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 1.2 प्रतिशत खर्च करता है। कई वर्षों तक शासन करने के बावजूद, लगातार सरकारें इसे 2 प्रतिशत तक नहीं ले जा सकीं और हम निकट भविष्य में ऐसी किसी वृद्धि की उम्मीद नहीं कर सकते। अमेरिका अपने सकल घरेलू उत्पाद का 18 प्रतिशत खर्च करता है। विकसित देशों में सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर स्वास्थ्य पर अमेरिका का खर्च सबसे अधिक है। उन्होंने बताया कि ब्रिटेन 12 प्रतिशत के आसपास खर्च करता है। फाउंडेशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के संस्थापक डॉ. जयप्रकाश नारायण ने कहा कि भारत में पेशेवर विनियमन विफल हो गया है। इन पेशेवरों के संघ उनके हितों की रक्षा कर रहे हैं। साथ ही विनियमन भी एक समस्या है। भारत को एक सुविचारित पेशेवर नियामक तंत्र की आवश्यकता है। यूएन ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया के कार्यकारी निदेशक डॉ. रत्नेश झा ने मुख्य भाषण दिया।

स्कूलों में नामांकन बढ़ाने में जुटा महकमा

12 जून से फिर से खुलेंगे स्कूल, एक सप्ताह तक चलने वाली गतिविधियां आयोजित

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों में नामांकन बढ़ाने और उन्हें मजबूत करने के लिए प्रवेश अभियान गुरुवार को शुरू होने वाला है, जबकि स्कूल 12 जून को फिर से खुलेंगे। स्कूलों को घर-घर जाकर अभियान चलाकर पांच साल या उससे अधिक उम्र के बच्चों की पहचान करने और उन्हें पास के प्राथमिक स्कूलों में कक्षा एक में दाखिला दिलाने के लिए कहा गया है। पात्र आंगनवाड़ी बच्चों को दाखिला देने के अलावा, शिक्षकों को स्वयं सहायता समूहों की मदद से स्कूल जाने की उम्र वाले और स्कूल न जाने वाले बच्चों, स्कूल छोड़ने वाले, कभी नामांकित न होने वाले और लंबे समय से अनुपस्थित रहने वाले बच्चों की पहचान करने और उनका नामांकन करने के लिए कहा गया

है। बाल श्रमिकों की पहचान कर उनका नामांकन किया जाना है। स्कूल शिक्षा विभाग ने स्कूलों से कहा है कि वे स्वयं सहायता समूहों, अम्मा आदर्श पाठशाला समिति के सदस्यों, अभिभावकों, पुराने छात्रों आदि को शामिल करने के अलावा ग्राम संगठनों के साथ समन्वय करके प्रवेश अभियान चलाएं। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह की प्रवेश प्रोत्साहन गतिविधियों के अलावा, सरकारी स्कूलों को निर्देश दिया गया है कि वे बच्चों में स्कूल और शिक्षा के प्रति रुचि पैदा करने के लिए तैयारी कार्यक्रम आयोजित करें और 10 जून तक पाठ्यपुस्तकें, नोटबुक, कार्यपुस्तिकाएं और सिले हुए यूनिफ़ॉर्म भी तैयार रखें। अभिभावकों को आईआईआईटी बसारा में प्रवेश, सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों में शुल्क प्रतिपूर्ति सहित विशेष लाभों के बारे में सूचित किया जाना है। 11 जून को प्रवेश अभियान समाप्त होने के बाद एक सप्ताह तक चलने वाली गतिविधियां निर्धारित की गई हैं। 14 जून को प्राथमिक और उच्च विद्यालय के छात्रों के लिए सामूहिक अक्षराभ्यास और बाल सभा आयोजित की जाएगी। 15 जून को समावेशी शिक्षा दिवस और बालिका शिक्षा दिवस के संबंध में विशेष गतिविधियां निर्धारित की गई हैं, इसके बाद 18 जून को कक्षाओं के डिजिटलीकरण पर जागरूकता और 19 जून को खेल दिवस मनाया जाएगा।

हैदराबाद में शांत क्षेत्र शोरगुल में तब्दील

> ध्वनि का स्तर अनुमेय सीमा से अधिक

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के 'शांत क्षेत्र' भी अब शांत नहीं रह गए हैं। हाल ही में, शहर के कई हिस्सों में ध्वनि का स्तर अनुमेय सीमा से अधिक हो गया है और ध्वनि प्रदूषण के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं। जहां आम तौर पर व्यस्त रहने वाले व्यावसायिक क्षेत्र बढ़े हुए शोर के स्तर के लिए जाने जाते हैं, वहीं शहर के वे क्षेत्र जिन्हें 'शांत क्षेत्र' के रूप में नामित किया गया है, वे भी बढ़े हुए शोर के स्तर का शिकार होने लगे हैं।

निगरानी और प्रवर्तन के उद्देश्य से शहर के क्षेत्रों को शांत, वाणिज्यिक, आवासीय और औद्योगिक जैसी श्रेणियों में विभाजित किया गया है तथा प्रत्येक के लिए स्वीकार्य ध्वनि स्तर तदनुसार निर्धारित किए गए हैं। हालांकि, जो कभी शांत क्षेत्रों का सच्चा प्रतिबिम्ब हुआ करता था, वह अब तेजी से शोर में डूबता जा रहा है। शांत क्षेत्रों में अब दिन और

रात दोनों समय शोर का स्तर 50डीबी और 40डीबी की स्वीकार्य सीमा से कहीं ज्यादा देखा जा सकता है। कुछ शांत क्षेत्रों में दिन के समय शोर का स्तर 60डीबी के करीब रहता है और रात के समय यह लगभग 50डीबी होता है।

दोनों समय अवधियों में, स्तर स्वीकार्य सीमा से कम से कम 10डीबी अधिक पाया गया। इसका मुख्य कारण शहर की सड़कों पर वाहनों की संख्या में तेज वृद्धि है, जिससे शोर का स्तर काफी बढ़ जाता है। जुबली हिल्स जैसे कुछ स्थान, जो पिछले कुछ वर्षों में एक व्यस्त खाने-पीने की सड़क के रूप में ख्याति प्राप्त कर चुके हैं, वहां देर रात तक वाहनों का आना-जाना लगा रहता है।

तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, दिन के समय स्वीकार्य ध्वनि स्तर 55 डीबी और रात में 45 डीबी होने के बावजूद, जुबली हिल्स का शोर स्तर 70 के आसपास है, जो दिन के समय 78.52 डीबी और रात के समय 79.83 डीबी तक पहुंच गया। वही डेटा पैराडाइज को छोड़कर व्यावसायिक क्षेत्रों में शोर के स्तर को दिन के दौरान 65डीबी के अधिकतम स्वीकार्य स्तर के करीब दिखाता है, लेकिन रात में अनुशंसित 55डीबी के निशान से बहुत ऊपर चला जाता है और कई बार 65डीबी के निशान को पार कर जाता है। पैराडाइज ने पूरे साल दिन और रात दोनों समय 70डीबी से ऊपर का शोर स्तर दर्ज किया।

हैरानी की बात यह है कि औद्योगिक क्षेत्र एकमात्र ऐसा क्षेत्र था, जिसने लगातार अधिकतम स्वीकार्य सीमा से नीचे स्कोर दर्ज किया। दिन के समय, शोर का स्तर स्वीकार्य 75 डीबी आंकड़े से काफी नीचे था, मार्च में सनथनगर में यह 54.37 डीबी तक कम दर्ज किया गया। रात के समय का स्तर भी आरामदायक था।

मेट्रो ने देरी के बाद वापस किया ओवरस्टे शुल्क

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रो में बुधवार शाम तकनीकी खराबी के कारण यात्रियों को काफी देरी का सामना करना पड़ा, जिसके कारण अप्रत्याशित देरी के कारण यात्रियों को निर्धारित समय से अधिक समय तक रुकने पर जुर्माना देना पड़ा। एलबी नगर और मियापुर मेट्रो लाइन पर तीन ट्रेनें रुकी रहीं, जिससे यात्रियों की भीड़ बढ़ गई और उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा। एलएंडटी मेट्रो रेल (हैदराबाद) लिमिटेड ने कहा कि एमजीबीएस में इनकमिंग ट्रांसको फीडर के ट्रिप होने के कारण सेवाएं कुछ समय के लिए प्रभावित हुईं। देरी के कारण जिन यात्रियों से ओवरस्टे फ़ीस वसूला गया, उन्होंने सोशल मीडिया पर इस अनुचित अधिभार को उजागर किया और मेट्रो की नीतियों पर सवाल उठाए। आम तौर पर, यात्रियों से एक ही स्टेशन पर 20 मिनट से ज़्यादा रुकने के लिए 10 रुपये लिए जाते थे और हर अतिरिक्त घंटे के लिए 10 रुपये की राशि बढ़ जाती थी।

हैदराबाद मेट्रो के अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि देरी के कारण अधिक समय तक रुकने के लिए लिया गया किराया वापस कर दिया गया है। मेट्रो के प्रवक्ता ने कहा कि हमें अपने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद है और हमने सभी प्रभावित यात्रियों के लिए पैसे वापस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिन यात्रियों को इसी प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ा है, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे अपने खातों में रिफंड की गई राशि की जांच करें तथा किसी भी अनसुलझे मामले के लिए मेट्रो ग्राहक सेवा से संपर्क करें।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, RAGAVANE S/O. RAMASAMY, R/O. H.NO.1-7-167, KAMALANAGAR, ECIL, KAPRA, HYD, T.S. CHANGED MY NAME AS RAGAVANE RAMASAMY.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

गाजियाबाद में डॉली शर्मा की हार में भी जीत तलाश सकती है कांग्रेस

गाजियाबाद, 6 जून (एजेंसियां)। गाजियाबाद लोकसभा सीट पर बीजेपी के अतुल गर्ग ने करीब 3.3 लाख वोटों से जीत दर्ज कर एक बार फिर यहां कमल खिलाया। अतुल गर्ग ने कांग्रेस की डॉली शर्मा को शिकस्त देकर यह सीट बीजेपी की झोली में डाल दी। हालांकि, डॉली शर्मा की हार के बावजूद कांग्रेस के लिए परिणाम सुखद माना जा सकता है। इस सीट पर कांग्रेस की डॉली शर्मा को 35.2 फ़ीसदी वोट हासिल हुए, जो कि 2019 की तुलना में पांच गुना ज्यादा है। इस बार के लोकसभा चुनाव में अतुल गर्ग को 8.5 लाख मत मिले जो कि कुल मतदान का 58 प्रतिशत था। वहीं कांग्रेस की डॉली शर्मा को 5.2 लाख वोट हासिल हुए। साहिबाबाद और

गाजियाबाद शहर में अतुल गर्ग को अच्छे मत मिले, लेकिन धौलाना में कांग्रेस आगे रही। कुल मिलाकर शहरी क्षेत्र के मतदाताओं ने बीजेपी की जीत की पटकथा लिखी। हार के बाद डॉली शर्मा ने कहा कि इस बार मैं जीत को लेकर काफी आश्वस्त थी। हमने काफी मेहनत किया था। लेकिन इस हार में भी कांग्रेस के लिए सुखद बात यह कि सालों बाद यहां पार्टी को इतने वोट हासिल हुए।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आयोग से तलब की पीसीएस-जे के अभ्यर्थी की छह उत्तर पुस्तिकाएं

याचिका पर सुनवाई के बाद दिया निर्देश

प्रयागराज, 6 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पीसीएस-जे मुख्य परीक्षा 2022 में शामिल अभ्यर्थी श्रवण पांडे के छह प्रश्न पत्रों की उत्तर पुस्तिकाएं कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करने का उप्र लोक सेवा आयोग को निर्देश दिया है। याची अभ्यर्थी ने आरोप लगाया है कि उसकी अंग्रेजी विषय की उत्तर पुस्तिका में हैंडराइटिंग बदली हुई है तथा एक अन्य उत्तर पुस्तिका के कुछ पन्ने फाड़े गए हैं। जिसकी वजह से वह मुख्य परीक्षा में सफल नहीं हो पाया। श्रवण पांडे की याचिका पर न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की खंडपीठ ने यह आदेश दिया है। याची का पक्ष रख रहे अधिवक्ता विभु राय का कहना था

कि याची 2022 पीसीएस-जे मुख्य परीक्षा में शामिल हुआ। जिसका परिणाम 30 अगस्त 2023 को जारी किया गया। याची को मुख्य परीक्षा में जो अंक मिले थे उससे वह संतुष्ट नहीं था। उसने आरटीआई के तहत आयोग से जानकारी मांगी तो उसे छह प्रश्न पत्रों में मिले प्राप्तांक की जानकारी मिली। पता चला की अंग्रेजी प्रश्न पत्र में उसे 200 में से मात्र 47 अंक मिले हैं। इससे असंतुष्ट होकर उसने आरटीआइ के तहत छह प्रश्न पत्रों की उत्तर पुस्तिकाएं दिखाने की मांग की। उत्तर पुस्तिकाएं देखने पर पता चला की अंग्रेजी विषय की उत्तर पुस्तिका में उसकी हैंडराइटिंग नहीं है, जो कि उसने अन्य प्रश्न पत्रों में लिखी है। साथ ही हिंदी की उत्तर पुस्तिका के तीन चार पन्ने फटे हुए पाए गए। इस पर कोर्ट ने लोक सेवा आयोग को निर्देश दिया है कि याची की सभी छह उत्तर पुस्तिकाओं को अदालत के सामने प्रस्तुत किया जाए ताकि उसका मिलान करके यह पता लगाया जा सके की अंग्रेजी की उत्तर पुस्तिका में याची की हैंडराइटिंग है या नहीं है।

किशोरी लाल शर्मा की बेटी ने स्मृति ईरानी को दिया करारा जवाब

नौकर, चपरासी जो बोलो, फर्क नहीं पड़ता

अमेठी, 6 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्थित अमेठी से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीत कर संसद तक का सफर तय करने वाले किशोरी लाल शर्मा की बेटी अंजलि ने पिता की जीत पर प्रतिक्रिया दी है। अंजलि ने कहा कि नौकर, चपरासी, प्रॉक्सी, चींटी बोलो अब कोई फर्क नहीं पड़ता।

नंबर आपको बता रहे हैं। रिजल्ट आपको बता रहे हैं। जो भी बोला उन्होंने उनके खिलाफ गया। स्मृति पर बड़ा जुबानी हमला करते हुए अंजलि ने कहा कि पूर्व सांसद ने जो प्रियंका गांधी वाड्रा की नकल उतारी थी वह बहुत अच्छा था। वो बहुत अच्छी कलाकार हैं। अंजलि ने कहा कि स्मृति आगे क्या करेंगी इस पर हम लोग कुछ कहने लायक नहीं हैं। यह उनका फैसला होगा। किशोरी लाल की बेटी ने कहा कि स्त्री, किसान, युवा न्याय पर हमारा फोकस होगा। अमेठी और रायबरेली हमेशा से हमारा परिवार रहा है।

राहुल गांधी ऐसे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं

जैसे उनकी सरकार बन गई, गिरिराज सिंह का कांग्रेस पर करारा हमला

पटना, 6 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम अब आ चुके हैं। बिहार की कुल 40 लोकसभा सीट में से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 30 सीट पर जीत हासिल करने में सफल रहा, जबकि विपक्षी महागठबंधन की झोली में 9 सीटें आईं। वहीं, चुनाव परिणाम के बाद बेगूसराय से बीजेपी सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस पर करारा हमला बोला है। 'टुकड़े-टुकड़े, खान मार्केट गैंग की जमात निर्लज्ज है' गिरिराज सिंह ने कहा कि टुकड़े-टुकड़े, खान मार्केट गैंग की जमात निर्लज्ज है, वे कह रहे थे कि सरकार बनाएंगे। राहुल गांधी ऐसे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं जैसे उनकी सरकार बन गई। 60 साल देश में शासन किया फिर भी 99 सीटें आई तब भी खुशी मना रहे हैं। हम तीसरी बार सरकार बना रहे हैं यह पीएम मोदी की गारंटी है और टुकड़े-टुकड़े गैंग की सभी पार्टियों को मिलाकर जितनी सीटें मिली उससे ज्यादा तो अकेली भाजपा को मिली है। 'हम तो गठबंधन की सरकार ही चला रहे थे' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम तो गठबंधन की सरकार ही चला रहे थे, भले हमें पहले बहुमत आया लेकिन हम गठबंधन की सरकार ही चला रहे थे, जिसमें रामविलास पासवान रहे, शिवसेनी रही, पशुपति पारस रहे, हम गठबंधन की सरकार चला रहे थे और आगे भी गठबंधन की सरकार चलाएंगे।

भारत- नेपाल सीमा पर 62.51 लाख की नगदी के साथ दो गिरफ्तार

बहराइच, 6 जून (एजेंसियां)। बहराइच जिले के रुपईडीहा भारत-नेपाल सीमा पर पुलिस और एसटीएफ जांच कर रही थी। इस दौरान सीमा पर दो लोग संदिग्ध अवस्था में दिखाई पड़े। पुलिस ने उन्हें रोक कर पूछताछ के बाद शंका होने पर तलाशी लिया तो उनके पास से 62.51 नगदी बरामद हुआ। पुलिस ने पैसों के विषय में उनसे पूछताछ की तो दोनों लोग इसका कोई समुचित जवाब नहीं दे पाए। पुलिस दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बहराइच जिले के भारत नेपाल बॉर्डर रुपईडीहा पर एसटीएफ और पुलिस संयुक्त रूप से जांच कर रही थी। पुलिस को संदिग्ध अवस्था में दो लोग दिखाई पड़े। पुलिस ने उन्हें रोक कर पूछताछ किया तो वह लोग कुछ घबराए हुए दिखाई पड़े। पुलिस को शंका हुई तो उनके बैग की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बैग 62.51 लाख रुपए की नगदी बरामद हुई। पुलिस ने रुपया के विषय में जानकारी लिया तो दोनों व्यक्ति कुछ भी नहीं बता सके। इसके बाद पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर रुपईडीहा थाने ले गई। जहां पर क्षेत्राधिकारी और पुलिस टीम ने उनसे पूछताछ किया। इस संबंध में सीओ राहुल पांडेय ने बताया कि जिले के दो लोगों को नकदी के साथ पकड़ा गया है। नकदी की गिनती की जा रही है। जांच के बाद सभी के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चुनाव खत्म होते ही एक्शन में योगी सरकार

यूपी के इस जिले में दो अधिकारियों सहित चार निलंबित; क्यों हुई कार्रवाई?

लखनऊ, 6 जून (एजेंसियां)। बुलंदशहर में भारतीय खाद्य निगम के गोदाम से राशन की कालाबाजारी के मामले में जिला खाद्य विपणन अधिकारी जिया अहमद करीम, विपणन निरीक्षक सुधीर कुमार, पूर्ति निरीक्षक विवेक श्रीवास्तव के साथ ही जिलापूर्ति अधिकारी सुनील सिंह को निलंबित करते हुए विभागीय कार्यवाही शुरू की गई है। खाद्य एवं रसद आयुक्त सौरभ बाबू ने बताया कि बुलंदशहर में भारतीय खाद्य निगम के गोदाम से राशन की कालाबाजारी की शिकायत पर जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) की अध्यक्षता में समिति का गठन कर जांच कराई थी।

जांच में हुआ कालाबाजारी का खुलासा

इस मामले में डिपो प्रभारी शालिनी पचौरी, क्षेत्रीय विपणन अधिकारी इंद्रपाल सिंह, विपणन निरीक्षक गौरव कुमार, विनोद कुमार दोहरे, मुकेश कुमार, राजीव शर्मा व मनोज कुमार के विरुद्ध खाद्यान्न भेजने में लापरवाही तथा अभिलेखों का उचित रख-रखाव न करने को लेकर विभागीय कार्यवाही की संस्तुति की गई। समिति की जांच में जिले के सदर ब्लॉक में सिंगल स्टेज परिवहन व्यवस्था में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के सरकारी खाद्यान्न की कालाबाजारी व दुरुपयोग पाया गया। इस मामले में हैंडलिंग परिवहन ठेकेदार रविंद्र सिंह, सुधीर कुमार, विपणन निरीक्षक बुलंदशहर, अंकुर सिंह, शिवकुमार, वकील खां, पिंकी, पवन के विरुद्ध सरकारी खाद्यान्न की कालाबाजारी एवं दुरुपयोग किए जाने के लिए अभियोग पंजीकृत कराया गया है।

फ्लैट में लगी एसी में हुआ ब्लास्ट आग की लपटों से फैली दहशत

गाजियाबाद, 6 जून (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद इलाके के वसुंधरा में फ्लैट की पहली मंजिल पर लगे एसी में ब्लास्ट होने से आग लग गई। आग की लपटों से कमरे में रखा सारा सामन जल गया। आग की जद में बगल का फ्लैट भी आने लगा। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई। गुरुवार तड़के फ्लैट में आग की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। आग की घटना सुबह करीब पांच बजे की है। घटनास्थल पर आग पर काबू करने के लिए 2 फायर टेंडर यूनिट पहुंची। चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल के मुताबिक, वैशाली फायर स्टेशन पर सुबह करीब 5 बजे वसुंधरा सेक्टर-1 के फ्लैट में आग लगने की सूचना मिली। आग बुझाने के लिए घटनास्थल पर फायर ब्रिगेड की टीम रवाना कर दी गई। फायर कर्मियों ने कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पा लिया। जिस फ्लैट में आग लगी वह दो मंजिला है। पहली मंजिल पर सुबह अचानक एसी में ब्लास्ट के बाद लगी आग से हड़कंप मच गया। आग की लपटे दूसरी मंजिल के फ्लैट तक पहुंचने लगीं। लोग दहशत के कारण अपने घरों से बाहर निकल आए।

नीतीश पर देश को गर्व होगा जब वह देश के भरोसे पर खरे उतरेंगे

सियासी अटकलों के बीच बोले पप्पू यादव

पटना, 6 जून (एजेंसियां)। भाजपा के अपने दम पर इसबार बहुमत हासिल करने में विफल रहने पर सरकार के गठन में उसकी निर्भरता अपने सहयोगी दलों जदयू और तेदेपा पर बढ़ गई है। हालांकि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने सर्वसम्मति से नरेन्द्र मोदी को अपना नेता चुन लिया। लेकिन, इसी बीच पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय विजयी उम्मीदवार पप्पू यादव का बड़ा बयान सामने आया है। पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय विजयी उम्मीदवार पप्पू यादव ने कहा, नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू हमेशा महात्मा गांधी के विचार पर चले हैं, ये सामाजिक न्याय की बात करते हैं। मैं उम्मीद करता हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि नीतीश जी पर देश को गर्व होगा जब वह देश के भरोसे पर खरे उतरेंगे और चंद्रबाबू नायडू भी। मुझे उम्मीद है कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी और यदि एनडीए गठबंधन की सरकार बन गई तो नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री तो नहीं बनेंगे। उधर, जदयू का कहना है कि उनकी पार्टी भाजपा नीत राजग में बनी रहेगी। बिहार के मंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी भाजपा नीत राजग में बनी रहेगी। विजय चौधरी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनकी पार्टी बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की अपनी मांग पर कायम रहेगी। उन्होंने कहा कि "हर गठबंधन चाहता है कि हम उनके साथ हों। लेकिन हम राजग का हिस्सा हैं और उसके साथ बने रहेंगे। नीतीश जी बिहार में राजग के नेता हैं और हम एकजुट होकर राज्य में 2025 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। लेकिन बिहार की वित्तीय स्थिति और अर्थव्यवस्था से संबंधित कुछ मांगें हैं जिनपर केंद्र द्वारा गौर करने की आवश्यकता है।"

पापा ने 15 साल की किशोरी से किया दुष्कर्म प्रेग्नेंट होने पर कराई अपने ही बेटे से शादी

लखनऊ, 6 जून (एजेंसियां)। पापा ने 15 साल की किशोरी से किया दुष्कर्म, प्रेग्नेंट होने पर कराई अपने ही बेटे से शादीपंद्रह वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। किशोरी के गर्भवती होने पर आरोपी ने अपने बेटे से शादी करा दी। कुछ माह बाद किशोरी ने बेटे को जन्म दिया। इसके बाद आरोपी और उसके बेटे ने किशोरी को घर से भगा दिया। किशोरी ने घर पहुंचकर पिता को घटना की जानकारी दी। वजीरगंज कोतवाली में किशोरी के पिता ने मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है राजेंद्रनगर रोजाबाग का सख्श ठेला लगाकर शरबत बेचता है। उसने वजीरगंज के रिश्तेदार के पड़ोस में रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी को बातों में फंसाकर रेप किया। इस बीच किशोरी गर्भवती हो गई। किशोरी के पिता को इस बात की जानकारी हुई। बेटी के गर्भवती होने का पता चलने पर पिता ने विरोध किया। दबाव बनाने पर आरोपी ने मरी माता मंदिर में अपने बेटे से किशोरी की शादी करा दी। किशोरी राजेंद्रनगर स्थित ससुराल में जाकर रहने लगी। एक माह पूर्व किशोरी ने बेटे को जन्म दिया।

अमेठी-रायबरेली में जीत से गदगद प्रियंका गांधी

यूपी कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ताओं के नाम जारी किया ये संदेश

अमेठी, 6 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं के नाम एक संदेश जारी है। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में प्रियंका ने कहा, "आपने आज की राजनीति में एक पुराना आदर्श फिर से स्थापित किया है कि जनता के मुद्दे सर्वोपरि हैं, इनको नकारने की क़ीमत भारी होती है। चुनाव जनता का है, जनता ही लड़ती है, जनता ही जीतती है।" प्रियंका गांधी वाड्रा ने लिखा, "यूपी कांग्रेस के मेरे सभी साथियों को मेरा सलाम। मैंने आपको धूप

और धूल में कड़ी मेहनत करते हुए देखा, आप झुके नहीं, आप रुके नहीं, कठिन से कठिन दौर में आपने लड़ने की हिम्मत दिखाई। आपको प्रताड़ित किया गया, आप पर फर्जी मुक़दमे लगाये गये, जेल में डाला गया, बार-बार नज़रबंद किया गया मगर आप डरे नहीं। कई नेता डर के चले गये, आप टिके रहे।"

'चुनाव जनता का है, जनता ही लड़ती है, जनता ही जीतती है'

कांग्रेस महासचिव ने आगे लिखा, "मुझे गर्व है आप पर और यूपी की जागरूक जनता पर, जिसने इस देश की गहराई और सच्चाई को समझा और हमारे संविधान को बचाने का ठोस संदेश पूरे भारत को दिया। आपने आज की राजनीति में एक पुराना आदर्श फिर से स्थापित किया है- कि जनता के मुद्दे सर्वोपरि हैं, इनको नकारने की क़ीमत भारी होती है। चुनाव जनता का है, जनता ही लड़ती है, जनता ही जीतती है।"

एसबीआई करेंसी चेस्ट में निकले दो-दो हजार के नकली नोट

अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध केस दर्ज

आगरा, 6 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की छीपीटोला शाखा करेंसी चेस्ट में दो-दो हजार रुपये के 11 नोट नकली निकले। नकली नोट जब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास पहुंचे, तब यह खुलासा हुआ। आरबीआई के दावा प्रबंधक ने इस मामले में बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध केस दर्ज कराया है। फरवरी 2024 में एसबीआई छीपीटोला से करेंसी चेस्ट आरबीआई को भेजा गया था। इसमें 22 हजार रुपये के नोट नकली निकले। दावा अनुभाग, आरबीआई प्रबंधक आईपीएस गहलोत ने इसकी सूचना 20 मई को पुलिस आयुक्त को भेजी। जिसके बाद रकाबगंज में केस दर्ज हुआ है। मई 2023 में कमला नगर के रहने वाले एक सराफा कारोबारी ने एसबीआई छीपीटोला बैंक में 2.85 करोड़ रुपये जमा कराए थे। जिनमें दो-दो हजार रुपये के नकली 13 नोट निकले थे। कारोबारी का बेटा पकड़ा गया था। इसके अलावा दिसंबर 2023 में संभल पुलिस ने 1.37 लाख रुपये के 500-500 रुपये के नकली नोट छापने वाला गैंग पकड़ा था। सात गिरफ्तार किए थे। इस गैंग के तार तब आगरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी से जुड़े मिले थे। गैंग प्रिंटर से नकली नोट छापता था।

नरेंद्र मोदी और राजनाथ सिंह सीट पर क्यों हुआ जीत का अंतर कम! बृजभूषण बोले-आखिर काम तो हुआ

गोंडा, 6 जून (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और गोंडा के कैसरगंज के पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह अपने बेटे करण भूषण सिंह की कैसरगंज लोकसभा सीट से जीत के बाद लगातार अपने आवास पर लोगों से मुलाकात कर समर्थन के लिए धन्यवाद दे रहे हैं। साथ ही क्षेत्र की जनता द्वारा बृजभूषण शरण सिंह को माला पहनाकर बधाई भी दिया जा रहा है। वहीं मीडिया से बात करते हुए पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने अपने बेटे की जीत को लेकर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सबसे पहले मैं देवीपाटन मंडल की जनता को बधाई देना चाहता हूं क्योंकि देवीपाटन मंडल राम जन्मभूमि आंदोलन से सदैव जुड़ा रहा है।

इस समय भी देवीपाटन मंडल की जनता ने चार में तीन सीट बीजेपी को देकर के यह साबित कर दिया राम के भक्त हैं अयोध्या से जुड़े रहे हैं। मेरी पत्नी सांसद मेरा बड़ा बेटा विधायक मेरा छोटा बेटा सांसद यह सब देवीपाटन मंडल की जनता का आशीर्वाद है। वहीं अयोध्या में राम मंदिर मुद्दा ना कम होने के चलते भाजपा प्रत्याशी की हार पर कहा है कि हम राम के भक्त हैं देवीपाटन मंडल से ज्यादा देश के अंदर किसी का भी अधिक लगाव अयोध्या से नहीं है। देवीपाटन मंडल का सम्बंध हनुमान जी से है राम जी से है भगवान शिव जी से है तो वह देवीपाटन मंडल की जनता है।

वहीं बृजभूषण शरण सिंह ने अपने बेटे के बारे में बोलते हुए कहा कि मैं उनको राजनीतिक रूप से सलाह दे दिया है करण भूषण सिंह एक ऐसे प्रत्याशी हैं। वह एक दिन भी घर पर आराम नहीं करते हैं वोट पड़ने से लेकर के मतगणना तक वह चल ही रहे हैं।

सुल्तानपुर में विरासत बचाने से चूकीं मेनका गांधी, क्या फिर अपनाएंगी नई सियासी डगर?

सुल्तानपुर, 6 जून (एजेंसियां)। मेनका गांधी अपने राजनीतिक जीवन की तीसरी हार से रूबरू हो चुकी हैं। भाजपा में उनका कद पहले ही घट रहा था। ऊपर से बेटे का राजनीतिक पुनर्वास उनके लिए चुनौती है। ऐसे में क्या वह भाजपा से इतर नई सियासी डगर तलाश सकती हैं या फिर इंतजार करेंगी? यह सवाल सुल्तानपुर में खासा चर्चा में है। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अच्छा विकल्प न होने के कारण फिलहाल वह भाजपा के रुख में बदलाव का इंतजार कर सकती हैं।

आजम के घर पहुंचीं रुचि वीरा:बोलीं-मोहिबुल्ला राजनीतिक व्यक्ति नहीं, पता नहीं कैसे चुनाव जीत गए; सोच-समझकर करें बयानबाजी

मुरादाबाद, 6 जून (एजेंसियां)। मुरादाबाद से चुनाव जीतने के बाद रामपुर में सपा नेता मोहम्मद आजम खान के घर पहुंची रुचि वीरा ने रामपुर के सांसद मौलाना मोहिबुल्ला नदवी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा- मोहिबुल्ला राजनीतिक व्यक्ति नहीं हैं। पता नहीं वो कैसे टिकट पाए और चुनाव जीत गए। उन्हें भूलना नहीं चाहिए कि वो आज सपा की वजह से सांसद बने हैं और इस सपा को आजम खान ने अपने खून पसीने से सींचा है।

शुक्रिया छोटा लफ्ज, पहले फुर्सत में जेल जाऊंगी

मुरादाबाद की नवनिर्वाचित सांसद ने रात को रामपुर पहुंचीं। यहां

आजम खां के घर पर उनकी पत्नी डॉ। तंजीन फातिमा से मुलाकात की। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए रुचिवीरा ने कहा कि, शुक्रिया लफ्ज बहुत छोटा है। मैं आजम खान साहब की सरपरस्ती में सियासत करती आई हूं। आज उनकी पत्नी से मिलने से आई थी। पहले फुर्सत में जेल जाकर आजम खान से मुलाकात करूंगी।

तंजीन फातिमा ने माला पहनाकर किया स्वागत

हाल ही में जेल से जमानत पर छूटी आजम की पत्नी डॉ। तंजीन फातिमा ने रुचि वीरा का फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद दोनों की आधे घंटे तक एकांत में बात भी हुई। माना जा रहा है कि आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला की रिहाई को लेकर दोनों के बीच कुछ बात हुई है। रुचि वीरा आजम खां की सबसे खास मानी जाती हैं।

आजम की मर्जी के खिलाफ चुनाव जीते हैं मोहिबुल्ला नदवी

दिल्ली की पार्लियामेंट स्ट्रीट मस्जिद के इमाम मौलाना मोहिबुल्ला नदवी का आजम खां और उनके समर्थकों ने जमकर विरोध किया था। आजम खां ने नदवी की मुखालफत में अपने करीबी आसिम रजा का नामांकन भी करा दिया था। लेकिन आसिम का नामांकन खारिज हो गया था। भाजपा कैंडिडेट घनश्याम सिंह लोधी भी आजम खां के करीबियों में शुमार होते हैं। उपचुनाव में वो जीत गए थे। लेकिन इस बार नदवी से उन्हें शिकस्त का सामना करना पड़ा। चुनाव के दौरान से ही मौलाना मोहिबुल्ला आजम पर हमलावर रहे हैं। इंटरव्यू में पहली बार उन्होंने आजम पर हमला बोलते हुए कहा था कि, रामपुर आजम की जागीर नहीं है, देश में लोकतंत्र है।

रुचि वीरा बोलीं- आजम ने सपा को खून पसीने से सींचा

रामपुर में आजम खां के घर पहुंची रुचिवीरा ने कहा- हम दोनों (रुचिवीरा-मोहिबुल्ला) ही सपा की वजह से चुनाव जीते हैं। कैंडिडेट थोड़ा बहुत प्रभावित कर सकता है लेकिन लोकसभा का चुनाव पार्टी बेस पर ही लड़ा और जीता जाता है।

उन्होंने कहा आजम खां साहब सपा के बड़े नेता हैं। आजम खां मुरादाबाद या रामपुर तक सीमित नेता नहीं हैं। वो पूरे प्रदेश के और पूरे देश के नेता हैं। रुचिवीरा बोलीं- रामपुर के सांसद मोहिबुल्ला आजम के बारे में जो कुछ बयानबाजी कर रहे हैं उसका उन्हें ध्यान रखना चाहिए। मैं या वो जो एमपी बने हैं वो सपा की देन है और इस सपा के आजम खां फाउंडर मेंबर हैं। उन्होंने खून पसीने से सपा को सींचा है। मोहिबुल्ला को ये नहीं भूलना चाहिए कि पार्टी की वजह से चुनाव जीते हैं और पार्टी में आजम खां का बहुत बड़ा योगदान है।

जिन नेताओं ने डर से बदला था पाला! वे जीते या हारे?

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में सारे पैंतरे आजमाने के बाद भी बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा। वह बहुमत के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाई। उसे सिर्फ 240 सीटें ही मिलीं। एनडीए को 293 सीटें मिलीं। वहीं इंडिया गठबंधन 233 सीटें मिलीं। इन सबके बीच चर्चा उन नेताओं की हो रही है, जिन्होंने चुनाव से पहले अपना पाला बदला। इन नेताओं ने या तो बीजेपी का दामन थाम लिया या फिर दूसरे दल में चले गए। इन में कई नेताओं ने चुनाव भी लड़ा। ऐसे में सवाल यह है कि पाला बदलकर चुनाव लड़ने वाले कितने नेताओं को जीत मिली और कितनों को हार का सामना करना पड़ा? चुनाव से पहले जिन नेताओं ने पाला बदला उनमें से ज्यादातर को हार का सामना करना पड़ा है। चुनाव से पहले कुल 13 नेताओं ने पाला बदला था। इनमें 9 को हार का सामना करना पड़ा। जिन नेताओं को हार का सामना करना पड़ा उनमें ज्योति मिर्धा से तपस रॉय तक के नाम शामिल हैं। चुनाव से पहले सीबीआई, आयकर विभाग और ईडी के डर से 13 नेताओं ने पाला बदला था। इनमें से 8 बीजेपी में शामिल हुए थे। 7 कांग्रेस से गए और 1 तृणमूल कांग्रेस से झारखंड विकास पार्टी और पीईपी से दो-दो कांग्रेस में शामिल हुए थे। जिन नेताओं ने चुनाव से पहले पाला बदला उनमें महाराष्ट्र में शिवसेना शिंदे गुट की यामिनी जाधव,पश्चिम बंगाल में बीजेपी के तपस रॉय, झारखंड में कांग्रेस के प्रदीप यादव, राजस्थान में बीजेपी की ज्योति मिर्धा जैसे नाम शामिल हैं। जिन 13 नेताओं ने पाला बदला था। उनमें 9 नेताओं की हार हुई। 7 बीजेपी या उसके सहयोगी दलों के थे। हारने वाले प्रमुख दलबदलुओं में राजस्थान के नागौर से ज्योति मिर्धा, उत्तर प्रदेश के जौनपुर से कृपाशंकर सिंह, कोलकाता उत्तर से तपस रॉय, आंध्र प्रदेश के अराकू से कोथापल्ली गीता, पटियाला से प्रणीत कौर और झारखंड के सिंहभूम से गीता कोड़ा शामिल हैं। वहीं, शिवसेना शिंदे गुट से यामिनी जाधव मुंबई दक्षिण से चुनाव हार गईं। वहीं, कांग्रेस से प्रदीप यादव झारखंड के गोड्डा से चुनाव हार गए।

तिहाड़ जेल में हुई गैंगवार बदमाशों ने धारदार हथियार से किया कैदी पर हमला यहीं बंद हैं केजरीवाल

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। तिहाड़ जेल में एक बार फिर गैंगवार में गोगी गैंग के बदमाश हितेश पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किया गया है। बुधवार दोपहर दो बदमाशों ने हितेश पर हमला किया। हितेश की हालत नाजुक है और घायल कैदी का दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि हितेश पर गौरव और गुरिंदर नाम के बदमाशों ने हमला किया है, जो हत्या और हत्या के प्रयास के मामलों में जेल में बंद हैं।

पीड़ितों पर न पड़े बोझ, इसलिए किश्तों में लेते हैं रिश्वत

सूरत, 6 जून (एजेंसियां)। गुजरात में, सरकारी अधिकारी आजकल अवैध संतुष्टि के मामले में काफी 'विचारशील' हो रहे हैं, आसान मासिक किश्तों में पैसा ले रहे हैं, ताकि नागरिकों को उनकी मांगों का बोझ महसूस न हो। ईएमआई में रिश्वत का पैसा लेने की प्रथा लोकप्रियता हासिल कर रही है और गुजरात भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों का कहना है कि अकेले इस साल ऐसे दस मामले सामने आए हैं। मार्च में, जीएसटी फर्जी बिलिंग घोटाले में एक व्यक्ति से 21 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की गई थी, राशि को 10 किस्तों में 2 लाख रुपये और एक को 1 लाख रुपये में विभाजित किया गया था, ताकि एक बार का भुगतान बहुत भारी न हो जाए। सूरत में एक उपसरपंच ने एक ग्रामीण के खेत को समतल करने के लिए 85,000 रुपये की रिश्वत की मांग की। हालाँकि, ग्रामीण की वित्तीय स्थिति को देखते हुए, आरोपी ने 35,000 रुपये ईएमआई ऑप्शन का सुझाव दिया। साबरकांठा के एक निवासी से प्राप्त 4 लाख रुपये के साथ, यह राशि उनके द्वारा मांगी गई 10 लाख रुपये की रिश्वत की पहली किस्त थी। वहीं एक अन्य मामले में, एक साइबर-अपराध पुलिस अधिकारी अपने द्वारा मांगी गई 10 लाख रुपये की रिश्वत को चार मासिक किश्तों में बांटने पर सहमत हुआ। एसीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "पूरा भुगतान करके घर, कार या कोई भी मूल्यवान वस्तु खरीदने में असमर्थ व्यक्ति ईएमआई पर ऋण लेता है।

भ्रष्ट अधिकारी अब रिश्वत के लिए भी यही प्रथा लागू कर रहे हैं।" एसीबी के निदेशक और डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) शमशेर सिंह के अनुसार, यह महज एक छोटी सी बात हो सकती है क्योंकि एजेंसी केवल उन्हीं मामलों की रिपोर्ट करने में सक्षम है, जिनमें लोगों ने शुरुआती किश्तों का भुगतान करने के बाद हमसे संपर्क किया है।

ट्रैकिंग पर गए बैंगलोर के नौ ट्रैकरों की मौत, 13 को बचाया, ऐसे चला सहस्त्रताल हादसे का रेस्क्यू अभियान

बैंगलोर, 6 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक और महाराष्ट्र के ट्रैकरों का 22 सदस्यीय दल उत्तरकाशी के उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित सहस्त्रताल की ट्रैकिंग पर गया था। जहां वापसी में मौसम खराब होने की वजह से ट्रैकर फंस गए। इस दौरान रास्ता भटकने और ठंड लगने से नौ ट्रैकरों की मौत हो गई। जबकि 13 ट्रैकरों को रेस्क्यू अभियान चलाकर सुरक्षित बचा लिया गया है। इनमें से 11 को एयरलिफ्ट किया गया था। दो को वन विभाग की टीम पैदल लेकर आई। पांच के शव बुधवार को ही मिल गए थे, जबकि चार ट्रैकर्स के शव आज लाए गए। रेस्क्यू ऑपरेशन भी पूरा हो गया है। जिसके बाद एसडीआरएफ की टीम पहुंच गई है। अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते 29 मई को कर्नाटक और महाराष्ट्र के ट्रैकरों का 22 सदस्यीय दल मल्ला-सिल्ला से कुश कल्याण बुग्याल होते हुए सहस्त्रताल की ट्रैकिंग के लिए रवाना हुआ था। दो जून को दल सहस्त्रताल के कोखली टॉप बेस कैंप पहुंचा था। इनमें से 20 ट्रैकर्स तीन जून को सहस्त्रताल के लिए रवाना हुए थे, लेकिन अचानक मौसम खराब होने से घने कोहरे और बर्फबारी के बीच सभी फंस गए। जिस वजह से ठंड लगने से नौ ट्रैकर्स की मौत होने की बात सामने आई है। जैसे ही प्रशासन को इसकी सूचना मिली तुरंत रेस्क्यू अभियान चलाकर 13 ट्रैकरों को सुरक्षित निकाल लिया। इनमें से 11 को एयरलिफ्ट किया गया था। दो को वन विभाग की टीम पैदल लेकर पहुंची। एसडीआरएफ की 03 सदस्यीय एक हाई एल्टीट्यूड रेस्क्यू टीम को हैली के माध्यम से सहस्त्रताल ट्रेक रवाना किया गया। रेस्क्यू कार्य के लिए एक अतिरिक्त बैकअप टीम को भी आवश्यक उपकरणों के साथ उत्तरकाशी भेजा गया।

सीआरपीएफ के 85 साल के इतिहास में पहली बार मिला प्रमोशन, आप भी सुनेंगे तो नहीं होगा यकीन

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी कि सीआरपीएफ के 85 वर्ष के इतिहास में पहली बार कुल 2600 खानसामों (कुक) और जलवाहकों (वाटर कैरियर) को प्रमोशन दिया गया है। बता दें कि सीआरपीएफ की स्थापना 1939 में हुई थी और इसके पास दो विशेष वर्ग के कुल 12,250 कर्मी हैं जो बल के लगभग 3.25 लाख पुरुष एवं महिला कर्मियों के लिए रसोई, कैंटीन और अन्य प्रशासनिक कार्यों के व्यापक नेटवर्क को संभालते हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को एक आदेश के जरिए 1,700 खानसामों और 900 जलवाहक कर्मियों को उनके कॉन्स्टेबल पद से पदोन्नत कर हेड कॉन्स्टेबल नियुक्त किया गया है।

'30-35 साल की नौकरी के बाद उसी पद से रिटायर होते थे'

सीआरपीएफ के 85 वर्ष के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब इन दो पदों पर कार्यरत कर्मियों को प्रमोशन दिया गया है। इस पद के कर्मी तब से इस बल का हिस्सा हैं जब से इसकी स्थापना हुई है। अधिकारी ने बताया कि 2016 में जब केंद्र सरकार ने सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू की थीं तब उन्हें कुक और वाटर कैरियर का विशिष्ट काडर नाम दिया गया था। सीआरपीएफ के एक अधिकारी ने कहा कि इन कर्मियों को पदानुक्रम में सबसे निचले पायदान पर भर्ती किया गया था और इन्हें कभी पदोन्नत नहीं किया गया और औसतन लगभग 30-35 वर्षों की सेवा के बाद भी वे उसी पद से रिटायर होते थे।

सीआरपीएफ के प्रत्येक बटालियन में करीब 45 ऐसे कर्मी हैं

सीआरपीएफ के अधिकारी ने कहा कि खानसामें और जलवाहक कर्मी किसी भी बल के संचालन का एक अनिवार्य हिस्सा होते हैं। सीआरपीएफ के प्रत्येक बटालियन में करीब 45 ऐसे कर्मी हैं। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ ने इन कर्मियों को प्रमोट करने के संबंध में एक प्रस्ताव तैयार किया था जिसे बाद में केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने मंजूरी दी थी। उन्होंने बताया कि इस आदेश के तहत प्रमोट किए गए 2,600 कर्मियों की भर्ती 1983 से 2004 के बीच की गई थी। अधिकारी ने बताया कि शेष कर्मियों को भी समय रहते प्रमोट किया जाएगा।

70 से ज्यादा लोगों से करोड़ों की ठगी

माय लोडर ट्रांसपोर्ट कंपनी के मालिक पर धोखाधड़ी का आरोप, केस दर्ज

इंदौर, 6 जून (एजेंसियां)। इंदौर की विजय नगर पुलिस ने एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के मालिक पर धोखाधड़ी के मामले में केस दर्ज किया है। आरोपी ने करीब 70 से ज्यादा लोगों से ठगी की है। इस मामले में पुलिस ने सामूहिक एफआईआर दर्ज की है। विजय नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक रक्षा यादव निवासी बादल का भट्टा बाणगंगा की शिकायत पर माय लोडर ट्रांसपोर्ट के मालिक संतोष शर्मा के खिलाफ केस दर्ज किया गया। संतोष ने पीयू 4 स्काय स्पेस में स्कॉर्पियो कार और लोडिंग गाड़ी अटैच कर प्रॉफिट देने का लालच देकर करीब 70 से ज्यादा लोगों से ठगी की है।रक्षा ने बताया कि उन्हें कंपनी द्वारा बताया गया था कि उन्हें 20 लाख रुपए की गाड़ी के बदले शुरुआत में सिर्फ 4 लाख रुपए देना है। बाकी का 16 लाख रुपए कंपनी वहन करेगी। वहीं 41 हजार रुपए हर माह गाड़ी मालिक को मिलेगा। आरोपी संतोष शर्मा के साथ एक अन्य सेम नाम का आरोपी भी इसमें शामिल है। आरोपियों ने करीब ढाई करोड़ की ठगी सभी लोगों से की है। रक्षा ने पुलिस को बताया कि उसने तीन स्कॉर्पियो एस मॉडल के प्रति गाड़ी के हिसाब से 4 लाख रुपए देकर करीब 12 लाख रुपए संतोष शर्मा को दिए थे। इसके 20 प्रतिशत राशि पहले देने की बात की गई थी। वहीं 80 प्रतिशत राशि कंपनी की तरफ से वहन करने की बात हुई थी। 5 साल का एग्रीमेंट हुआ। 15 मई 2024 को पेमेंट पूरा किया। जिसमें गाड़ियों की डिलीवरी के समय बुलाया गया। लेकिन वहां पहुंचने पर ऑफिस बंद मिला।

नारी शक्ति का जलवा, बिहार में 5 महिला प्रत्याशी बनीं सांसद

पटना, 6 जून (एजेंसियां)। बिहार में इस बार के लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडी गठबंधन) समेत कई महिला सियासी रणभूमि में उतरी, जिनमें पांच महिला देश की सबसे बड़ी पंचायत संसद तक पहुंचने में कामयाब हुई। भरपूर सम्मान एवं बराबरी की हिस्सेदारी का दावा करने वाले राजनीतिक दल इस चुनाव में भी आधी आबादी से किए अपने वादे भूल गए।

बिहार में अबतक हुए लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक चार बार जीतने वाली रमा देवी को भाजपा ने इस बार के चुनाव में शिवहर से बेटिकट कर दिया। बीजेपी ने बिहार में एक भी महिला उम्मीदवार को नहीं दिया टिकट राजग में सीटों के तालमेल के तहत शिवहर सीट इस बार जनता दल यूनाईटेड (जदयू) को मिली।

जदयू ने शिवहर से पूर्व सांसद लवली आनंद को चुनावी रणभूमि में उतारा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली राजग के प्रमुख घटक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस बार के लोकसभा चुनाव में महिला शक्ति को नजर अंदाज किया। भाजपा ने बिहार में एक भी महिला उम्मीदवार को टिकट नहीं दिया। राजग के घटक जदयू ने दो महिला सीवान से विजया लक्ष्मी देवी और शिवहर से लवली आनंद को टिकट दिया। राजग के घटक दल लोजपा-रामविलास ने वैशाली से वीणा देवी और समस्तीपुर से शांभवी चौधरी को उम्मीदवार बनाया। कुल मिलाकर राजग ने इस बार के चुनाव में 40 सीट में से चार सीट पर महिलाओं को प्रत्याशी बनाया। राजग के टिकट पर चुनावी रणभूमि में उतरी सभी महिला प्रत्याशी लवली आनंद, शांभवी चौधरी, वीणा देवी, और विजया लक्ष्मी देवी सांसद बनने में सफल रही। इंडिया गठबंधन ने 6 महिला शक्ति पर जताया भरोसा वहीं इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया गठबंधन) ने छह महिला शक्ति पर भरोसा जताया। (इंडिया गठबंधन) में शामिल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने बिहार में आधी आबादी को टिकट देने के मामले में इस बार सभी दलों से बाजी मार ली।

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने सर्वाधिक छह महिला शक्ति को चुनावी मैदान में उतारा है। इनमें राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की दो पुत्री मीसा भारती और रोहिनी आचार्य , बीमा भारती, रितु जायसवाल, अनिता देवी और अर्चना रविदास शामिल है। इसमें मीसा भारती को सफलता मिली और वह पहली बार सांसद बनने में सफल रहीं। राजद सुप्रीमों लालू यादव की दूसरी पुत्री रोहिनी आचार्य (सारण) ,बीमा भारती (पूर्णिया), रितु जायसवाल (शिवहर), अनिता देवी (मुंगेर) और अर्चना रविदास (जमुई) से चुनावी समर में उतरी लेकिन किसी को जीत हासिल नहीं हुई।

एलपीजी सिलेंडर में ब्लास्ट, नौ लोग घायल

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। मुंबई के चेंबूर इलाके में एलपीजी सिलेंडर में विस्फोट हुआ है। इस हादसे में 9 लोग घायल हुए हैं। ये घटना गुरुवार रात 11.48 बजे की है, जब चेंबूर के सिद्धार्थ नगर में जैन मंदिर के सामने एक चॉल में सिलेंडर ब्लास्ट के बाद आग लग गई। ब्लास्ट में एक व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया है। हालांकि आधे घंटे से भी कम समय में आग बुझा दी गई। छह लोगों को राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया और कुछ अन्य को आसपास के सायन, शताब्दी और मानेक अस्पतालों में ले जाया गया। 56 वर्षीय रमेश गायकवाड़ 60 फीसदी जल गए हैं और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। अन्य जो 20-40 फीसदी तक जल गए थे, उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। घायलों में से एक की पहचान 17 वर्षीय श्रेयांश सोनखंबे के रूप में हुई है। मुंबई फायर ब्रिगेड के एक बयान के अनुसार, उसे मामूली चोटें आई है और उसकी हालत स्थिर है।

लोकसभा चुनाव के बाद एनसीपी में बड़ी हलचल

शरद गुट के संपर्क में अजित गुट के 18 विधायक

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आने के बाद अब महाराष्ट्र में सियासी हलचल भी तेज हो गई है। आम चुनाव में शिवसेना और एनसीपी के दो धड़ों ने चुनाव लड़ा, जिसमें से शिंदे गुट और अजित पवार गुट को भारी नुकसान झेलना पड़ा, जिसके बाद अब अजित पवार की एनसीपी में फूट की बड़ी खबर मिल रही है। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद अब महाराष्ट्र में एनसीपी के अंदर एक बार फिर से भागदौड़ शुरू होने वाली है। सूत्रों के अनुसार खबर है कि शरद गुट के संपर्क में अजित गुट के कई विधायक हैं। जिसके बाद फिर से खेला हो सकता है। अजित गुट की एनसीपी ने अंदर हलचल तेज हो गई है। आम चुनावों के नतीजों के बाद अजित पवार गुट को लेकर शरद गुट ने बड़ा दावा किया है। सूत्रों के अनुसार शरद पवार गुट के संपर्क में अजित गुट के 18 विधायक हैं। दावा किया जा रहा है कि ये सभी 18 विधायक वापस शरद गुट में आना चाहते हैं। सियासी हलचल के बीच डिप्टी सीएम अजित पवार ने अपने आवास पर विधायकों की बैठक बुलाई है। बता दें कि अजित पवार गुट के पास 40 विधायक हैं, जिन्होंने शिंदे और भाजपा सरकार को समर्थन देकर महायुति की सरकार चला रहे हैं।

कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी, पावर में उद्धव-पवार

महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में इस बार कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार एनसीपी के महाविकास अघाड़ी ने 30 सीटों पर कब्जा किया। वहीं कांग्रेस राज्य में 13 सीटों के साथ सबसे बड़ी बनकर उभरी। वहीं शरद पवार एनसीपी 8 और शिवसेना यूटीबी 9 सीटें जीतने में कामयाब रहीं। दूसरी तरफ भाजपा नीत गठबंधन महायुति को भारी नुकसान झेलना पड़ा। खुद भाजपा 9 सीटों पर सिमट गई, जबकि शिंदे शिवसेना को 7 सीटें जीतने में कामयाब रही। वहीं अजित पवार गुट की एनसीपी महज 1 सीट हासिल कर पाई।

लोकसभा चुनाव में प्रकाश आंबेडकर फिसड्डी, जमानत तक हो गई जब्त

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र लोकसभा चुनाव में वंचित बहुजन अघाड़ी का जादू नहीं चल पाया है। अकोला से चुनावी मैदान में उतरे प्रकाश आंबेडकर भी इलेक्शन हार गए। राज्य में 'वंचित फैक्टर' बेअसर रहा। वंचित वहुजन अघाड़ी की ओर से आधिकारिक तौर पर लड़ी गई 38 सीटों पर पार्टी को केवल 15 लाख 66 हजार 949 वोट मिले हैं। दो निर्वाचन क्षेत्रों अकोला और हिंगोली को छोड़कर बाकी 36 निर्वाचन क्षेत्रों में वीबीए उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई है। प्रकाश आंबेडकर अकोला लोकसभा क्षेत्र में बुरी तरह हार गये। प्रकाश आंबेडकर 2,76,747 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। अकोला और हिंगोली को छोड़कर बाकी सभी जगहों पर वंचित को एक लाख से भी कम वोट मिले। राज्य में केवल अकोला और मुंबई उत्तर पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र ही महाविकास अघाड़ी से प्रभावित

थे। 2019 में, कांग्रेस-राष्ट्रवादी पार्टी को लगभग 15 निर्वाचन क्षेत्रों में हार का सामना करना पड़ा था। वीबीए ने कई सीटों से अपने उम्मीदवार बदले तो कई सीटों पर उम्मीदवारों के आवेदन खारिज हो गए। 2019 में लोकसभा चुनाव में वीबीए-एआईएमआईएम गठबंधन को राज्य में 41 लाख 32 हजार 446 वोट मिले थे। एमआईएम ने छत्रपति संभाजीनगर सीट जीती थी। वीबीए को 2019 में करीब 14 फीसदी वोट मिले थे। 2024 में निराशाजनक प्रदर्शन ने वंचित के राजनीतिक भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वंचित बहुजन अघाड़ी को वीबीए से चार सीटों का नुकसान हुआ। मुंबई उत्तर पश्चिम, अकोला, हातकणंगले और बुलढाणा में वंचित वर्ग प्रभावित हुए। मुंबई नॉर्थ-वेस्ट में ठाकरे ग्रुप के अमोल कीर्तिकर महज 48 वोटों से हार गए, जहां वंचित के परमेश्वर रणशूर को 10052 वोट मिले। अकोला में बीजेपी के अनुप धोत्रे 40626 वोटों से जीते। जहां तीसरे नंबर पर रहे प्रकाश आंबेडकर को 2,76,748 वोट मिले थे। हातकणंगले में ठाकरे गुट के सत्यजीत अबा पाटिल 13,426 वोटों से हार गए, जहां वंचित के डीसी पाटिल को 32,696 वोट मिले। बुलढाणा में ठाकरे गुट के नरेंद्र खेडेकर 29,479 वोटों से हार गए। वंचित के वसंतराव मगर को 98,441 वोट मिले।

टाटा सूमो खाई में गिरने से तीन लोगों की मौत, 10 घायल

चंबा, 6 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में राख-बिंदला-धनाड़ा मार्ग पर गुरुवार सुबह 9:00 बजे टाटा सूमो गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त होने से तीन लोगों की मौत हो गई है। हादसे में 10 लोग घायल हो गए हैं। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। हादसा इतना भयानक था कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। हादसे के समय गाड़ी में कुल 13 लोग सवार थे।वहीं हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग दौड़े-दौड़े मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने तुरंत प्रशासन, पुलिस और एंबुलेंस को सूचित किया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने घायलों को उठाकर कर निजी वाहनों के जरिये मेडिकल कॉलेज चंबा पहुंचाया। चार गंभीर घायलों को टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच कर मामले की जांच आरंभ कर दी है। पुलिस अधीक्षक चंबा अभिषेक यादव ने बताया कि हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई है। एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

आग में राख हुआ मंदिर, हरि सिंह की रानी ने बनाया था 23 साल तक मुस्लिम ने की सेवा

जम्मू, 6 जून (एजेंसियां)। कश्मीर के गुलमर्ग में स्थित महारानी मंदिर में बुधवार को आग गई। मंदिर में आग लगने की वजह से पूरा ढांचा ही खाक में तब्दील हो गया। मंदिर में आग लगने की खबर के बाद स्थानीय लोग और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे, आग बुझाने की कोशिश की लेकिन तब तक मंदिर जलकर खाक हो चुका था। यह मंदिर न सिर्फ गुलमर्ग बल्कि पूरे कश्मीर के लिए बहुत खास है क्योंकि इसका इतिहास कश्मीर के आखिरी राजा हरि सिंह और उनकी पत्नी ने जुड़ा है। पुलिस ने कहा है कि मंदिर में किस वजह से आग लगी है इसका पता लगाया जा रहा है। वहीं मंदिर में आग लगने के बाद पुलिस और स्थानीय लोगों ने आग को बुझाने की कई कोशिशें की हैं। हालांकि मंदिर को बचाया नहीं जा सका। मंदिर के पुजारी पुरुषोत्तम शर्मा बताते हैं कि मंदिर में आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी, और तेज हवाओं की वजह से आग अचानक भभक गई। लकड़ी के ढांचे ने आग तुरंत पकड़ ली और हादसा हो गया। मंदिर के पुजारी ने आगजनी के मामले से इनकार किया है। मंदिर के जलकर खाक होने के बाद स्थानीय लोगों में मंदिर से जुड़ी कई कहानियां चर्चा विषय बनी हैं। इस मंदिर का इतिहास करीब 109 साल पुराना है जब कश्मीर के आखिरी महाराज हरि सिंह की पत्नी महारानी मोहिनी ने इस मंदिर की नींव रखी थी। 1915 में इस मंदिर को बनवाया गया था। तब से लेकर अब तक यह मंदिर गुलमर्ग और आस-पास के कई लोगों की आस्था का केंद्र है। भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित यह मंदिर बेहद खूबसूरत जगह पर बना हुआ है जहां से गुलमर्ग के सभी कोनों को देखा जा सकता है। समय के साथ इस मंदिर का नाम महारानी मंदिर पड़ गया। इस मंदिर को लकड़ी और पत्थरों से बनाया गया था। इसमें बड़े खिड़की वाले बरामदे रखे गए थे। इस मंदिर के अंदर खड़े होकर आप पूरे गुलमर्ग को देख सकते हैं।

23 साल तक मुस्लिम शख्स ने की देखरेख

राज्य में जब अलगाव की स्थिति थी और कश्मीरी पंडित पलायन कर चुके थे उस वक्त इस मंदिर की देखरेख करने वाला कोई नहीं बचा। तब गुलाम मोहम्मद शेख नाम के मुस्लिम ने यह जिम्मेदारी उठाई, धर्मार्थ ट्रस्ट के लिये वह पहले से ही चौकीदार का काम करते थे। उन्हें इस काम के लिए हर महीने सैलरी भी मिलती थी। गुलाम शेख बारामुला के दंडमुह नाम की जगह के रहने वाले हैं। जब पंडित नहीं थे उस वक्त उन्होंने मंदिर की 23 साल तक देख रेख की है। उन्होंने इसके लिए पूरी पूजा विधि भी सीखी और पूरे भाव से भोलेनाथ की सेवा की। गुलाम मोहम्मद शेख को लोग अब 'पंडित जी' नाम से भी जानते हैं। यह मंदिर कई टूरिस्ट्स की पसंदीदा जगहों में से एक रहा है, इस मंदिर को कई मूवीज में भी शूट किया जा चुका है। बॉलीवुड की मूवी 'आप की कसम' के 'जय जय शिव शंकर' गाने में राजेश खन्ना और मुमताज के डांस को यहीं पर शूट किया गया था। इसके अलावा 'अंदाज' और 'कश्मीर की कली' मूवी में भी इस मंदिर को दिखाया जा चुका है।

पहली बार मिली-जुली सरकार से पाला

इंडिया गठबंधन में लोगों ने बस इतना ही विश्वास दिखाया है कि विरोध करने के लिए मजबूत हो जाओ, सरकार बनाने की सोचना भी मत। इंडिया गठबंधन ने इसका सम्मान करते हुए बुधवार को हुई बैठक में घोषणा कर दी कि हमें सरकार बनाने की जल्दी नहीं है, सही समय का इंतज़ार करेंगे। यही नहीं मल्लिकार्जुन खडगे ने तो यहां तक कह दिया कि दरवाजा सबके स्वागत के लिए खुले हैं। इसका मतलब यह निकाला जा रहा है कि फ़िलहाल इंडिया गठबंधन विपक्ष में ही बैठने के मूड में है। सरकार बनाने की कोई कोशिश नहीं की जा रही है। देखा जाए तो इंडिया गठबंधन के पास इसके अलावा कोई चारा भी नहीं है। जदयू सुप्रीमो नीतीश और टीडीपी मुखिया चंद्रबाबू नायुडू ने भी नरेंद्र मोदी का साथ छोडने से इनकार कर दिया है। ऐसे में इन दोनों का धैर्य ख़त्म होने तक की राह तकने के अलावा विपक्ष के पास कोई चारा भी नहीं है। लेकिन वे विपक्ष में बैठने का साफ़ निर्णय घोषित नहीं भी करते तो कोई क्या कर लेता! कम से कम फ़िलहाल तो उन्होंने एक तरह की राजनीतिक ईमानदारी दिखा ही दी है। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने नेतृत्व में पहली बार मिली- जुली सरकार बनने जा करे हैं। केंद्र में यह उनकी लगातार तीसरी सरकार होगी लेकिन अभी तक दस साल उन्होंने पूर्ण बहुमत वाली सरकार ही चलाई है। निश्चित रूप से इस बार उनके सामने नई और कई चुनौतियाँ होंगी लेकिन जिस विश्वास के साथ वे आगे बढ़ रहे हैं, लगता है मिली- जुली सरकार को भी भली-भाँति चलाने में कामयाब हो जाएंगे। राजनीति में कब मुलायम होना है और कब कठोर, भला मोदी जी से अच्छा कौन जान सकता है। ऐसे में जानकारों का तो यही कहना है कि नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की सभी माँगें मानना आसान नहीं होगा लेकिन कुछ नरम-गरम कर वे उनको भी अपने साथ रख लेंगे। इसके पहले भी अटल जी की सरकार में नीतीश और नायडू एनडीए सरकार में रह चुके हैं। इसलिए वे भारी-भरकम मंत्रालय तो माँगेंगे ही, साथ ही शर्त भी रख सकते हैं कि उनके मंत्रालयों में किसी की दख़लंदाज़ी न हो। लेकिन दोनों नेता भूल रहे हैं कि ये वही मोदी हैं जो बगैर दख़लंदाज़ी के भी निगरानी रखने में माहिर हैं। दूसरी ओर इंडिया गठबंधन भी नीतीश और नायडू को अपनी तरफ़ खींचने की कोशिश में लगा हुआ तो था लेकिन देर शाम उसने इन दोनों को साफ़ कह दिया कि आओ तो दरवाज़ा खुला है और न आओ तो भी रास्ता बंद नहीं है। मामले की गंभीरता को समझते हुए एनडीए ने नौ जून को शपथ ग्रहण की तारीख़ भी तय कर ली है। एक बार शपथ ग्रहण और मंत्रिमंडल का गठन हो जाने के बाद इंडिया गठबंधन के लिए रही-सही गुंजाइश भी खत्म हो जाएगी। इस बार के चुनाव परिणाम कुछ अनोखे ही हैं। पहली बार है कि चुनाव परिणामों से चुनाव और उसकी प्रक्रिया में शामिल तमाम पक्ष खुश हैं। दुखी होने का कारण किसी के पास नहीं है। एनडीए इसलिए खुश है क्योंकि उसे पूर्ण बहुमत मिल चुका है। कांग्रेस इसलिए खुश है क्योंकि वह पिछली बार से लगभग दोगुनी संसदीय सीटों पर जीत चुकी है। इसके अलावा भाजपा को विजेता वाला अंक नहीं मिला है। समाजवादी पार्टी इसलिए खुश है क्योंकि उत्तर प्रदेश में उसने भारी सफलता पाई और कम से कम इस सबसे बड़े प्रदेश में भाजपा के विजय रथ को रोकने में कामयाब हो गई है। इंडिया गठबंधन में शामिल शिवसेना उद्धव और शरद पवार की पार्टी इसलिए खुश हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि चुनाव परिणामों से यह साबित कर दिया है कि असल शिवसेना और असल एनसीपी कौन हैं? ममता बनर्जी इसलिए खुश हैं कि उन्होंने भाजपा को अपने प्रदेश में मरोड दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैरानी जताई है कि जीते हम हैं लेकिन खुश दूसरी पार्टियाँ हो रही हैं! लेकिन सच ये है कि इस बार खुश होने के अपने-अपने कारण सबके पास हैं। इस बार तो चुनाव आयोग भी खुश है क्योंकि किसी ने ईवीएम पर कोई सवाल नहीं उठाया। चुनाव परिणाम आने से पहले ज़रूर आयोग की तरफ कुछ राजनीतिक दलों ने उँगली उठाई थी लेकिन परिणाम ज़ाहिर होते ही तमाम उँगलियाँ पीछे मोड़ ली गईं।

सब बोलने की बातें हैं

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक समय था जब झूठ बोलने पर कौवा काटता था। हो न हो यह कौआ अवश्य महात्मा गांधी जी का होगा। वरना इंसान को काटने की हिम्मत किसमें है। वैसे पर्यावरण परिवर्तन के चलते महात्मा गांधी वाले कौए तो कब के लुप्त हो गए। अब जो बचे हैं वे झूठ बोलने पर नहीं सच बोलने पर काटते हैं। इसीलिए लोग सच बोलने से डरते हैं। सच बोलकर कौन मूर्ख बेमतलब का टिटिम्मा पालेगा। सच बोलकर दूसरों को दूर करने से अच्छा है झूठ बोलकर उनके गले काटना। इस तरह गला काटने पर खून का रंग लाल हो न हो लेकिन स्वाद मीठा होता है। यदि ऐसा न होता तो आए दिन इतने गले कट रहे हैं, क्या वह बिना स्वार्थ वाले मीठे स्वाद का होता। आइंस्टीन ने महात्मा गांधी को हांड-मांस का चलता हुआ क्रांतिकारी महापुरुष बताया। उनकी बात मुझे तब सच लगी जब मैंने मुन्ना भाई एमबीबीएस और मुन्ना भाई लगे रहो में गांधीगिरी को देखा। गांधीगिरी के नाम पर टिकट खिड़कियों पर इतनी भीड़ उमड़ी कि एक बार के लिए लगा हो न हो गांधी जी फिर से वापस आ गए हैं। दो फिल्मों को छह घंटे देखकर छह सेकंड में गांधी जी को भुला देने वाली पब्लिक उनके सिद्धांतों को पुड़िया बनाकर पैरों तले कुचलने में आज की दुनियादारी समझती है।

क्या होता अगर सच में गांधी जी के सिद्धांतों पर यह देश काम करता? इसमें सोचने वाली बात क्या है। स्वतंत्रता 1947 में मिली। हम वहीं के वहीं रहते। वह तो शुक्र मनाओ कि गांधी जी 30 जनवरी 1948 को जबरन इस दुनिया से चल बसे। तभी तो हम उनकी याद में असत्य, अहिंसा, अधर्म, अन्याय का सफलतापूर्वक पालन करते हुए यहाँ तक पहुँचे हैं। सच बोलने वाले, धर्म का पालन करने वाले, न्याय का पक्ष धरने वाले, अहिंसा की बातें करने वाले आदमखोर शेर से भी खतरनाक माने जाते हैं। इसीलिए इन्हें जेल में बंद कर दिया जाता है या फिर राष्ट्रविरोधी कहकर उन पर गद्दार का ठप्पा लगा दिया जाता है। अब तो हर जगह झूठ का बोलबाला है साहब। पैंतीस-चालीस रुपए में पेट्रोल देने के नाम पर सरकार बनाने वाले सौ रुपए में पेट्रोल बेचते हैं। कभी गैस सिलेंडर इतने महंगे थे कि एक महान संस्कृति की पक्षधर अम्मा संसद के सामने गलाफाड़ गृहिणी के रूप में सरकार को हिला देती थीं। अब वही अम्मा हजार रुपए की कीमत को सस्ती गैस बताकर अपनी बेटी के होटल में गाय, सुअर के मांस का सांस्कृकि भोज्य पदार्थ बनवाती हैं। इस तरह संस्कृति का विकास करती हैं। अच्छा हुआ गांधी जी निरमा वाशिंग पाउडर के विज्ञापन से पहले चल बसे। वरना उनकी मौत पर यही वित्तीय अम्मा कहतीं – गांधी जी गोली लगने से नहीं मरे। बल्कि वे ही गोली के रास्ते में आ गए। इसमें गोली की कोई गलती नहीं है। उन्हें तो उसेन बोल्ट की तरह फुर्तीला होना चाहिए था। गोली के रास्ते में आने वाला मरेगा नहीं तो क्या साल्सा डैंस करेगा।

सच बोलने वालों को कौओं से नहीं मोटा भाई से डरना चाहिए। क्योंकि सच बोलने वाले मैके जाने के बजाए जेल जाते हैं। यह बात अलग है कि आगे चलकर जेल ही उनका मैका बन जाता है। यदि इतने पर भी सच बोलने वालों की चुल मची रहती है तो उनके पीछे ईडी, सीबीआई, टाडा, गद्दार, राष्ट्रविरोधी जैसे टैग लगाकर उन्हें मारेंगे नहीं मरने पर मजबूर कर देंगे। गांधी जी हमेशा एक गाल के बदले दूसरा गाल भी ऑफर करने के लिए कहते थे। काश आज वे होते तो उनके सिद्धांतों में और न जाने कितने ऑफरों के साथ पूरा का पूरा बदन सत्ता के हाथ में धर देते और कहते – यह बदन तुम्हारे हवाले सत्ताधारियों...। अब जो करना है करो तुम्हारी मर्जी है सत्ताधारियों।

जीतकर भी हारे सूरमा, घायल हुए शूरवीर

सत्यम तिवारी

अब धुंध छंट गई है। तस्वीर साफ है। लंबे, तपा देने वाले और थका देने वाले चुनाव खत्म हो गए। परिणाम भी आ गए। सारे किन्तु-परंतु हट गए, प्रश्न चिन्ह मिट गए। 2024 के आम चुनाव कई मायनों में महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक रहे। ये देश की दशा और दिशा को तय करने वाले चुनाव थे। भारत के लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया के अध्ययन में अकादमिक दिलचस्पी रखने वालों के लिए भी ये चुनाव एक महत्वपूर्ण अध्याय, एक केस स्टडी साबित होंगे।

भारत के चुनाव बाहर से जितने सीधे, स्पष्ट और आसान नज़र आते हैं, अंदर से उतने ही पेचीदा, उलझन भरे और भरमाने वाले हैं। पिछले चुनावों के ऐसे कई उदाहरण हैं जहां जनता ने चौंका दिया। इंदिरा गांधी, मधु दंडवते, अटल बिहारी वाजपेयी चुनाव हार जाते हैं और शाहाबुद्दीन, फूलन देवी और मुख्तार चुनाव जीत जाते हैं। कब जाति हावी हो जाएगी, कब धर्म और कब सर्जिकल स्ट्राइक, ये एकदम तय ही नहीं है।

किसी एक बड़े मुद्दे के उफान से बनी लहर कब कोरे झाग में तब्दील हो जाए और कब मंच से दिया पानी के बुलबुले सा छोटा सा नारा बड़े तूफान में बदल जाए, कोई भरोसा नहीं। इसीलिए तो धारा 370, राम मंदिर और ब्रांड मोदी की प्रचंड लहर पर सवार भाजपा को पूरे चुनाव में कभी इस बात को लेकर आश्वस्ति नहीं थी कि भारी बहुमत के लिए बस इतना ही काफी है। ऐसा होता तो ना जात और क्षेत्र के आधार पर थोक में भारत रत्न बांटे जाते और न 'म' की महिमा का उजाला मंगलसूत्र, मुसलमान और मुजरे की अंधेरी गलियों से गुजरता।

आखिरी पड़ाव पर ज़रूर संगमों के संगम और उत्तिष्ठत जागृत की तपोस्थली, भारत के दक्षिणी कोने से उगते सूर्य को दिए गए अर्घ्य से उस ग्रहण को छुपाने की कोशिश की गई जो नए भारत की संभावनाओं के सूरज की रोशनी को कुछ धूमिल कर रहा था। पर ग्रहण तो लग चुका था और उसका प्रभाव परिणामों में दिखाई दे रहा है। इंडिया देट इज भारत को भारत देट इज इंडिया करने के प्रयत्न कुछ अल्प विराम में चले गए हैं। 'भारत' की अवधारणा पर फिलहाल इंडिया का ब्रेक लग गया है।

भारत का अधिसंख्य मानस शुरु से नायक और मसीहा की तलाश में भटकता रहा है। अज्ञान, गरीबी, शोषण, अत्याचार, नासमझी और संपूर्ण स्वार्थ के बियाबान में भटकता ये बड़ा वर्ग हमेशा से एक ऐसी खूंटी की तलाश में रहता है जिस पर वो अपनी सारी चिंताएँ टांग कर निश्चिंत हो सके। बहुत हद तक बेपरवाह। इतना अधिक बेपरवाह कि उसी मसीहा को अपने हाल पर छोड़ कर वोट देने की बजाय लंबे सप्ताहांत पर निकाल पड़े!

दरअसल, इसी मानस की नब्ज़ को पकड़ कर 2014 में नरेंद्र दामोदर दास मोदी का उदय हुआ था। इसी मानस को आश्वस्त कर 2019 में प्रधानमंत्री मोदी की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। भारत के चुनावों की अवधारणा बदल गई थी। अचानक से हमारी चुनावी व्यवस्था अध्यक्षीय प्रणाली में बदल गई थी। 2019 के उसी जबर्दस्त समर्थन की लहर पर सवार होकर नए 'ब्रांड मोदी' का उदय हुआ।

विदेशों में धूम मची, धारा 370 हटी, अयोध्या में राम-लला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। 2023 के विधानसभा चुनावों ने इसी ब्रांड मोदी को और विराट, और भव्य बना दिया। नोटबंदी अच्छी नीयत से लिया गया गलत निर्णय था। पर जनता ने माफ कर दिया। नीयत ठीक लगे तो गुनाह माफ हैं। पर सारे गुनाह नहीं। कार्यकर्ताओं की उपेक्षा माफ नहीं होगी, गलत उम्मीदवारों का चयन माफ नहीं होगा। मुद्दों से भटकाव माफ नहीं होगा। जीत के जुनून में वास्तविकता से मुंह मोड़ना माफ नहीं होगा।

और जब मसीहा का ये वोटर बेफिक्र और बेपरवाह होकर 'लॉन्ग वीकेन्ड' मनाने चला गया तो विपक्ष ने उसकी उसी खूंटी से उन्हीं चिंताओं और मुद्दों को निकाल कर हवा में उछाल दिया। मुद्दों ने खूंटी छोड़ दी। मालिक को सोया पाकर किसी ने गाय खोल दी। नाव ने किनारा छोड़ दिया, फिर उसे बहाव से बचा कर लाना मुश्किल हो गया। संविधान के बदल जाने का भय काम कर गया। जाति की इमारत में लगा हिन्दुत्व का गारा बह गया। बेपरवाह मानस या तो वीकेन्ड मनाता रह गया या फिर जाति, नौकरी या उम्मीदवार से नाराज़ी को वोट का नाम दे गया। ये भी सच है कि इसी मानस की चुनावी-स्मृति 'गज़नी' वाली है। जी वही, शॉर्ट टर्म मेमोरी लॉस..!

सच्ची तस्वीर देखें तो भाजपा हारी नहीं है। लेकिन जीती भी नहीं है। 272 तो अपने दम पर नहीं ही पहुंची ही है, 400 पार के अपने दावे से भी बहुत दूर रह गई। मेरिट लाने वाला छात्र अगर द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण होगा तो बात तो होगी।

पिछले कई चुनाव परिणाम कांग्रेस के लिए गहरे आत्ममंथन का संदेश लेकर आए थे। 2024 के आम चुनाव भाजपा के लिए उसी गहरे आत्मविश्लेषण का आदेश लेकर आए हैं। कहां और किस स्तर पर चूक हुई ये सोचा जाना चाहिए। छः महीने पहले एकतरफा दिखाई देने वाले चुनाव कैसे कांटे की टक्कर में बदल गए? विपक्ष ने आपके ही हथियार से आपको खटाखट, खटाखट घेर दिया। खासतौर पर उत्तर प्रदेश में सपा द्वारा की गई सोशल इंजीनियरिंग को श्रेय देना होगा।

खासतौर पर उत्तर प्रदेश में सपा द्वारा की गई सोशल इंजीनियरिंग को श्रेय देना होगा। सपा ने अपनी यादव छवि को बदल कर जो पीडीए, यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक पर काम किया वो कमाल कर गया। कांग्रेस के साथ और दस वर्ष से स्थापित सरकार के प्रति नाराजगी को अच्छे से भुनाया गया। बंगाल में ममता ने भाजपा की उम्मीदों पर पानी फेर दिया तो राजस्थान में पायलट अपनी सीटें ले उड़े। हां उड़ीसा और आंध्र ने जरूर भाजपा को कुछ सुकून दिया है। दक्षिण का द्वार कुछ तो खुला है। मध्यप्रदेश में पूरी 29 पर कमल खिला है।

जिस ब्रांड मोदी ने विधानसभा चुनावों में कमाल कर दिया था वही ब्रांड मोदी लोकसभा में वैसा करिश्मा क्यों नहीं दोहरा पाया? अचानक से मोदी की बजाय उम्मीदवार कैसे अधिक महत्वपूर्ण हो गए। भाजपा के लिए ये गहरे चिंतन का विषय है। 'इंडिया शाइनिंग' के बाद ये दूसरा और करारा झटका है, पर इस बार कश्ती जैसे-तैसे किनारा तलाश रही है। इस चुनाव में भाजपा ने एक सुनहरा अवसर खोया है। देश को एक अलग तरह की राजनीति और लोकतन्त्र देने का अवसर। जैसे पद्म पुरुस्कारों की समूची अवधारणा ही बदल दी गई और छुपी प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया वैसे ही वो अच्छे लोग जो राजनीति को बुरा मान कर इससे दूर रहते हैं, पर काम करना जानते हैं, उन्हें ब्रांड मोदी की आड़ में टिकट देते तो तस्वीर शायद दूसरी होती।

इस चुनाव में कांग्रेस को अपने लिए ऑक्सीज़न मिल गई है, सपा को ताकत, तृणमूल के लिए संतुष्टि, नीतीश के लिए उम्मीद और भाजपा के लिए सबक। इन सब राजनीतिक दलों के कुल हासिल से देश का लोकतन्त्र अधिक मजबूत हो इसी उम्मीद के साथ नई सरकार की प्रतीक्षा की जानी चाहिए।

क्या हैं इस जनादेश के निहितार्थ

डॉ घनश्याम बादल

जनता का साफ संदेश लोकतंत्र के घोड़े पर सिर्फ उसकी मर्जी से बैठेगा सवार, मीडिया, एग्जिट पोल या औद्योगिक घराने तय नहीं कर सकते देश और लोकतंत्र की दिशा।

इन लोकसभा चावन का परिणाम सामने है,जनता को जो ठीक लगा उसने कर दिया । अब मीडिया, नेताओं , समीक्षकों और सर्वेक्षण चैनलों के फेस सेविंग तर्क से कोई लाभ भी नहीं । सच बात तो यह है कि जनता ने किसी को भी केंद्र में दबंगई की सरकार बनाने लायक नहीं समझा । सीधा फैसला है जोश में भले रहो पर, होश में भी रहो। देशभक्ति के नारे दूसरों को लपेटना बस एक की गारंटी के दस साल इस बार जनता को ज्यादा रास नहीं आए। जिनको रास आ रहे थे वें आराम पसंद निकले और वोट डालने ही नहीं निकले । सच बात तो यह है कि किसी भी एक पार्टी को जनता ने एकमुश्त शासन की बागडोर संभालने लायक नहीं समझा है । और दुर्भाग्य यह है कि एक दूसरे के सहारे पर चलने वाली सरकारें न साहसिक व त्वरित निर्णय ले पाती हैं न ह अपने मन की बातव मनमर्जी कर पाती है।

वैसे लोकतंत्र की परिकल्पना यही तो है कि लोकतंत्र का घोड़ा किसी एक ही सवार के हाथों में लंबे समय तक ना दिया जाए जिससे वह उसे अपनी मनमर्जी की दिशा में ले जाए बल्कि ऐसी व्यवस्था की जाए कीसब मिलजुल कर देश की जनता का और देश का ख्याल रखते हुए शासन चलाएं । अब देखना यह है कि आने वाले समय में 8 या 9 जून तक जब सरकार बनेगी तब यदि एनडीए की बनती है तो मोदी जी का प्रशासनिक कौशल्य परखा जाएगा। कितने ही सौदेबाजों को उन्हें संतुष्ट करना पड़ेगा और जो उनके एक आंख दिखाते ही दुबक और सहम जाते थे वें भी अब आंखें दिखाएंगे । दूसरी ओर यदि पलटी मार वाले नेता दूसरे खेमे में मिल जाएं तो भी कोई अचरज नहीं । तब मोदी या भाजपा देश के शासक नहीं बनेंगे वैसे इसके आसार अभी कम हैं। लेकिन आशंका है कइ 2026-27 तक आते-आते मेरा अनुमान है कि या तो सरकार आखिरी सांसे गिन रही होगी या

मध्यवर्ती चुनाव होंगे या इंडिया अथवा ऐसा ही कोई दूसरा धन शासन में आने की कोशिश करने लगेगा और हो सकता है आ भी जाए ।पर सच यह भी है कि यदि ऐसा हुआ तो इन दस वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की जो छवि बनी है उसमें भारी नुकसान होना तय है। विकास की दर भी गिरेगी, आर्थिक विकास पर भी ग्रहण लगेगा लेकिन साथ ही साथ इस या उस बहाने से देश की आर्थिकी भी कुछ ही घरानों नों को सौंप देने, सरकारी क्षेत्र को निजीकरण की राह पर धकेल देने से भी छुटकारा मिलेगा । यानी इस हिलते-डुलते बहुमत की सरकार में लोकतंत्र तो दृढ़ होगा लेकिन बहुत सारे खेल भी खेले जाएंगे ।

एक पक्ष यह भी है कि पिछले दो-तीन साल से लगातार जेल में ठूंसे जा रहे विपक्षी नेता और उनके दल भी बचेंगे हो सकता है यह सरकार अथवा दूसरी आने वाली सरकार उन्हें क्लीन चिट देकर केवल इसलिए बाहर कर दे क्योंकि ऐसा करना एक मजबूरी होगी। एक बात और एक बार फिर से एग्जिट पोल वालों की पोल जनता ने पूरी तरह से खोल कर रख दी है । एक भी सर्वेक्षण कंपनी का सर्वे सटीक या सही तो क्या यथार्थ के आसपास भी दिखाई नहीं देता।

ऐसा नहीं कि उनके आकलन या प्रक्रिया में कोई कमी रही हो बल्कि संदेह है कि उनसे ऐसा ही परिणाम दिखाने का खेल खेला गया हो । इस चुनाव में मीडिया विशेष कर टीवी चैनल और युटयुबर्स ने भी अपने-अपने तरीके से मतदान प्रक्रिया को प्रभावित रने में कोई कसर नहीं छोड़ी । एक भी तो चैनल ऐसा नहीं दिखा जो किसी दल विशेष या गठबंधन विशेष की ओर आंख बंद करके झुका हुआ नजर न आया हो । कोई इस पक्ष में था तो कोई उसे पक्ष में किसी के एंकर चिल्ला - चिल्ला कर प्रायोजित, साक्षात्कार, टिप्पणियां और अलग-अलग सेगमेंट के कार्यक्रम दिखा रहे थे तो कुछ शांत भाव से बिना शोर मचाए यह सब कर रहे थे पर कर सब रहे थे और इसके पीछे का राज यह है कि आज के अधिकांश टीवी चैनल और अखबार भी किसी ने किसी बड़े औद्योगिक या व्यापारिक घराने की मुट्ठी में है और इन घरानों के हित इस विचारधारा या उसे विचारधारा अथवा अपने प्रिय नेताओं या सरकारों की मुट्ठी में हैं जिस प्रकार का माहौल बनाया गया उससे यह लग रहा था कि जब तक मोदी तब तक देश, गारंटी वारंटी, संकल्प-पत्र, विकल्पहीनता पता नहीं क्या-क्या कहा गया ।

चुनाव प्रचार में तीखापन किसी न किसी मात्रा में हर बार रहा है और आगे भी रहेगा । तथ्यहीन आरोप - प्रत्यारोप और अपने पक्ष में आंकड़ों का मन माना विश्लेषण पहले भी होता रहा है इस बार भी हुआ और आगे भी होगा । इस चुनाव में कृत्रिम बुद्धि लब्धि का भी जबरदस्त इस्तेमाल करते हुए तरह-तरह के वीडियो प्रचारित किए गए जिन्हें आम आदमी नहीं समझ पाता लेकिन अब वह इतना मैच्योर हो चुका है कि हर दल और प्रत्याशी से चुनाव के दौरान खाने - पीने का बंदोबस्त करने में उसे हिचक नहीं है वह पत्रकारों और नेताओं के चेहरे को पढ़कर उसकी मन भाती बात कहता है सर्वेक्षण कर्त्ताओं को बताने के लिए हर बार ऐसे वोटर का वोट केवल उसे ही जाता है जिसे जिसे सर्वेक्षण कंपनियां चाहती हैं। पर, यदि यह सच होता तो फिर वे जीतते क्यों नहीं। मगर लगता नहीं कि यह एग्जिट पोल का ट्रेंड बदलेगा।

एक और बात दाल और नेता या प्रचारक कंपनियां याद रखें की भारतीय प्रवृत्ति आक्रामक एवं जहरीले प्रचार को कभी भी भाव नहीं देती और ऐसा बहुत पहले से होता रहा है जब इंदिरा गांधी ने ऐसा किया वह हार गई फिर दूसरे कार्यकाल के लिए राजीव गांधी ने ऐसे ही विज्ञापन करवाए थे वह भी सत्ता से बाहर हुए और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भी जब इस आक्रामकता को बहुत प्रश्रय दिया तब उन्हें भी जनता ने संकेत दे दिया है। अस्तु, परिणाम आ गए हैं राजनीतिक मंथन भी शुरू हो गया है और सरकार भी बनेगी, देश भी रहेगा ही लेकिन इन चुनावों में जैसे शब्द बाण चलाए गए, जैसी घटिया भाषा का इस्तेमाल किया गया, जैसे घटिया आरोप लगाए गए वह सब को चिंतित करने वाला है । और एक बात और समझ नहीं आता कि यह ओपिनियन पोल, एग्जिट पोल होने ही क्यों चाहिए ? जनता को वोट करना है, जनता वोट करती है मतदान के बहुत कम समय बाद ही परिणाम भी आ जाता है तब चैनलों पर यह शोर शराबा क्यों ? निश्चित ही यें बंद होने चाहिएं क्योंकि इनके चलते आम जनमानस में बहुत सारेमनमुटाव बहसबाजी यहां तक कि बैरबंदियां भी होती हैं।

न तुम जीते न वो हारे!

रजनीश कपूर

2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों ने सभी चौंका दिया है। सत्तापक्ष के बड़े-बड़े दावे और उसी से मिलते-जुलते एग्जिट पोल के बाद किसी को ऐसी उम्मीद नहीं थी। हालाँकि 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं के अलावा एक दो ज्योतिषियों ने टीवी चैनलों पर एग्जिट पोल को सिरे से नकार दिया था। पर 'इंडिया' गठबंधन पर जिस तरह देश के मतदाताओं ने भरोसा जताया है उससे तो यही सिद्ध हुआ है कि देश में 'लोक' का 'तंत्र' अभी जीवित है। अब सरकार जिस गठबंधन की भी बने देश की संसद में विपक्ष को भी अच्छी संख्या में स्थान मिलेगा। जो भी सरकार बनाएगा अब उसे विपक्ष के दबाव में रह कर कार्य करने पड़ेंगे। एक स्वस्थ लोकतंत्र में मज़बूत विपक्ष का होना भी अनिवार्य है। इसलिए 2024 का चुनाव सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के लिए ही अच्छा साबित हुआ।

चुनावों के दौरान जिस तरह 'इंडिया' गठबंधन चुनाव आयोग की मशीनरी पर कई तरह के सवाल उठा रहा था उससे आम जनता के मन में भी भ्रम पैदा होने शुरू हो गए थे। लेकिन लोकसभा नतीजों ने एक बार फिर से यह विश्वास जगाया है कि चुनावों में मतदाता ही सर्वोपरि होते हैं। इस बार के चुनावों में किसी भी दल या नेता की, किसी भी तरह की, कोई भी लहर नहीं थी। ये चुनाव जनता का चुनाव था। देश भर में फैल रही महंगाई, बेरोज़गारी व अन्य परेशानियों से मतदाता त्रस्त था।

इसलिए उसे जो जंचा उसी को उसने वोट दिया। आख़िरी चरण के मतदान के बाद से जो भी एग्जिट पोल आए वो भी एनडीए की ही सरकार बना रहे थे। परंतु एग्जिट पोल केवल पोल-पट्टी साबित हुए। चुनाव परिणाम के बाद एग्जिट पोल करने वाली एक संस्था के अध्यक्ष जिस तरह एक राष्ट्रीय टीवी चैनल पर फूट-फूट कर रोने लगे उससे तो यह लगा कि उन्हें अपनी करनी पर पछतावा है। पर कई बार जो सामने दिखाई देता है वो असल में सच नहीं होता। उसके पीछे का सच कुछ और होता है। इन सज्जन के विषय में आज ऐसी शंका देश भर में जताई जा रही है। इसका एक कारण यह है कि बिना सर्वेक्षण तकनीकी की बारीकी बताए, बिना सैंपल साइज बताए, बिना प्रश्नावली के प्रश्न बताए, केवल अपना आँकलन प्रचारित कर देना अनैतिक होता है। सोचने वाली बात यह है कि जो भी संस्था एग्जिट पोल करती है उसे यह बताने में क्या गुरेज़ होता है कि उसने एग्जिट पोल करने की मानक प्रक्रिया को अपनाया या नहीं? ऐसा तो नहीं है कि ये एग्जिट पोल निहित स्वार्थों के किसी एजेंडा के तहत किए गए? क्या ऐसे सर्वे कराने में किसी मीडिया संस्थान की भी संदिग्ध भूमिका रही?

मिसाल के तौर पर जिस तरह 2024 के लोकसभा चुनावों के एग्जिट पोल दिखाए गए और उसकी प्रतिक्रिया को लेकर देश के शेयर मार्केट में एकदम से भारी उछाल आया उससे आकर्षित हो कर देश के करोड़ों आम निवेशकों ने विश्वास करके बाज़ार में निवेश कर डाला। परंतु नतीजों के रुझान आने पर शेयर मार्केट बुरी तरह लुढ़का और आम निवेशकों के करोड़ों रुपये स्वाहा हो गये। इससे तो यह साफ़ प्रतीत होता है कि एकतरफ़ा नतीजे को प्रचारित करके किसी विशेष उद्देश्य से ही एग्जिट पोल को इतना प्रचारित किया गया। इसका नतीजा यह हुआ कि अब जब कोई भी संस्था ईमानदारी से भी एग्जिट पोल या सर्वे करेगी तो उस पर भी संदेह किया जाएगा। शायद गुमराह करने वाले एग्जिट पोल और उसी का प्रचार करने वाले पक्षपाती मीडिया संस्थानों को इस बात का अंदाज़ा नहीं था कि नतीजे उनके सर्वेक्षण के विपरीत भी आ सकते हैं। यदि उन्हें ये मालूम था और इस सबके बावजूद एग्जिट पोल वाली संस्था ने ऐसा एग्जिट पोल राष्ट्रीय टीवी चैनलों पर परोसा तो वो संस्था व चैनल देश की जनता साथ धोखाधड़ी करने के दोषी हैं। जिसकी जाँच की जानी चाहिए।

दरअसल जब तक ऐसा सर्वे करने वाली संस्थाएँ अपनी वेबसाइट व अन्य प्रचार सामग्री पर इस बात को पूरी तरह से प्रकाशित न करें कि उस संस्था का किसी भी राजनैतिक दल से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई संबंध नहीं है या अपनी तकनीकी का खुलासा न करें, तब तक उस संस्था द्वारा किए गये एग्जिट पोल को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। परंतु हमारे देश में जिस तरह से एग्जिट पोल की भेड़-चाल होती है, वो किसी मनोरंजन से कम नहीं होती।

कुछ भी हो 2024 का चुनाव भी भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में अपनी जगह बना चुका है। एक ओर जहां एनडीए का 'अबकी बार 400 पार' का नारा विफल हुआ है, वहीं विपक्षी एकता का 'इंडिया' गठबंधन भी कई बार बिगड़ते-बिगड़ते मज़बूती से उभर कर आया। विपक्षी दल हों या सत्तापक्षी दल, सभी ने जनता के सामने भी बड़े-बड़े वादे किए हैं और उनको पूरा करने का प्रण भी किया है। तो उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले वक्त में वे अपने वायदों को पूरा करेंगे, उन्हें 'जुमला' कह कर अपनी ज़िम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ेंगे। जहां तक नई लोकसभा के गठन का सवाल है तो यह कहना ग़लत नहीं होगा कि 'न तुम जीते न वो हारे'।

सरकारी बाटी नेता जी खाए

रामविलास जांगिड़

बाटी चूरमा की उत्पत्ति राजस्थान में मेवाड़ साम्राज्य के संस्थापक बप्पा रावल के शासन में हुई। मैं उस टाइम पर नहीं था, वरना मुझ पर ही बाटी आविष्कार का आरोप लगता। जब मैं बाटी खाता हूं तो क्षेत्र के सारे हाथी आकर मुझे देखने लग जाते हैं। आज घर में कितनी ही जंग हो आटे को रेत में दबाए जाना सख्त मना है। घर में ऐसा कर दिया तो परम शांति काल में भी जंग मच जाता है। जब सैनिक जंग से लौटते तब तक सूरज की चिलचिलाती धूप से रेत में रखे आटे के गोले पककर तैयार मिलते थे। आजकल ऐसा नहीं होता है। पति-पत्नी दोनों नौकरी शुदा होते हैं। तब ऐसी बाटी खाने के लिए उनको बाजार का रास्ता देखना पड़ता है या फिर किसी ओवन में बाटी पकाने का जतन करना पड़ता है। इसके बाद वे सैनिक इन पकी हुई बाटियों को खोदकर निकालते थे और घी मलकर खाते थे। इधर घी मलने के लिए मात्र दलाल और चमचे ही उपलब्ध हैं।

इधर बाटी खाने के कुछ रूल्स रेगुलेशन है। एक आचार संहिता, नियम, कायदा है। जैसे भ्रष्टाचार भक्षण के रूल्स रेगुलेशन बने हुए हैं। बाटी-खोरों को एक बड़ा सा कटोरा दिया जाता है। साथ ही उसे भाटे की एक लोडी दी जाती है। इससे बाटी को फोड़ा-कुचला जाता है। उसका कचूमर किया जाता है जैसे मंत्री जी जनता को कुचलते हैं। जब बाटी को इत्मीनान से कुचल दिया जाता है, तो फिर इसमें घी डालने का क्रियाकर्म किया जाता है।

शास्त्रों में कहा गया की बाटी खाते समय ऐसे ढीले-ढाले कपड़े पहनें, जैसे कोई आदमी हॉस्पिटल में गहरी बीमारी लेकर भरती होता है। बाटी खाते समय टाइट जींस अगर किसी जातक ने पहन ली, तो उस जींस का फटना तय है। उसके बाद में जो भी रील बनेगी, वो जाने कितने सोशल मीडिया पर वायरल होगी। टाइट जींस तो सर्वथा वर्जित रहेगी। बाटी-खोर को जमीन पर ही बैठना चाहिए। आलथी-पालथी मार कर बैठते हुए दाएं-बाएं दो व्यक्तियों को बिठा लें, जो आपको लुढ़कने से बचा सकते हैं। इधर हमारे यहां एक बाटी-खोर दिखाई दिया। वह बाटियों को इतनी बेदर्दी से खाता कि अच्छे-अच्छे गधे भी उसके सामने गश खाकर पड़ जाते। बाटी लेता। दाल में मिला नींबू निचोड़ता।

चटनी व मिर्ची टपोरे मिक्स कर सबको इस तरह से गठबंधित कर लेता जैसे सारी विरोधी पार्टियां मिल गई हो। फिर सबड़के ले लेकर खाता। बाटी सबड़का उसके हाथों से रेला बनकर एक नाले का रूप धरते हुए कोनी से धरती माता में मिल जाता। पसीना इतना होता है कि रोम-रोम से फव्वारे फूट पड़ते। पसीना उसके मुंह प्रदेश की यात्रा करते हुए वाया हाथों जमीन में मिल जाता। एक बाटी-खोर तो बाटी खाने के स्थल पर अपनी खाट ले जाता। वह उसे वहीं बिछा लेता। बाटी खाते ही तुरंत चार आदमी उस बाटी-खोर को खाट पे लिटा कर, घर ले आते। फिर खाट के पास कूलर लगा, टांगें पसार कर समस्त प्रकार के घोड़े बेचकर सो जाता। सरकारी बाटी को नेता लोग ऐसे ही खाते हैं।

स्वयंभू हैं भोपाल के माता मंदिर में विराजीं मां शीतला

नए शहर के टीटी नगर क्षेत्र का माता मंदिर पूरे शहर में प्रसिद्ध है। मान्यता है प्राचीन माता मंदिर में शीतला मां की मूर्ति प्रकट हुई थी। विराजित माता कि मूर्ती स्वयंभू है। मूर्ति का निर्माण कराने के बाद इसकी स्थापना नहीं की गई। मंदिर में मां शीतला पिंडी के रूप में विराजमान हैं। नवरात्र पर मां शीतला के दर्शन करने आसपास के जिलों से भी सैकड़ों श्रद्धालु आ रहे हैं। मंदिर के नाम से चौराहे का नाम माता मंदिर पड़ा है। माता मंदिर चौराहा नए शहर के प्रमुख चौराहों में गिना जाता है।

माता मंदिर में नवाबी दौर से पहले यहां खजूर के पेड़ से मां शीतला माता स्वयं प्रकट हुईं थीं। फिर मढ़िया बना कर पूजा-अर्चना शुरू हो गई। अब मंदिर लोगों की आस्था का केंद्र बन चुका है। ऐसी मान्यता है कि माता के त्रिशूल पर चुन्नी बांधने से हर मनोकामना पूरी होती है। वर्तमान में मंदिर प्रांगण में मां काली, शिवजी, श्रीराम दरबार, हनुमानजी सहित अन्य देवी-देवता विराजित हैं।

रंग-बिरंगी रोशनी से जगमग है मंदिर

माता मंदिर के चारों तरफ विद्युत साज-सज्जा की गई है। नवरात्र में हर साल माता मंदिर की रंग-बिरंग साज-सज्जा की जाती है। कोरोना संक्रमण के कारण बीते दो सालों से श्रद्धालु नहीं आ रहे थे। सार्वजनिक पूजा-अर्चना पर रोक लगी हुई थी। इस नवरात्र पर सैकड़ों श्रद्धालु मातारानी के दरबार में आ रहे हैं।

मंदिर के आसपास हुआ करता था जंगल

मंदिर में मां शीतला की पूजा-अर्चना चतुर्वेदी परिवार की पांचवी पीढ़ी कर रही है। बताया जाता है कि माता जब प्रकट हुई थीं। उस समय आसपास जंगल हुआ करता था। नीलबड़, रातीबड़, कोटरा गांव, कोलार के गांवों से लोग माता की पूजा-अर्चना करने आते थे। अब आसपास घनी आबादी हो गई है। अब यह मंदिर नए शहर के बीचों-बीच आ गया है।

वाहनों की पूजा करने आते हैं लोग

माता मंदिर में आसपास के लोग नए दोपहिया व चार पहिया वाहनों की पूजा करने आते हैं। शारदीय नवरात्र में मातारानी के दरबार में बड़ी संख्या में लोग वाहनों की पूजा कराने आ रहे हैं। मातारानी को चुनरी अर्पित करते हैं। माता को चढ़ाई हुई चुनरी गाड़ियों में बांधते हैं। बताया जाता है कि माताजी के दरबार में जो श्रद्धालु वाहनों की पूजा कराने आते हैं, माता जी की कृपा सदा बनी रहती है।

आस्था का केंद्र बना है पीपल के जड़ में स्थित नल्ला पोचम्मा माता मंदिर

सिकंदराबाद के तिरुमलागिरी इलाके में नल्ला पोचम्मा मंदिर स्थित है। इस मंदिर में रोजाना काफी संख्या में श्रद्धालु आते है। रविवार को यहां श्रद्धालुओं की संख्या बढ़जाती है। एक विशाल पीपल के वृक्ष के जड़ के अंदर नल्ला पोचम्मा माता स्थित है। विशाल पीपल के वृक्ष के आधे भाग में इमली का भी पेड़ है। पीपल का पेड़ की आयु अधिक बताई जाती है। पेड़ के अंदर बने छोटे से मंदिर में माता की आकर्षक प्रतिमा स्थित है। चर्चाओं पर यकीन करें तो यहां मन्नत मांगने वाले लोगों की मुरादे पूरी होती है। मन्नत पूरी होने पर लोग माता की पूजा धूमधाम से करते हैं। आसपास के लोग बताते हैं शहर से सटा यह इलाका पहले जंगलों से गिरा था। समय के साथ-साथ आसपास सभी रिहायशी इलाका हो गया। हालांकि अभी मंदिर प्रबंधन व्यवस्थाओं को संभाल रहा है। मंदिर का परिसर काफी बड़ा है। और पूरे परिसर में पीपल जड़े फैली हुई है। कई श्रद्धालु बताते हैं कि वे करीब चार दशक से यहां आ रहे है। उनका कहना था यहां पहले एक तालाब था। अब तालाब तो नहीं रह गया। मंदिर में तेलंगाना के कई जिलों के लोग पूजा पाठ के लिए आते हैं। सबसे महत्वपूर्ण की पीपल के पेड़ के जड़ में स्थापित माता का मंदिर लोगों की आस्था का केंद्र है। पूजा, हवन, आरती के बाद भी पीपल के वृक्ष को कोई हानि नहीं पहुंची है।

-अजय कुमार शुक्ल

जयंती माता मंदिर

जयंती मां जहां जीत की प्रतीक हैं, तो वहीं पाप नाशिनी भी हैं। शक्तिपीठ माता बज्रेश्वरी देवी मंदिर से करीब छः किलोमीटर दूर पहाड़ी पर स्थित जयंती माता का मंदिर भक्तों के लिए महत्त्वपूर्ण आस्था स्थल है।

जयंती माता मंदिर कांगड़ा किला के बिलकुल सामने 500 फुट की ऊंची पहाड़ी पर स्थित जयंती मां दुर्गा की छठी भुजा का एक रूप है। द्वापर युग में यह मंदिर यहां पर निर्मित हुआ था। जयंती मां जहां जीत की प्रतीक हैं, तो वहीं पाप नाशिनी भी हैं। शक्तिपीठ माता बज्रेश्वरी देवी मंदिर से करीब छः किलोमीटर दूर पहाड़ी पर स्थित जयंती माता का मंदिर भक्तों के लिए महत्त्वपूर्ण आस्था स्थल है।

कांगड़ा के आसपास के क्षेत्रों के साथ अन्य प्रदेशों के लोगों में भी जयंती माता के प्रति काफी आस्था है। बताया जाता है कि मंदिर के इतिहास से कांगड़ा का भी इतिहास जुड़ा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार यहां पर पांडवों का भी वास कुछ समय तक रहा है। पंचभीष्म मेलों के दौरान इस क्षेत्र का नजारा ही कुछ और होता है। मंदिर में पांच दिनों तक चलने वाले इन मेलों में कांगड़ा ही नहीं, बल्कि दूरदराज के क्षेत्रों से भी लाखों की संख्या में लोग यहां पर मां के दर्शनों के लिए उमड़ते हैं। बीते वक्त के साथ-साथ यहां पर बेहतर रास्ते का निर्माण भी करवाया गया है और अन्य सुविधाएं भी लोगों को उपलब्ध करवाई जाती हैं।

कार्तिक मास की एकादशी में पंचभीष्म का पर्व विशेषकर महिलाओं के लिए खास है। महिलाएं पांच दिन तक व्रत रखती हैं और मात्र फलाहार पर ही निर्भर रहती हैं। तुलसी को गमले में लगाकर उसे घर के भीतर रखा जाता है और चारों ओर केले के पत्र लगाकर दीपक जलाया जाता है। उसके बाद पांचवें दिन पूजे हुए दीपक को बुझा दिया जाता है। इसी दीपक को पंचभीष्म के दिन सात साल तक जलाया जाता है। जयंती माता को पंच भीष्म के साथ-साथ मनोकामना पूर्ण करने वाली माता के नाम भी जाना जाता है। एक अन्य कथा के अनुसार जब इंद्र को राक्षस ने युद्ध में घेर लिया था तो तब मां जयंती ने मां चामुंडा का रूप धारण करके इंद्र की सहायता भी की थी। यह विख्यात है कि कोई पापी भी यहां पर जाता है, तो मां के दरबार की यात्रा करके उसके पाप नष्ट होते हैं।

जालोर की पहाड़ियों में स्थित है 900 साल पुराना मां सुंधा माता का मंदिर

सुंधा माता मंदिर राजस्थान के जालोर जिले में स्थित सुंधा नाम की एक पहाड़ी पर स्थित चामुंडा देवी को समर्पित एक 900 साल पुराना मंदिर है। मंदिर एकमात्र राजस्थान के हिल स्टेशन माउंट आबू से 64 किमी और भीनमाल नगर से 20 किमी दूर है। अरावली की पहाड़ियों में 1220 मीटर की ऊंचाई पर स्थित चामुंडा देवी का यह मंदिर भक्तों के लिए एक पवित्र और धार्मिक स्थल है। गुजरात व राजस्थान के बहुत से पर्यटक इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर के पास का वातावरण बेहद ताजा व आकर्षक है। साल भर झरनें बहते रहते है। जैसलमेर के पीले बलुआ पत्थर से निर्मित यह मंदिर हर किसी को अपनी खूबसूरती से आकर्षित करता है। यहाँ केवल माता के सिर की पूजा की जाती है। माता के सामने भूरेश्वर महादेव स्थित है। इस प्रकार सुंधा पर्वत पर शिव और शक्ति दोनों प्रतिष्ठित है।

सुंधा माता मंदिर का इतिहास –

माता के मंदिर में संगमरमर स्तंभों पर की गई कारीगरी आबू के दिलवाड़ा जैन मंदिरों के स्तंभों की याद दिलाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार अपने ससुर राजा दक्ष से यहाँ यज्ञ के विध्वंस के बाद शिव ने यज्ञ वेदी में जले हुए अपनी पत्नी सती के शव को कंधे पर उठाकर तांडव नृत्य किया तब भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से सती के टुकड़े टुकड़े कर छिन्न भिन्न कर दिया। उनके शरीर के अंग भिन्न-भिन्न स्थानों पर जहां जहां गिरे, वहाँ शक्ति पीठ स्थापित हो गए। यह माना जाता है कि सुंधा पर्वत पर सती का सिर गिरा जिससे वे 'अघटेश्वरी' के नाम से विख्यात है। त्रिपुर राक्षस का वध करने के लिए आदि देव की तपोभूमि यहीं मानी जाती है। इसके अलावा चामुंडा माता की मूर्ति के पास एक शिवलिंग स्थापित है और वैदिक कर्मकांड को मानने वाले श्रीमाली ब्राह्मण समाज के उपमन्यु गौत्र के यह कुलदेवता हैं तथा यहीं नागिनी माता भी स्थित है, जो इनकी कुलदेवी हैं। इतना ही नहीं वर्ष 1576 में हल्दीघाटी के युद्ध के बाद मेवाड़ शासक इतिहास पुरूष महाराणा प्रताप ने अपने कष्ट के दिनों में सुंधा माता की शरण ली थी। आपको बता दें कि इस मंदिर के अंदर तीन ऐतिहासिक शिलालेख हैं जो इस जगह के इतिहास के बारे में बताते हैं। यहां का पहला शिलालेख 1262 ईस्वी का है जो चौहानों की जीत और परमार के पतन का वर्णन करता है। दूसरा शिलालेख 1326 और तीसरा 1727 का है।

कालिका माता मंदिर पावागढ़

कालिका माता मंदिर चंपानेर-पावागढ़ पुरातात्विक पार्क से कुछ ही दूरी पर पावागढ़ पहाड़ी के शिखर पर स्थित माँ काली का प्रसिद्ध मंदिर है। यह मंदिर इस क्षेत्र का सबसे पुराना मंदिर है, जिसे 10 वीं -11 वीं शताब्दी के आसपास का माना जाता है। देवी काली को समर्पित कालिका माता मंदिर चंपानेर-पावागढ़ यूनेस्को विश्व विरासत स्थल का एक हिस्सा और भारत में स्थापित 51 शक्तिपीठों में से एक है। समुद्र तल से 762 मीटर ऊपर स्थित इस मंदिर से आसपास के सुन्दर दृश्यों को भी देखा जा सकता है जो इसके आकर्षण में चार चाँद लगाने का कार्य करते है। चुकी यह मंदिर पावागढ़ पहाड़ी के शिखर पर स्थित है इसीलिए यहां केबल कार या पैदल यात्रा द्वारा पहुंचा जा सकता है। इस मंदिर से जुड़ी एक और दिलचस्प बात यह भी है की मंदिर परिसर में एक मुस्लिम धर्मस्थल मौजूद भी है जिस वजह से यहाँ हिन्दू श्रद्धालुओं के साथ साथ मुस्लिम श्रद्धालुओं को भी देखा जा सकता है। कालिका माता मंदिर गुजरात के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक है यदि हम इस मंदिर के इतिहास पर नजर डालें तो यह मंदिर हमको लगभग 10 वीं -11 शताब्दी में ले जाता है। कालिका माता मंदिर के निर्माण का समय अभी असपष्ट है लेकिन मंदिर प्रबंधन और आर. के. त्रिवेदी के अनुसार माना जाता है की कालिका माता की पूजा शुरुआत में स्थानीय लेवा पाटीदार और राजा सरदार सदाशिव द्वारा की गई थी।

कालिका माता मंदिर की कहानी –

गुजरात के प्रमुख मंदिरों में से एक कालिका माता मंदिर बहुत ही प्रसिद्ध और प्राचीन मंदिर है जिसके कई बारे में कई दिलचस्प कहनियाँ और किंवदंतियाँ सुनने को मिलती है। लेकिन इस मंदिर से जुडी दो पौराणिक कथाएं और किंवदंतियाँ काफी चर्चा में हैं।

कालिका माता मंदिर की पहली कहानी

पहली कथा के अनुसार, भक्तो और स्थानीय लोगो का मानना है की एक बार नवरात्रि के त्योहार के दौरान, मंदिर में गरबा नामक एक पारंपरिक नृत्य का आयोजन किया था, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने एक साथ मिलकर नृत्य किया था। और इस नृत्य उत्सव में स्वयं माता काली ने भी एक महिला के रूप में हिस्सा लिया था। इस बीच, उस राज्य का राजा पात जयसिंह जो भक्तों के साथ नृत्य कर रहा था, वह देवी काली को देखकर उनकी सुंदरता पर मुग्ध हो जाता है। जिसके बाद वासना भरी दृष्टि से राजा ने उनका हाथ पकड़ कर अनुचित प्रस्ताव रखा जिस दौरान देवी ने उसे अपना हाथ छोड़ने और माफी मांगने के लिए तीन बार चेतावनी दी, लेकिन राजा कुछ भी समझने के लिए तैयार नही था।

इस प्रकार देवी ने शाप दिया कि उसका साम्राज्य जल्द ही तबाह हो जायेगा। जिसके कुछ समय पश्चात ही एक मुस्लिम आक्रमणकारी महमूद बेगड़ा ने राज्य पर आक्रमण किया जिसे पटई जयसिंह लड़ाई हार गया और महमूद बेगड़ा द्वारा मार डाला गया।

कालिका माता मंदिर से जुड़ी दूसरी कहानी

पौराणिक कथायों के दूसरी कहानी उस समय की है है जब राजा दक्ष ने एक महान यज्ञ का आयोजन किया, जिसमे उन्होंने सभी देवताओं और ऋषियों को आमंत्रित किया, लेकिन जानबूझकर अपने दामाद शिव को अपमानित करने के लिए उनको आमंत्रित नही किया। अपने पिता के फैसले से आहत होकर, सती ने अपने पिता से मिलने का फैसला किया और उन्हें आमंत्रित न करने का कारण पूछा। लेकिन उसके विपरीत दक्ष ने शिव का अपमान किया। अपने पति के खिलाफ कुछ भी सहन करने में असमर्थ, देवी सती खुद यज्ञ की आग में कूद गयी और अपने प्राण दे दिए। जब शिव जी को अपनी पत्नी के निधन की सूचना दी, तो वह क्रोधित हो गए और उन्होंने वीरभद्र को पैदा किया। वीरभद्र ने दक्ष के महल में कहर ढाया और उनकी हत्या कर दी।

इस बीच अपनी प्रिय आत्मा की मृत्यु का शोक मनाते हुए, शिव ने सती के शरीर को कोमलता से पकड़ लिया और विनाश (तांडव) का नृत्य शुरू कर दिया। ब्रह्मांड को बचाने और शिव की पवित्रता को वापस लाने के लिए, भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र का उपयोग करके सती के निर्जीव शरीर को 51 टुकड़ों में काट दिया। जिससे माता सती के पैर की अंगुली इस स्थान पर गिरी थी जिसके बाद यहाँ देवी शक्ति को समर्पित शक्तिपीठ की स्थापना की गयी थी।

कपिल शर्मा ने ऐसा क्या पूछ लिया जो सानिया मिर्जा भड़कते हुए बोलीं- पागल है क्या?

कपिल शर्मा का लाफ्टर की डबल डोज देने वाला शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर खूब धमाल मचा रहा है. इस शो में अब तक बॉलीवुड से लेकर स्पोर्ट्स तक के तमाम बड़े सितारे शिरकत कर चुके हैं. वहीं अपकमिंग एपिसोड में पूर्व टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा महफिल जमाती नजर आएंगीं. हाल ही में नेटफ्लिक्स ने अपकमिंग एपिसोड का प्रोमो भी जारी किया है. जिसमें कपिल के शो में सानिया मिर्जा, सानिया नेहवाल, मैरीकोम और सिफ्त कौर समरा एक मंच पर नजर आ रही हैं. इस दौरान हंसी-मजाक भरे माहौल में कपिल शर्मा ने सानिया मिर्जा से ऐसा कुछ पूछ लिया कि पूर्व टेनिस खिलाड़ी कॉमेडियन पर भड़क उठीं.

कपिल के सवाल पर बोलीं सानिया 'पागल है क्या'?

बता दें कि सानिया मिर्जा, मैरी कॉम, साइना नेहवाल और सिफ्त कौर समरा द ग्रेट इंडियन कपिल शो के अपकमिंग एपिसोड में नजर आने वाली हैं, एपिसोड के प्रोमो में इन स्पोर्ट्स की धुरंधरों द्वारा शो के कलाकारों के साथ बिताए गए मजेदार पलों की झलक देख सकते हैं. शो के एक सेगमेंट में, कपिल शर्मा सानिया मिर्जा से उनके करियर में जीते गए गोल्ड मेडल्स के बारे में बात करते नजर आते हैं और पूछते हैं, "सोना तो आपने इतना जीता सानिया, जब आप बाहर जाती तो ज्वैलरी की तो शॉपिंग नहीं करती होंगी आप?" कपिल शर्मा के इस सवाल के बाद जहां दर्शक हंसते हुए नजर आतें हैं तो वहीं दूसरी ओर सानिया भड़कते हुए तपाक से कॉमेडियन को ही रोस्ट करती दिखती हैं और जवाब देती हैं, "नहीं, सिर्फ गोल्ड मेडल हम पहनकर जाते हैंपागल है?"

कपिल की पिछले जन्म में जेठानी थीं सानिया?

कपिल सानिया के जवाब से हैरान रह जाते हैं और कहते हुए नजर आते हैं, ₹तुम पिछले जन्म में मेरी जेठानी थी क्या?₹ बाद में, कपिल और सानिया सास-बहू का रोल निभाते नजर आते हैं. बहू बनी सानिया सास बने कपिल के लिए चाय लेकर आते हैं. जिसे पीकर कपिल कहते हैं ये चाय है क्या जहर..इस पर सानिया जवाब देती हैं मैंने तो चाय ही बनाई थी आपके मुंह को लगकर जहर हो गई होगी. ये सुनकर हर कोई ठहाके लगाने लगता है.

कपिल ने साइना-मैरी कोम संग भी की खूब मस्ती

शो के प्रोमो में कपिल साइना नेहवाल, मैरी कॉम और सिफ्त कौर संग भी खूब हंसी-मजाक करते हुए नजर आते हैं. प्रोमों के बाद से फैंस इस एपिसोड का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. बता दें कि द ग्रेट इंडियन कपिल शो हर शनिवार रात 10 बजे नेटफ्लिक्स पर टेलीकास्ट होता है.

सानिया मिर्जा ने शोएब मलिक संग अलग होने की अनाउंसमेंट की थी।

नेहा कक्कड़ ने 4 साल की उम्र में शुरू कर दी थी सिंगिंग रात-रात भर गाए जागरण, आज हैं अरबों की मालकिन

पिछले कई सालों से हिंदी सिनेमा में एक फीमेल सिंगर ने अपना सिक्का जमाया हुआ है. उनका नाम नेहा कक्कड़ है जिन्होंने बचपन से काफी संघर्ष किया और आज टॉप की सिंगर हैं. इस समय हिंदी सिनेमा की पॉपुलर सिंगर्स में नेहा कक्कड़ का नाम भी शामिल हैं. नेहा हाईपेड सिंगर्स में से एक हैं जिन्हें लगभग हर कोई पसंद करता है.

नेहा कक्कड़ ने कई बार 'इंडियन आइडल' में जज के तौर पर काम किया और अभी भी वो जज बनकर उसी शो में आती हैं. नेहा फिल्मों में गाने भी गा रही हैं और एक लग्जरी लाइफस्टाइल जी रही हैं. नेहा कक्कड़ जब 4 साल की हुईं तो अपने पिता, बड़े भाई टोनी कक्कड़ और बड़ी बहन सोनू कक्कड़ के साथ जागरण में जाना शुरू किया. उस दौरान नेहा जय माता दी बोला करती थीं इसके बाद धीरे-धीरे नेहा ने सिंगिग में ही कदम बढ़ाए.

बाद में नेहा कक्कड़ ने अपनी पूरी फैमिली के साथ दिल्ली मूव कर लिया क्योंकि वो सिंगिंग में करियर बनाना चाहती थीं. नेहा ने अपने भाई और बहन के साथ धार्मिक जगहों पर गाना शुरू

नेहा कक्कड़ के पास इस समय 105 से 108 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी है

किया जिसमें जागरण भी शामिल था. साल 2005 में 18 साल की उम्र में नेहा इंडियन आइडिल सीजन 2 में ऑडिशन के लिए मुंबई गईं. कुछ एपिसोड्स के बाद नेहा उस शो से एलिमिनेट हो गईं. साल 2008 तक संघर्ष के बाद नेहा को पहला मौका मीट ब्रोज ने दिया था.

नेहा कक्कड़ ने कोरस के बीच भी गाया है. इसके अलावा नेहा ने टीवी के भी कई डेली सोप्स के लिए गाने गाए हैं. साल 2010 में नेहा ने फिल्म इसी लाइफ में से बॉलीवुड डेब्यू किया था. हालांकि, नेहा कक्कड़ को लोकप्रियता फिल्म 'यारियां' के गाने 'आज ब्लू है पानी-पानी' से मिली.

नेहा कक्कड़ ने अब तक हिंदी, तमिल और कन्नड़ भाषाओं में गाना गाया है. आज के समय में नेहा इंडस्ट्री की पॉपुलर सिंगर हैं जो एक गाने के 10 लाख रुपये चार्ज करती हैं. वहीं शादियों में, इवेंट्स में और रियलिटी शोज में जाने का भी नेहा लाखों रुपये चार्ज करती हैं.

साल 2020 में नेहा ने पंजाबी सिंगर और एक्टर रोहनप्रीत सिंह के साथ शादी की. नेहा एक हैप्पी मैरिड लाइफ जी रही हैं और इंस्टाग्राम पर आप देख सकते हैं कि वो अपने हसबैंड के साथ कितनी खुश रहती हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नेहा कक्कड़ के पास इस समय 105 से 108 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी है. नेहा के मुंबई में दो से तीन लग्जरी फ्लैट्स हैं. नेहा का अपना ऋषिकेश में एक बंगला है.

मलाइका संग ब्रेकअप के रूमर्स के बीच अर्जुन कपूर ने हाथ में आईवी ड्रिप लगी तस्वीर की शेयर, फैंस की बढ़ी टेंशन

बॉलीवुड एक्ट अर्जुन कपूर इन दिनों रोहित शेट्टी निर्देशित अपकमिंग फिल्म सिंघम अगेन में अपने विलेन के किरदार को लेकर सुर्खियों में हैं. हाल ही में अर्जुन ने ऑस्ट्रिया के एक मेडिकल हेल्थ रिसॉर्ट में कुछ दिन बिताए थे. वहीं एक्टर ने अब अपने इंस्टाग्राम पर अपनी इस ट्रिप की तस्वीरें शेयर की हैं. इन फोटोज की सीरीज में से ज्यादातर में अर्जुन आराम करते और व्यूज को एंजॉय करते हुए दिख रहे हैं. हालांकि एक तस्वीर ने फैंस की टेंशन बढ़ा दी है.

अर्जुन कपूर ने हाथ में आईवी ड्रिप लगी तस्वीर की शेयर

दरअसल अर्जुन कपूर द्वारा शेयर की गई तस्वीरों की सीरीज में से एक में एक्टर के हाथ में आईवी ड्रिप लगी हुई नजर आ रही हैं. इस दौरान अर्जुन कपूर बिस्तर पर लेटे हुए मुस्कुराते भी दिख रहे हैं. इस तस्वीर की वजह से एक्टर की हेल्थ को लेकर फैंस की टेंशन बढ़ गई है. वहीं फोटोज शेयर करते हुए अर्जुन ने लिखा, पिछली बार....

वहीं इंडिया टूडे की रिपोर्ट के मुताबिक अर्जुन को आईवी ड्रिप तो लगी हुई थी, लेकिन वे बीमार नहीं हैं. यह एक विटामिन थेरेपी थी. ये विटामिन की हाई कंसनट्रेशन और मिनरलस को डायरेक्टली ब्लडस्ट्रीम में देने का प्रोसेस है.

अर्जुन की हेल्थ को लेकर फैंस की बढ़ी टेंशन

वहीं फैंस कमेंट सेक्शन में अर्जुन से पूछ रहे हैं कि उन्हें क्या हुआ है, जबकि कई लोगों ने दुआ की कि वह जल्द ही ठीक हो जाएं. एक फैन ने लिखा। "जल्दी ठीक हो जाओ." एक और ने लिखा, सर अपनी हेल्थ का ध्यान रखिए."

मलाइका से ब्रेकअप की खबरों के बाद शेयर की पोस्ट

बता दें कि अर्जुन का ये पोस्ट मलायका अरोड़ा के साथ उनके ब्रेकअप की खबरें ऑनलाइन सामने आने के बाद आया है. हालांकि मलाइका ने अर्जुन संग ब्रेकअप को खारिज भी कर दिया और इसे 'झूठा' बताया था. इन सबके बीच अर्जुन कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे अजय देवगन-रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में नजर आएंगें. ये फिल्म इस साल अगस्त में रिलीज होगी.

'स्टार्स की डिमांड उनके नखरे नहीं, जरूरत होती है' फिल्म मेकर्स पर फूटा तनीषा मुखर्जी का गुस्सा

काजोल की बहन तनीषा मुखर्जी टिनसेलटाउन का मशहूर चेहरा हैं. तनीषा नील एन निक्की, टैंगो चार्ली, सरकार, सरकार राज जैसी फिल्मों में नजर आईं हैं. इसके अलावा वह बिग बॉस 7, खतरों के खिलाड़ी 7 और झलक दिखला जा 11 जैसे रियलिटी शोज से भी काफी मशहूर हुई हैं. तनिषा एक फिल्मी परिवार से आती हैं, लेकिन फिर भी उनका करियर उतना सफल नहीं रहा है, जितना कि परिवार में अन्य लोगों का रहा है. हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान तनिषा ने शूटिंग लोकेशन पर स्टार्स की डिमांड को नखरे कहे जाने पर बात रखी है.

'सेलेब्स के समय का सम्मान करें निर्माता'

हाल ही में इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू के दौरान तनिषा ने इस विषय पर खुलकर बात की, जिसमें कई फिल्म निर्माताओं ने अभिनेताओं को उनकी बेफिजूल की डिमांड और कॉस्ट ऑफ प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए दोषी ठहराया गया है. हालांकि तनिषा इस बात से भी सहमत थीं कि स्टार्स को फिल्म निर्माताओं से बहुत ज्यादा डिमांड नहीं करनी चाहिए, साथ ही निर्माताओं को भी यह दावा नहीं करना चाहिए कि सेलिब्रिटीज के नखरे होते हैं. उन्होंने कहा कि अगर कोई सेलिब्रिटी किसी प्रोजेक्ट में अपना समय दे रहा है तो मेकर्स को उनके समय का सम्मान करना चाहिए.

'स्टार्स की बुनियादी जरूरतें होती हैं, नखरे नहीं'

तनिषा ने अक्षय कुमार जैसे अभिनेताओं का उदाहरण लिया, जिन्होंने सेट पर काफी समय बिताया था. उन्होंने सवाल किया कि अगर अभिनेता सेट पर इतना समय बिताने को तैयार है, तो फिल्म निर्माताओं को इस बात पर ध्यान देना चाहिए.

इसके अलावा, तनिषा ने कहा कि अगर कोई अभिनेता फिल्म की शूटिंग के लिए 18 घंटे तक काम करता है, तो यह बिल्कुल क्लियर है कि उसकी कुछ बेसिक जरूरतें पूरी करनी होंगी, जैसे कि जिम और शेफ का अरेंजमेंट करना. क्योंकि अगर उनके पास आपकी शूटिंग के बाद ज्यादा समय नहीं है, तो वो अपना खाना और वर्कआउट कैसे मैनेज करेंगे? अब इसे कई निर्माता गलत तरीके से नखरे बताते हैं.

'जितना बड़ा स्टार उतने बड़े नखरे'

तनीषा मुखर्जी ने आगे कहा, 'हर स्टार के अपने नखरे होते हैं तो उन्हें स्टार नहीं माना जाएगा. जितना बड़ा नखरा, उतना बड़ा स्टार, कुछ लोग ऐसा मानते हैं. अगर आप एक इंडिपेंडेंट प्रोड्यूसर हैं और आपके पास कम बजट है, तो आपको उस स्टार से बात करनी चाहिए, मुझे यकीन है कि वे कम बजट में भी काम कर लेंगे. लेकिन अगर आप एक कॉर्पोरेट हैं, तो निश्चित रूप से स्टार्स भी आपसे चीजों की मांग करेंगे क्योंकि आपके पास पैसा है'.

'हमारे बारह' की रिलीज पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने लगाई रोक

अन्नू कपूर की अपकमिंग फिल्म 'हमारे बारह' की रिलीज पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने 14 जून तक रोक लगा दी है। फिल्म 7 जून को थिएटर्स में रिलीज होने वाली थी। हाल ही पुणे के रहने वाले एक शख्स ने फिल्म के खिलाफ याचिका दायर की थी, जिसके बाद बॉम्बे हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की बात सुनकर यह फैसला किया है। अब इस केस की सुनवाई 10 जून के होगी। कोर्ट में याचिकाकर्ता अजहर तंबोली ने कहा कि यह फिल्म मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली है और इसमें कुरान को भी गलत ढंग से दिखाया गया है। फिल्म के कुछ डायलॉग्स भी आपत्तिजनक हैं। अजहर ने कोर्ट में फिल्म को U/A सर्टिफिकेट दिए जाने पर भी सवाल उठाया है।

मीडिया से बात करते हुए वकील अद्वैत सेठना ने बताया कि अब सेंसर बोर्ड से फिल्म 'हमारे बारह' में कुछ कट्स लगाने के लिए कहा गया है। कुछ सीन्स या डायलॉग हटाए जाने के बाद ही यह फिल्म रिलीज हो सकती है।

अन्नू कपूर ने की थी सुरक्षा की मांग

फिल्म 'हमारे बारह' ट्रेलर और टीजर रिलीज होने के बाद से ही विवादों में घिरी है। फिल्म के कलाकारों को जान से मारने और रेप की धमकियां भी मिल रही हैं। इसी बीच एक वीडियो जारी कर अन्नू कपूर ने महाराष्ट्र पुलिस और गृह मंत्रालय से सुरक्षा मांगी थी। इसी सिलसिले में सोमवार को उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से भी मुलाकात की।

नारी सशक्तिकरण की बात करती है फिल्मः अन्नू

इस वीडियो में अन्नू ने फिल्म पर सफाई भी दी थी। उन्होंने कहा था कि पहले लोग इस फिल्म को देखें फिर इसे जज करें। अन्नू के मुताबिक यह फिल्म नारी सशक्तिकरण और बढ़ती जनसंख्या की बात करती है। यह किसी धर्म समुदाय को टारगेट नहीं करती है।

सारा और कियारा नहीं, विद्या बालन है कार्तिक की पसंदीदा सह-कलाकार

कार्तिक आर्यन से हाल ही में एक बातचीत के दौरान उनकी पसंदीदा सह-कलाकार के बारे में पूछा गया। सवाल पूछते हुए अभिनेता को दो विकल्प दिए गए। उनके सामने सारा अली खान और कियारा आडवाणी का नाम लिया गया और पूछा गया कि इनमें से कौन उनकी फेवरेट को-स्टार हैं? कार्तिक आर्यन इसका जवाब देते हुए उलझ गए।

इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'चंदू चैंपियन' के प्रचार में कार्तिक आर्यन कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। यह उनके अब तक के करियर की सबसे चैलेंजिंग फिल्म है, जिसके लिए उन्होंने जी-तोड़ मेहनत की है। कार्तिक का बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन देख सब हैरान हैं। इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान कार्तिक फिल्म के अलावा अपनी जिंदगी और प्रोफेशन फ्रंट पर भी बात कर रहे हैं। एक्टर से हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान फेवरेट एक्ट्रेस के बारे में पूछा गया। इस दौरान सारा और कियारा के नाम दिए, लेकिन उन्होंने दोनों में से किसी का नाम नहीं चुना। इनके बजाय कार्तिक ने विद्या बालन को अपनी पसंदीदा सह-कलाकार बताया।

कार्तिक से जब सारा और कियारा में से किसी एक का नाम लेने को कहा गया तो उन्होंने हंसते हुए कहा, 'यार आप तो फंसा रहे हो। मैं इसमें कैसे जवाब दूं?' इसके बाद उन्होंने विद्या बालन का नाम लिया। मालूम हो कि विद्या बालन जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म 'भूल भुलैया 3' में नजर आएंगी। 'भूल भुलैया' फ्रेंचाइजी की तीसरी कड़ी के लिए कार्तिक एक बार फिर अनीस बज्मी के निर्देशन में काम कर रहे हैं।

'भूल भुलैया 3' में तृप्ति डिमरी भी लीड रोल में नजर आएंगी। पहली फिल्म में अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में नजर आए थे। उनके साथ विद्या बालन और अमीषा पटेल भी थीं। दूसरी कड़ी में कार्तिक आर्यन नजर आए। उनके साथ कियारा आडवाणी और तब्बू दिखीं। अब तीसरी कड़ी में लीड रोल कार्तिक कर रहे हैं। उनके साथ तृप्ति डिमरी हैं और एक बार फिर विद्या बालन की वापसी हो रही है।

बातचीत के दौरान कार्तिक से कई और मजेदार सवाल पूछे गए। उनसे उनके पसंदीदा निर्देशक के बारे में भी पूछा गया। उनसे पूछा गया कि कबीर खान और लव रंजन में से कौन उनका फेवरेट है? अभिनेता किसी एक का चुनाव नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि उनके लिए दोनों फिल्म निर्माताओं में से किसी एक को चुनना वाकई बेहद मुश्किल भरा है। बात करें कार्तिक की फिल्म 'चंदू चैंपियन' की तो ये फिल्म 14 जून को रिलीज होगी। इसमें कार्तिक भारत के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की भूमिका में हैं।

ट्रोल्स पर फूटा अवनीत का गुस्सा, बोलीं- किसी के लिए कुछ अच्छा नहीं बोल सकते तो बुरा भी मत कहो

अभिनेत्री अवनीत कौर बॉलीवुड में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। कुछ ही दिनों में उनकी फिल्म 'लव की अरेंज मैरिज' जी फाइव पर स्ट्रीम करने वाली है। इस फिल्म में सनी सिंह और अन्नू कपूर जैसे दिग्गज कलाकारों के संग काम करती नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वे हाल ही में संपन्न हुए कान फिल्म फेस्टिवल में भी शामिल हुईं। जिसके लिए उन्हें काफी ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा।

पिछले महीने संपन्न हुए कान फिल्म फेस्टिवल में कई स्टार्स की तरह अवनीत कौर भी पहली बार नजर आईं, लेकिन यह बात ट्रोल्स को हजम नहीं हुई। उन्होंने अवनीत कौर की जमकर ट्रोलिंग की और लिखा, 'ये वहां क्या करने गई है'। वहीं कुछ लोगों ने लिखा, 'इसका जाना क्यों बनता है'।

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अवनीत कौर ट्रोल्स को जवाब देते हुए बोलीं, 'सबसे बड़ी बात तो यह होनी चाहिए कि आपके देश का कोई कलाकार वहां पहुंचा है तो आप गर्व महसूस करिए, लेकिन गर्व के बजाय आप ट्रोल कर रहे हैं। आप लिख रहे हैं कि इसका क्या काम है वहां। ये क्यों गई है। आप कुछ अच्छा नहीं बोल सकते हैं तो कम से कम बुरा मत बोलिए'।

अवनीत कौर अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, 'ताहा शाह वहां गए थे और भी लोग थे और लोग उनके लिए खुश हो रहे थे। वैसे ही मैं भी अपनी फिल्म के लिए वहां गई थी, लेकिन पता नहीं सबको क्या परेशानी है। क्यों इतनी नकारत्मकता से भरे हुए हैं। कमेंट में कुछ अच्छा लिखने के बजाय सिर्फ बुरा लिखकर क्यों जाते हैं'।

अवनीत कौर कान फिल्म फेस्टिवल में नेवी ब्लू आउटफिट में नजर आई थीं। उनकी इस ड्रेस की काफी तारीफ भी हुई। अवनीत कहती हैं, 'नैंसी त्यागी से लेकर और भी दूसरे कई सितारे पहली बार कान गए थे। मैं उन सबके लिए खुश हूं। हम आगे बढ़ रहे हैं और हमारे साथ हमारा देश भी आगे बढ़ रहा है ये खूबसूरत बात है'।

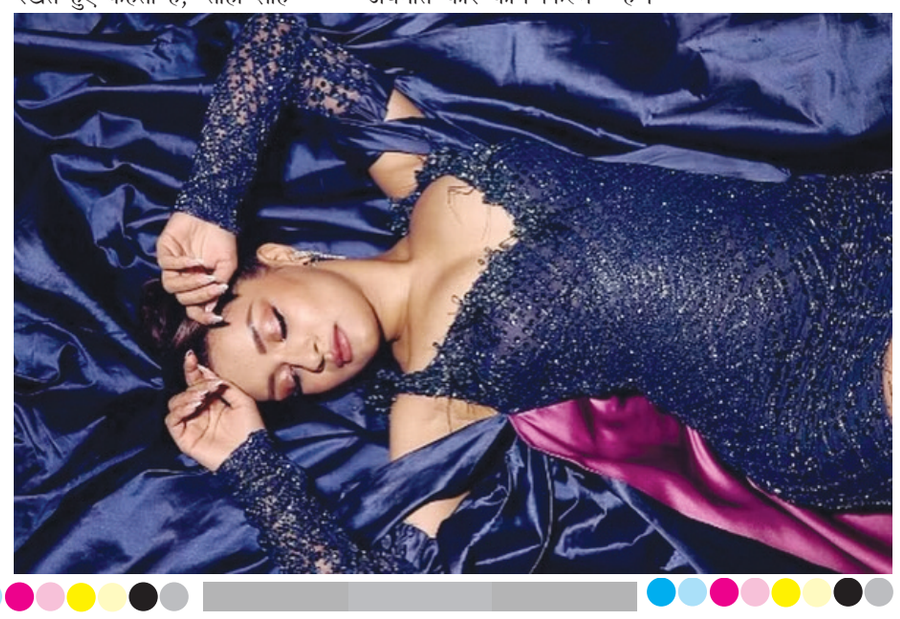

शाहरुख खान के साथ काम करने में डरते हैं अनुराग कश्यप, अब तक साथ फिल्म ना करने पर कही यह बात

फिल्ममेकर अनुराग कश्यप बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर हैं, जिन्होंने कई शानदार फिल्में बनाई हैं। अनुराग की फिल्मों में बी-टाउन के कई ए लिस्टेड एक्टर्स नजर आए हैं, लेकिन आज तक अनुराग ने शाहरुख खान के साथ काम नहीं किया है। हैरानी की बात यह है कि अनुराग कश्यप को शाहरुख खान के साथ काम करने में डर लगता है और इस बात का खुलासा खुद अनुराग कश्यप ने एक इंटरव्यू में किया है। इतना ही नहीं, अनुराग ने बताया कि वह सिर्फ शाहरुख खान के फैंस की वजह से ही आज तक उनके साथ काम नहीं कर पाए हैं। आइए आपको बताते हैं कि उन्होंने ऐसा क्यों कहा?

शाहरुख खान संग काम करने से डरते हैं अनुराग कश्यप

अनुराग कश्यप ने ह्यूमन्स ऑफ सिनेमा को एक इंटरव्यू दिया, जिसमें उनसे पूछा गया कि वह शाहरुख खान को इतना पसंद करते हैं, लेकिन आज तक उनके साथ कभी काम नहीं किया? इस पर निर्देशक ने कहा, 'मुझे शाहरुख खान की फिल्म चक दे इंडिया बहुत पसंद है और मैं उन्हें पसंद भी बहुत करता हूं। मैं उनके साथ जरूर काम करना चाहता हूं लेकिन मैं उनके फैंस से डरा हुआ हूं। मैं इस दौर में हर बड़े स्टार के फैंस से डरा हूं। फैंस स्टार्स को टाइमकास्ट कर देते हैं। अगर कोई भी एक्टर फैंस की पसंद से हटकर फिल्म करता है, तो उसे सीधा रिजेक्ट का टैग दिया जाता है। लोग अपने हीरो को एक ही जॉनर में देखना पसंद करते हैं। मैं उस तरह की फिल्म बनाना चाहता हूं, जो मुझे पसंद है। फैंस को नहीं। हालांकि, इसके नुकसान भी होते हैं। मैं शाहरुख खान के फैंस से पंगा नहीं लेना चाहता।

शाहरुख खान को बताया आयरन मैन

इस इंटरव्यू में अनुराग कश्यप ने आगे कहा कि बॉलीवुड को हीरो को हमारे देश में भगवान माना जाता है। जिस तरह हॉलीवुड में आयरन मैन और बाकी सुपरहीरोज है। उसी तरह हमारे यहां सलमान खान और शाहरुख खान हैं। शाहरुख खान के स्टारडम से पंगा लेना मेरे बसकी बात नहीं है। अगर उनकी फिल्म फैन चलती तो मैं यकीन से कह सकता था कि मैं भी उनके साथ काम कर सकता हूं।

कृति सेनन की बहन नुपूर सेनन को मिला बिग बॉस ओटीटी 3 का ऑफर

बिग बॉस ओटीटी को लेकर एक के बाद एक अपडेट्स आ रहे हैं। जैसे-जैसे शो को लेकर अपडेट्स आ रहे हैं, फैंस उत्साहित होते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर लगातार शो का बज बना हुआ है। घर में कौन-कौन से कंटेस्टेंट नजर आएंगे इसको लेकर भी कयास लगाए जा रहे हैं। अब इन नामों में बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन का नाम भी शामिल हो गया है।

टेलीचक्कर की रिपोर्ट के मुताबिक, बिग बॉस ओटीटी के मेकर्स ने बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन नुपुर सेनन को अप्रोच किया है। माना जा रहा है कि मेकर्स और नुपुर के बीच बातचीत का सिलसिला जारी है। हालांकि, अभी नुपुर शो में नजर आएंगी या नहीं इसकी को ई पुष्टि नहीं हुई है।

बता दें, नुपुर को बिग बॉस के पिछले सीजन्स में भी अप्रोच किया गया था, लेकिन तब शो के मेकर्स के साथ बात नहीं बन पाई थी। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या कृति सेनन की बहन इस बार घर में नजर आएंगी?

बिग बॉस ओटीटी सीजन 1 2021 में आया था। इस सीजन को होस्ट किया था डायरेक्टर करण जौहर ने। वहीं, सीजन को होस्ट किया था सलमान खान ने। अब तीसरे सीजन को होस्ट करेंगे अनिल कपूर।

शो में अनिल कपूर की होस्टिंग को देखने के लिए फैंस उत्साहित हैं। शो ने एक प्रोमो भी लॉन्च किया है जिसमें अनिल कपूर नजर आ रहे हैं। अगर पिछले सीजन्स के विनर्स की बात करें तो बिग बॉस ओटीटी सीजन 1 की विनर थीं दिव्या अग्रवाल। वहीं, सीजन 2 के विनर थे एल्विश यादव।

हार्दिक पांड्या संग तलाक के रूमर्स पर नताशा स्टेनकोविक ने लगाया फुलस्टॉप, तस्वीर शेयर कर लिखा 'पांड्या'

एक्ट्रेस नताशा स्टेनकोविक और हार्दिक पांड्या पिछले काफी समय से अपने तलाक के रूमर्स को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। दरअसल नताशा ने कुछ समय पहले अपने इंस्टाग्राम हैंडल से पति हार्दिक पांड्या संग शादी की सभी तस्वीरों को हटा दिया था और साथ ही अपने नाम के पीछे से पांड्या सरनेम भी हटा लिया था। जिसके बाद अटकलें लगाई जा रही थी कि नताशा और हार्दिक का जल्द ही तलाक होने वाला है। हालांकि अब नताशा ने हार्दिक संग इन तलाक के रूमर्स पर पूरी तरह से फुल स्टॉप लगा दिया है।

दरअसल नताशा स्टेनकोविक ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से एक पोस्ट शेयर किया है, जिसे देखकर फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने पालतू डॉगी की एक फोटो शेयर की है। डॉगी ने बेबी पिंक कलर के पांडा वाले कपड़े पहने है। अपने पालतू डॉगी की इस क्यूट तस्वीर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ₹बेबी रोवर पांड्या₹ नताशा स्टेनकोविक ने अपने इस पोस्ट से इशारा दे दिया है कि उनके और हार्दिक पांड्या के बीच में सबकुछ ठीक है।

नताशा स्टेनकोविक के इस पोस्ट के सामने आने के बाद फैंस काफी खुश हैं। एक्ट्रेस के इस पोस्ट पर लोग जमकर रिएक्ट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बता दें कि नताशा और हार्दिक के रिलेशनशिप की शुरुआत साल 2018 में हुई थी। दोनों एक नाइट क्लब में मिले थे। जहां हार्दिक पहली नजर में ही नताशा को अपना दिल दे बैठे थे। इस तरह दोनों के रिश्ते की शुरुआत हुई थी। इसके बाद साल 2020 में नताशा स्टेनकोविक और हार्दिक पांड्या ने जोधपुर में बड़े ही धूमधाम से शादी रचाई थी। दोनों ने हिंदू के साथ-साथ क्रिश्चियन रीति-रिवाजों के साथ शादी रचाई थी। 31 मई 2020 में हार्दिक पांड्या और नताशा स्टेनकोविक ने शादी की थी और जुलाई में दोनों ने बेटे अगस्त्या का स्वागत किया। हालांकि अब शादी के 5 साल बाद नताशा स्टेनकोविक और हार्दिक पांड्या के तलाक के रूमर्स ने सोशल मीडिया पर हंगामा खड़ा कर दिया था लेकिन आखिरकार यह खबरें केवल अफवाह निकली। सच सामने आने के बाद अब फैंस ने राहत की सांस ली है।

बाहर भी उसी तरह से सफाई रखें, जैसा आप घर में रखते हैं : पूजा हेगड़े

हर साल विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने के लिए अपनाए गए छोटे-छोटे बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि वह जब भी ट्रैवल करती हैं, तो वह अपनी कार में एक ऐसा बैग जरूर रखती हैं, जिसमें वह कचरा फेंक सकें।

पूजा ने हाल ही में मुंबई के जुहू बीच पर समुद्र तट सफाई अभियान में हिस्सा लिया।

उन्होंने बताया, अगर हम अपनी लाइफ में कुछ छोटे-छोटे कदम उठाएं तो हम समाज में बड़ा बदलाव देख सकते हैं। मैं जब भी ट्रैवल करती हूं, तो अपनी कार में हमेशा एक ऐसा बैग रखती हूं, जिसमें मैं कचरा फेंकती हूं। मैं सड़कों, समुद्र तटों या खुली जगहों पर चीजें नहीं फेंकती। मुझे लगता है कि अगर हम इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखे तो हम बड़ा बदलाव ला सकते हैं।"

एक्ट्रेस ने आगे कहाः हमें चीजों को इधर-उधर नहीं फेंकना चाहिए। मुझे लगता है कि हमें संकल्प लेने की जरूरत है। हमें बाहर भी उसी तरह से सफाई रखनी चाहिए, जैसा हम अपने घर में रखते हैं।

प्लास्टिक के कम से कम इस्तेमाल पर पूजा ने कहा, ₹मुझे लगता है कि हम रीयूजेबल प्लास्टिक का इस्तेमाल कर सकते हैं, या फिर हम उसी प्लास्टिक बैग को फेंकने के बजाय दोबारा इस्तेमाल करने की कोशिश कर सकते हैं।

एक्ट्रेस को पिछली बार फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में देखा गया था। वह 'आचार्य', 'मोस्ट एलिजिबल बैचलर', 'अला वैकुंठपुरमुलू', 'महर्षि' जैसी तेलुगु फिल्मों और 'बीस्ट' और 'मुगामूडी' जैसी तमिल फिल्मों का हिस्सा रही हैं।

एक्ट्रेस ने 'मोहनजोदड़ो', 'हाउसफुल 4', 'राधे श्याम' और 'सर्कस' जैसी हिंदी फिल्मों में भी काम किया हैं। उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो पूजा जल्द ही शाहिद कपूर स्टारर एक्शन थ्रिलर 'देवा' और तमिल फिल्म 'सूर्या 44' में नजर आएंगी।

चंद्रिका रवि अमेरिकी रेडियो शो की मेजबानी करने वाली बनी पहली इंडियन वूमन

भारतीय मूल की ऑस्ट्रेलियाई अभिनेत्री चंद्रिका रवि जल्द ही एक अमेरिकी टॉक शो में नजर आएंगी. वह 'द चंद्रिका रवि शो' नाम के एक अमेरिकी टॉक शो की मेजबानी करेंगी. इस शो में वह अपने अनुभव और संघर्ष फैंस के साथ शेयर करती नज़र आएंगी. उनके संघर्ष से प्रेरित होकर रूक्स एवेन्यू रेडियो के फाउंडर सैमी चंद ने उन्हें यह मौका दिया है. शो के साथ अपने अनुभव पर चंद्रिका ने कहा, "यह एक शानदार अनुभव रहा है, लेकिन यह थोड़ा तनावपूर्ण भी था. मेरे वर्षों के अभिनय की तुलना में कैमरे के पीछे रहना एक नया अनुभव है. लोग मुझे रियल फॉर्म में देख पाएंगे. बता दें, चंद्रिका ने तमिल, तेलुगु और अंग्रेजी फिल्मों में काम किया है. वह 'इरुट्टू अरयिल मुराट्टू कुथु' और नंदामुरी बालकृष्ण की 'वीरा सिम्हा रेड्डी' जैसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं.

इस शो को लेकर एक्ट्रेस काफी उत्साहित हैं. वह शो के हर पहलू को वो गहराई से देख रही हैं. उन्होंने कहा, "मैं पिछले कुछ सालों से अपने टॉक शो पर काम कर रही हूं. लंबे समय से मैं इसमें काम करने की उम्मीद कर रही थी और अब आखिरकार मुझे सफलता मिल गई है." चंद्रिका इस शो की को- प्रोड्यूसर भी हैं. यह शो अमेरिका के सबसे बड़े नेटवर्क में से एक आईहार्ट रेडियो पर प्रसारित किया जाएगा. इस शो ने उन्हें अमेरिका में रेडियो शो होस्ट करने वाली पहली भारतीय महिला बना दिया है.

अमेरिका में रेडियो शो की मेजबानी करने वाली पहली भारतीय महिला बनने पर, वह मुस्कुराती हैं और कहती हैं, "मैं पहली हो सकती हूं, लेकिन मैं आखिरी नहीं होऊंगी. मैं इस शो को दुनिया के साथ शेयर करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती. ये पहला शो है जहां मैं अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात कर पाऊंगी. बता दें, चंद्रिका रवि शो प्रत्येक गुरुवार को भारतीय समयानुसार सुबह 7:30 बजे आईहार्ट रेडियो और रुकस एवेन्यू रेडियो पर प्रसारित किया जाएगा. पूरा एपिसोड हर शुक्रवार को यूट्यूब पर अपलोड किया जाएगा.

'मैं अपनी बेटी की उम्र की लड़की के साथ रोमांटिक सीन नहीं कर सकता', विजय सेतुपति ने ऐसा क्यों कहा?

साउथ सुपरस्टार विजय सेतुपति ने एक फिल्म में अभिनेत्री कृति शेट्टी के साथ रोमांटिक सीन करने से मना कर दिया. इस बारे में कई तरह की अटकलें सोशल मीडिया पर देखने को मिल रही थीं. तब विजय सेतुपति ने इस बारे में कुछ नहीं कहा. लेकिन अब उन्होंने इसकी वजह बताई है. मालूम हो कि विजय सेतुपति ने फिल्म डीएसपी में कृति शेट्टी के साथ रोमांटिक रोल करने से इनकार कर दिया था. अब वह जल्द ही फिल्म 'महाराजा' में नजर आएंगे, जो 14 जून को रिलीज होगी. विजय सेतुपति ने 'महाराजा' के प्रमोशन के दौरान 'बिहाइंडवुड्स' को बताया कि उन्होंने कृति शेट्टी के साथ यह रोल रिजेक्ट कर दिया क्योंकि वह फिल्म 'उप्पेना' में कृति शेट्टी के पिता की भूमिका निभाई. यह फिल्म साल 2021 में रिलीज हुई थी. लेकिन डीएसपी के मेकर्स को नहीं पता था कि विजय सेतुपति और कृति शेट्टी पर्दे पर पिता-बेटी का किरदार निभा चुके हैं.

इन 2 वजहों से विजय

सेतुपति ने कृति के साथ नहीं किया रोमांटिक रोल!

विजय सेतुपति ने फिल्म 'उप्पेना' की शूटिंग का एक किस्सा सुनाया, जब कृति शेट्टी उनके साथ शूटिंग करने से घबरा रही थीं. तब एक्टर ने कृति शेट्टी से कहा कि वह उन्हें अपना असली पिता मानकर शूटिंग करें. विजय सेतुपति ने कहा कि कृति शेट्टी उनके बेटे से केवल कुछ साल बड़ी हैं और इसलिए उन्होंने यह भूमिका ठुकरा दी.

कृति शेट्टी के साथ रोमांस करने में झिझक

बाद में इस फिल्म में विजय सेतुपति के अपोजिट अनुकृति व्यास को साइन किया गया. लेकिन जब एक्टर को पता चला कि हीरोइन कृति शेट्टी होंगी तो वह झिझक गए. एक्टर के मुताबिक, उन्हें और कृति शेट्टी को पिता और बेटी के किरदार में देश के लोगों ने खूब पसंद किया था. फिल्म हिट रही. ऐसे में वह कृति शेट्टी के साथ किसी फिल्म में रोमांस कैसे कर सकते हैं. फिल्म 'महाराजा' की बात करें तो इसका निर्देशन निथिलन स्वामीनाथन ने किया है. यह फिल्म पूरे भारत में रिलीज होगी. इसे बाद में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा.

कुशाल टंडन ने शिवांगी जोशी को सरेआम किया किस! वायरल वीडियो ने दी डेटिंग की बातों को हवा

टेलीविजन इंडस्ट्री के रूमर्ड कपल शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन ने कुछ समय पहले शो 'बरसातेंः मौसम प्यार का' में साथ में काम किया था और इसमें दोनों लीड किरदार में थे. इस शो के दौरान शिवांगी और कुशाल की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री ने उनके फैंस को हैरान कर दिया था और दोनों की जोड़ी को फैंस ने जमकर पंसद किया था. ऐसे में अब जब ये शो खत्म हो चुका है इसके बाद भी ऐसी खबरें आ रही हैं कि कुशाल और शिवांगी का दिल एक दूजे पर आ गया है और दोनों चुपके-चुपके एक दूसरे को डेट कर रहे हैं. दोनों ने भले ही कभी इसकी पुष्टि नहीं की, लेकिन अब अब दोनों का एक वीडियो सामने आया है. सामने आए इस वीडियो में कुशाल, शिवांगी को किस करते नजर आ रहे हैं जिसने उनकी डेटिंग को हवा दी है.

क्या रोमांटिक रिश्ते में हैं कुशाल और शिवांगी

कुशाल टंडन और शिवांगी जोशी ने अपने टीवी सीरियल 'बरसातें मौसम प्यार का' में पहली बार साथ में काम किया था और तभी से दोनों के करीबी रिश्ते की खबरें मीडिया में आने लगी थी और अब 39 साल के कुशाल और 26 साल की शिवांगी जोशी खुल्लम खुल्ला प्यार करते हुए नजर आ रहे हैं. दरअसल इस कपल ने हालिया एक वेकेशन लिया था, जहां से उनके किश करने का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. वहीं इस वीडियो के आधार पर नेटिजेंस यह सोचने पर मजबूर हो गए हैं कि क्या दोनों कलाकार रोमांटिक रिलेशनशिप में हैं.

कुशाल ने किया शिवांगी को किस

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह वीडियो उनके थाईलैंड वेकेशन का है, जिसमें कुशाल अभिनेत्री शिवांगी को किस करते नजर आ रहे हैं. वायरल क्लिप में कुशाल शिवांगी के गालों पर किस करते हुए नजर आ रहे हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शिवांगी और कुशाल लंबे वक्त से प्यार भरे रिश्ते में हैं. साथ ही कई लोगों का दावा है कि दोनों इस रिलेशनशिप में काफी गंभीर भी हैं. बीच में खबरें आई थीं कि दोनों ने गुपचुप सगाई कर ली है. इस पर दोनों ने ही रिएक्ट करते हुए इन खबरों को खारिज किया था.

बॉक्सिंग मैच का है वीडियो

दरअसल ये वीडियो बॉक्सिंग मैच का है जिसमें से कुशाल टंडन और शिवांगी जोशी एक साथ नजर आ रहे हैं. इसके पहले दोनों की यहीं से जुड़ी त्सवीरें भी 'रेडिट' पर सामने आई थी, इसमें कुशाल और शिवांगी को एक-दूसरे को प्यार से देखते हुए देखा जा सकता था. अभिनेत्री ने जहां व्हाइट कलर का टॉप और पोल्का डॉटेड पैंट पहना था, वहीं अभिनेता ऑलिव-ग्रीन टी-शर्ट में अच्छे लग रहे थे. प्यार में डूबा यह रूमर्ड कपल एक साथ बेहद खुश लग रहा था.

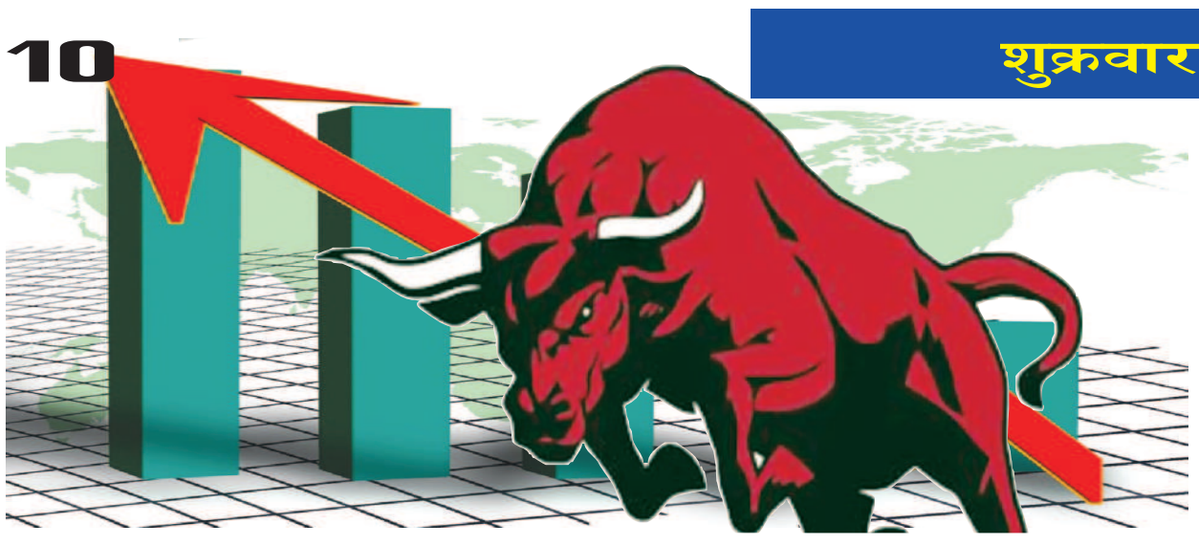

मोदी 3.0 तय होते ही बाजार में रंगत लौटी

सेंसेक्स 692 अंक बढ़कर 75,074 पर बंद : निफ्टी में भी 201 अंक की तेजी , टीडीपी से जुड़े दो शेयर 30% से ज्यादा चढ़े

मुंबई, 7 जून (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 6 जून को तेजी देखने को मिली है। सेंसेक्स 692 अंक की तेजी के साथ 75,074 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 201 अंक की बढ़त रही। ये 22,821 के स्तर पर बंद हुआ। मिडकैप इंडेक्स में 2.28% और स्मॉलकैप इंडेक्स में 3.06% की तेजी रही।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 23 में बढ़त और 7 में गिरावट रही। आज टेक, सरकारी बैंक और रियल्टी शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। टेक महिंद्रा टॉप गेनर रही, यह 4.43 % चढ़कर 1,323 रुपए पर बंद हुआ। अडाणी ग्रुप के सभी 10 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

तेलुगु देशम पार्टी से जुड़े दो शेयर 30% से ज्यादा चढ़े

आंध्र प्रदेश की तेलुगु देशम पार्टी से जुड़ी दो कंपनियों के शेयर हेरिटेज फूड्स और अमारा राजा पिछले दो दिनों में 30% से ज्यादा बढ़ चुके हैं। आज हेरिटेज फूड्स का शेयर 10% बढ़कर 601.15

रुपए पर बंद हुआ। वहीं अमारा राजा एनर्जी के शेयर में भी 5.39% की तेजी रही।

अमारा राजा के MD जय देव गल्ला पार्टी के पूर्व सांसद हैं, जबकि हेरिटेज फूड्स के प्रमोटर पार्टी प्रमुख चंद्र बाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश है। हेरिटेज ग्रुप की स्थापना 1992 में चंद्रबाबू नायडू ने की थी। ये कंपनी डेयरी, रिटेल और एग्री सेगमेंट में काम करती है।

तेलुगु देशम पार्टी ने विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की है। वहीं ये पार्टी एनडीए का हिस्सा है। केंद्र की नई सरकार के गठन में इस पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकसभा चुनाव में तेलुगु देशम पार्टी ने 16 सीटें हासिल की है।

निवेशकों का बाजार पर भरोसा बढ़ा

NDA को बहुमत मिलने और नरेंद्र मोदी को बहुमत दल का नेता चुना जाने के बाद निवेशकों का बाजार पर भरोसा बढ़ा है। अब निवेशक फिर खरीदी कर रहे हैं, इससे बाजार को सपोर्ट मिल रहा है। नरेंद्र मोदी 8 जून को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं।

अमेरिकी बाजार में भी रही तेजी

बुधवार को अमेरिकी बाजार में तेजी देखने को मिली । डाओ जोंस 0.25% चढ़कर 38,807.33 पर बंद हुआ। वहीं S&P 1.18% चढ़कर 5,354.03 और नैस्डेक 1.96% चढ़कर 17,187.91 पर बंद हुआ। वहीं एशियाई बाजारों में भी आज बढ़त देखने को मिल रही है।

एनएसई का वर्ल्ड रिकॉर्ड, 6.15 घंटे में 1971 करोड़ ऑर्डर

देश के सबसे बड़े एक्सचेंज NSE ने बुधवार सुबह 9:15 से दोपहर 3:30 बजे तक 1971 करोड़ ऑर्डर और 28.05 करोड़ ट्रेड को प्रोसेस किया। ये एक दिन में ट्रांजेक्शन का वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

कल बाजार में रही थी 3% से ज्यादा की बढ़त

इससे पहले कल यानी 5 जून को सेंसेक्स 2,303 अंक (3.20%) की तेजी के साथ 74,382 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 735 अंक (3.36%) की बढ़त रही। ये 22,620.35 के स्तर पर बंद हुआ था।

4 जून को सेंसेक्स 4389 अंक (5.74%) की गिरावट के साथ 72,079 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी में भी 1,379 अंक (5.93%) की गिरावट रही, ये 21,884 के स्तर पर बंद हुआ था।

वित्त वर्ष 24-25 की तीसरी तिमाही में रेपो रेट में कटौती की उम्मीद

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक कल से शुरू हो गई है। शुक्रवार को सुबह 10 बजे आरबीआई गवर्नर बैठक में लिए गए फैसलों का एलान करेंगे। आरबीआई की एमपीसी बैठक में रेपो रेट समेत कई अहम फैसले लिए जाएंगे। आरबीआई की एमपीसी बैठक से पहले एसबीआई ने रिसर्च रिपोर्ट पेश किया। एसबीआई ने अपने रिपोर्ट में कहा कि आरबीआई वित्तीय वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में रेपो रेट में कटौती कर सकता है। एसबीआई के रिपोर्ट के अनुसार केंद्रीय बैंक दर कार्रवाई आम तौर पर उन्नत अर्थव्यवस्थाओं को प्रतिबिंबित करती है। एसबीआई रिसर्च का सुझाव है कि केंद्रीय बैंक को इस एमपीसी बैठक में अपने दृष्टिकोण को जारी रखना चाहिए। एसबीआई ने रिपोर्ट में कहा कि बाकी देशों में दर की कटौती के बाद आरबीआई द्वारा कटौती की जा सकती है। आरबीआई के लिए लिक्विडी मैनेजमेंट एक गंभीर चिंता बनी है। इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 2015 में पूंजी प्रवाह की संभावना आरबीआई तरलता प्रबंधन के लिए चुनौतियां और अवसर दोनों प्रस्तुत करती है।

एसबीआई रिसर्च की सिफारिश है कि इस समस्या को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए अस्थायी तरलता इंजेक्शन को अस्थायी तरलता निकासी के स्थान पर लेना चाहिए। एसबीआई रिसर्च के अनुसार नियामक दक्षता के मामले में आरबीआई मुद्रास्फीति के प्रबंधन में शीर्ष तीन नियामकों में से एक है।

एसबीआई शोध विश्लेषण से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025 के लिए 7.5 प्रतिशत की विकास दर हासिल करना संभव लगता है, जबकि औसत मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2024 में बैंकिंग सेक्टर का प्रदर्शन सराहनीय रहा है, 17 मई 2024 तक ऋण वृद्धि 19.5 प्रतिशत पर मजबूत रही, जबकि पिछले वर्ष की वृद्धि 15.4 प्रतिशत थी।

मई 2024 में भी खूब बढ़ी घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने गुरुवार को कहा कि मई में घरेलू हवाई यात्री यातायात साल-दर-साल 5.1 प्रतिशत बढ़कर अनुमानित 138.9 मिलियन हो गया और यह कोविड-पूर्व स्तरों की तुलना में लगभग 14 प्रतिशत अधिक था। इक्रा ने यह भी कहा कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात में निरंतर सुधार के बीच भारतीय विमानन उद्योग का दृष्टिकोण स्थिर है, अपेक्षाकृत स्थिर लागत वातावरण और वित्त वर्ष 2025 में प्रवृत्ति जारी रहने की उम्मीद है।

घरेलू हवाई यात्री यातायात में इतनी बढ़ोतरी

पिछले महीने एयरलाइनों की क्षमता तैनाती में साल-दर-साल 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई और अप्रैल 2024 की तुलना में लगभग 2 प्रतिशत अधिक है। एजेंसी के अनुसार, वित्त वर्ष 24 के लिए घरेलू हवाई यात्री यातायात लगभग 154 मिलियन था, जिसमें साल-दर-साल लगभग 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस प्रकार यह वित्त वर्ष 2020 में लगभग 142 मिलियन के प्री-कोविड स्तरों को पार कर गया। रेटिंग एजेंसी ने कहा, पिछले वित्त वर्ष में भारतीय वाहकों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात लगभग 29.68 मिलियन था, जिसमें साल-दर-साल लगभग 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

एटीएफ की कीमत में हुई बढ़ोतरी

इक्रा के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में औसत एटीएफ की कीमत 103,499 रुपये प्रति किलोलीटर रही, जो वित्त वर्ष 2023 में 121,013 रुपये प्रति किलोलीटर से 14 प्रतिशत कम है, लेकिन वित्त वर्ष 2020 में 65,368 रुपये प्रति किलोलीटर के प्री-कोविड स्तरों की तुलना में 58 प्रतिशत अधिक है। एजेंसी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में औसत एटीएफ की कीमत साल-दर-साल आधार पर 5.4 प्रतिशत अधिक रही।

चांदी में आज 2000 से ज्यादा की तेजी:ये 90,643 रुपए प्रति किलोग्राम में बिक रही, सोना फिर 73 हजार के करीब पहुंचा

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 6 जून को बढ़त देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 871 रुपए महंगा होकर 72,857 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं चांदी की बात करें तो आज एक किलो चांदी 2,113 रुपए बढ़कर 90,643 रुपए प्रति किलोग्राम में बिक रही है। इससे पहले 5 जून को चांदी 88,530 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी।

महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,570 रुपए है।

मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,420 रुपए है।

कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 67,300 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 73,420 रुपए है।

चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 68,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 74,180 रुपए है।

भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,470 रुपए है।

मई में वेज-थाली की कीमत 9% बढ़ी : टमाटर-आलू और प्याज के भाव ने बढ़ाए थाली के दाम, नॉन-वेज थाली 7% सस्ती हुई

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। भारत में एक वेजिटेरियन थाली की कीमत मई में सालाना आधार पर 9% बढ़कर 27.8 रुपए हो गई है। पिछले साल मई 2023 में वेज थाली की कीमत 25.5 रुपए थी। क्रिसिल ने गुरुवार (6 जून) को जारी किए अपने फूड प्लेट कॉस्ट के मंथली इंडिकेटर में इस बात की जानकारी दी है।

क्रिसिल ने बताया कि वेजिटेरियन थाली की कीमत में पिछले महीने अप्रैल की तुलना में मई में 1% की बढ़ोतरी देखने को मिली है। अप्रैल में वेज थाली की कीमत 27.4 रुपए थी।

टमाटर, आलू और प्याज के कारण वेज थाली की कीमत बढ़ी

क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, सालाना आधार पर टमाटर (39%), आलू (41%) और प्याज (46%) की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वेज थाली की कॉस्ट में ये ग्रोथ देखने को मिली है। सालाना आधार पर चावल (13%) और दालों (21%) की कीमतों में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है।

क्रिसिल ने बताया कि जीरा, मिर्च और वेजिटेबल ऑयल की कीमतों में गिरावट के कारण वेज थाली की कीमत में और ग्रोथ देखने को नहीं मिली। जीरा की कीमत में 37%, मिर्च में 25% और वेजिटेबल ऑयल की प्राइस में 8% की गिरावट आई है।

नॉन-वेज थाली की कीमत मई में 7% गिरकर 55.9 रुपए हुई

क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक नॉन-वेज थाली की कीमत मई में सालाना आधार पर 7% गिरकर 55.9 रुपए हो गई है। पिछले साल मई 2023 में नॉन वेज थाली की कीमत 59.9 रुपए थी।

क्रिसिल ने बताया कि नॉन वेज थाली की कीमत में ये गिरावट ब्रॉयलर्स यानी चिकन के प्राइस में सालाना आधार पर 16% की कमी के चलते आई है।

नॉन-वेज थाली की लागत में ब्रॉयलर की 50% हिस्सेदारी होती है। वहीं अप्रैल में 56.3 रुपए की तुलना में नॉन-वेज थाली तैयार करने की लागत में 1% की कमी आई है।

ऐसे कैलकुलेट होती है थाली की एवरेज कॉस्ट

क्रिसिल ने नॉर्थ, साउथ, ईस्ट और वेस्ट इंडिया में मौजूदा फूड कीमतों के आधार पर घर में थाली तैयार करने की एवरेज कॉस्ट कैलकुलेट की है। मंथली चेंज से आम आदमी के खर्च पर असर पड़ता है।

क्रिसिल के डेटा से अनाज, दालें, ब्रॉयलर्स (चिकन), सब्जियां, मसाले, एडिबल ऑयल और कुकिंग गैस सहित उन सामग्रियों का भी पता चलता है, जो थाली की कीमत में बदलाव लाते हैं।

वेज थाली में रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद शामिल होता है। वहीं नॉन-वेज थाली के लिए दाल की जगह चिकन को शामिल किया गया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष	में	वृष--	04-15 बजे
चंद्र-	वृष	में	मिथुन..	06-16 बजे
मंगल	मेष	में	कर्क...	08-29 बजे
बुध-	वृष	पें	सिंह...	10-40 बजे
गुरु-	वृष	में	कन्या..	12-47 बजे
शुक्र-	वृष	में	तुला....	14-53 बजे
शनि-	कुंभ	में	वृश्चिक..	17-02 बजे
राहु-	मीन	में	धनु.....	19-16 बजे
केतु-	कन्या	में	मकर...	21-22 बजे
			कुंभ....	23-13 बजे
			मीन....	00-51 बजे
			मेष....	02-27 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-**2081**
शक संवत- **1946** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत -**2550**,हिजरी सन् -**1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 05-44 सूर्यास्त. - 18-45
भोग्य कलि वर्ष-**426875**
कलियुग संवत् -**5125** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -**197294912 5**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885125**
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा **16-45** तक उपरान्त द्वितिया
मास - ज्येष्ठ कृष्ण , शुक्रवार **07 June**
नक्षत्र - मृगशिरा **19-42** तक उपरान्त आद्रा
योग - शूल **20-04** तक उप गण्ड
करण- बव **16-45** तक उप बालव
विशेष:- व्रत -त्योहार - करवीर व्रत

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 10:37 से 12:15 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल	05:44 - 07:20 शुभ	रोग	18:45 - 20:10 अशुभ
लाभ	07:20 - 08:59 शुभ	काल	20:10 - 21:32 अशुभ
अमृत	08:59 - 10:37 शुभ	लाभ	21:32 - 22:53 शुभ
काल	10:37 - 12:15 अशुभ	उत्पात	22:53 - 24:15 अशुभ
शुभ.	12:15 - 13:53 शुभ	शुभ	24:15 - 01:37 शुभ
रोग	13:53 - 15:32 अशुभ	अमृत	01:37 - 02:59 शुभ
उत्पात	15:32 - 17:10 अशुभ	चंचल	02:59 - 04:21 शुभ
चंचल	17:10 - 18:45 शुभ	रोग	04:21 - 05:44 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा पहचान और इज्जत भी मिलेगी वित्तीय स्थिति बेहतर होगी,ऑफिस में तारीफ़ मिलेगी वेतन में बढ़ोतरी भी संभव है सेल्स क्षेत्र वाले लोग भी लक्ष्य हासिल क्र पायेंगे आज अपने परिधान में नीला रंग शामिल करें इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप आज रियल एस्टेट से जुडा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है ,आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पायेंगे नयी सोच से समृद्धि हासिल होगी

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने –जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है अपना दिमाग खुला रखें,आपको किसी करीबी से कोई अप्रत्याशित खबर मिल सकती है

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आप खुद की जरुरत से अधिक आलोचना करने के मूड में हैं आपको भी पता है कि आपकी अधिकतर चिंताएं निरर्थक हैं,फिर भी आप चिंता करते रहते हैं इसका एकमात्र समाधान यह है कि अपने किसी ऐसे करीबी से सा अपनी चिंताओं के बारे में बात करें जो आपको सहारा दे सके इससे पहले कि आप विकर्षित अनुभव करें ,आपको किसी विश्वसनीय व्यक्ति से सलाह लेनी चाहिए

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी लेकिन यह बस उपरी आवरण है ,जैसे ही स्थिति साफ़ होगी ,आप वास्तविकता को देख पाएंगे शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें आपको सफलता मिलेगी परिवर्तन तो जरुर होंगे लेकिन आपके भविष्य के लिए शुभ साबित होंगें

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज आपके लिए बहुत सारा काम है ,व्यस्त रहेंगे जल्दी के चक्कर में अपने किसी शुभचिन्तक को नाराज ना करें नम्र बने रहें आपकी सकारात्मकता के कारण नए अवसर मिलेंगे धीरज रखें ,परिवर्तन ही शाश्वत नियम हैंविसिलिये बदलाव तो आपके जीवन में भी होना ही है आज आपके मन में आयेगा कि मैं अपना खाना पूरी तरह बदल दूं।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आप एक बहुत बड़ी साझेदारी को अंतिम रूप देने वाले हैं लेकिन आपको अपने पार्टनर को अपने मिशन और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट बता देना चाहिए यदि कोई विवाद हुआ भी तो आपके भावनाओं में बह जाने की सम्भावना है,इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें आप दिन का अंतिम हिस्सा किसी बोद्धिक कार्यकलाप या कलाकारी सम्बन्धी रूचि में लगा सकते हैं

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आप आवेगी मूड में हैं ,किसी भी काम के बारे में भली प्रकार सोचे बिना ही करने दौड़ पड़ेंगे जिसके कारण आपको कार्यस्थल पर और पारिवारिक जीवन में भी दिक्कतें आ सकती हैं हालाँकि इस समय ऐसा कर पाना थोडा मुश्किल है , लेकिन मन को शांत रखें आपके सामने कई अवसर एक साथ आयेंगे,आपको सोच समझकर उनमें से चुनना है

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज आप किसी असम्भाव्य साझेदारी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं इससे आपको रोमांस,रोमांच और साहसी होने की अनुभूति तो होगी परन्तु यह देखना होगा कि यह साझेदारी कितनी सफल होगी किसी अप्रत्याशित श्रोत से समर्थन-सहायता प्राप्त हो सकती है हालाँकि यह अवसर बहुत कम समय तक ही मिलेगा ,इसलिए आपको जल्दी ही फैसला लेना होगा

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है केवल सही होना ही काफी नही है,आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें थोडा नरम रवैया अपनाएंगे तो काफी लंबित कामों को आज पूरा कर पायेंगे

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी,इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे छात्रवृति भी मिल सकती है कोई आपका फायदा उठाने की ताक में है, प्रारम्भिक व्यवस्था करते हुए और सूचनाएं एकत्र करने में सावधान रहें आप ख़ुशी मनाने के मूड में अधिक रहेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

डीमैट अकाउंट के नियमों में बदलाव की सेबी कर रहा प्लानिंग, पांच गुना बढ़ सकती है सिक्योरिटीज रखने की लिमिट

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। पूंजी बाजार के नियामक सेबी डीमैट अकाउंट से जुड़े नियम में बदलाव करने की प्लानिंग कर रहा है। सेबी ने बेसिक सर्विसेज डीमैट अकाउंट (बीएसडीए) में सिक्योरिटीज डिपॉजिट लिमिट को बढ़ाने की योजना बनाया है। आपको बता दें कि साल 2012 में फाइनेंशियल इनकल्यूजन को बढ़ावा देने के लिए बेसिक सर्विसेज डीमैट अकाउंट को शुरू किया गया था।

वर्तमान में बेसिक सर्विसेज डीमैट अकाउंट में 2 लाख रुपये के मूल्य वाली दूसरे सिक्योरिटीज को रख सकते हैं। अब सेबी इस लिमिट को बढ़ाकर 10 लाख करने की प्लानिंग कर रहा है।

क्या है बेसिक डीमैट अकाउंट?

बेसिक सर्विसेज डीमैट अकाउंट डीमैट अकाउंट का ही एक प्रकार है। यह अकाउंट रिटेल इन्वेस्टर के लिए होता है। इस अकाउंट में निवेशक स्टॉक्स, बॉन्ड्स, ईटीएफ, म्यूचुअल फंड्स आदि का निवेश नहीं कर सकता है। इसके अलावा इस अकाउंट की मेंटेनेंस कॉस्ट भी कम होती है।

सेबी ने इस अकाउंट में सिक्योरिटीज लिमिट को बढ़ाने के लिए कंसल्टेशन पेपर जारी किया है। सेबी ने कंसल्टेशन पेपर में पूछा है कि क्या बेसिक सर्विसेज डीमैट अकाउंट की लिमिट को बढ़ाना चाहिए या नहीं।

सेबी क्यों बढ़ाना चाहता है लिमिट?

सेबी के कंसल्टेशन पेपर के अनुसार पिछले 10 सालों में स्टॉक एक्सचेंज की ग्रोथ और सिक्योरीटीज मार्केट में रिटेल इनवेस्टर्स की भागीदारी में बढ़ोतरी हुई है। रिटेल इनवेस्टर्स की भागीदारी में हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए सेबी डीमैट अकाउंट के लिमिट को बढ़ाने की योजना बना रहा है। इसके अलावा सेबी मेंटेनेंस चार्ज पर भी विचार कर रहा है।

बेसिक सर्विसेज डीमैट अकाउंट में 4 लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक के सिक्योरिटीज पर 100 रुपये का चार्ज लेने की प्लानिंग कर रहा है। वर्तमान में ब्रोकरेज फर्म द्वारा 1 लाख रुपये तक की डेट सिक्योरिटीज और 50,000 रुपये की नॉन-डेट सिक्योरिटीज पर कोई चार्ज नहीं लगाया जाता है। सेबी डेट सिक्योरिटीज को 4 लाख रुपये करने का भी प्रस्ताव पेश कर रहा है।

एनएसई ने सबसे ज्यादा ट्रांजैक्शन का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

मुंबई, 7 जून (एजेंसियां)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने आज यानी 5 जून को एक कारोबारी दिन में सबसे ज्यादा ट्रांजैक्शन का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। NSE के CEO आशीष चौहान ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म X पर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज 6 घंटे और 15 मिनट (सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक) के एक कारोबारी दिन में 1971 करोड़ ट्रांजैक्शन और 28.55 करोड़ (280.55 मिलियन) ट्रेड हुए। यह अब तक का सबसे ज्यादा का वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

एनएसई का वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में मुनाफा सालाना आधार पर 20% बढ़कर 2,488 करोड़ हो गया है। ऑपरेशन रेवेन्यू सालाना आधार पर 34% बढ़कर 4,625 करोड़ हो गया है। ट्रेडिंग वॉल्यूम की बात करते तो कैश मार्केट ने एवरेज डेली ट्रेडिंग वॉल्यूम 1,11,687 करोड़ दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 127% की ग्रोथ है।

वहीं, इक्विटी फ्यूचर्स सालाना आधार पर 60% की ग्रोथ के साथ 1,79,840 करोड़ पर पहुंच गया है। इक्विटी ऑप्शंस मार्च 2024 को खत्म हुई तिमाही में 75,572 करोड़ रही, जो सालाना आधार पर 27% ज्यादा है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की स्थापना 1992 में हुई थी

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की स्थापना साल 1992 में की गई थी और इसका संचालन साल 1994 में शुरू हुआ। दिसंबर 2023 तक मार्केट कैप के हिसाब से NSE दुनिया का छठा सबसे बड़ा स्टॉक एक्सचेंज था। जनवरी 2024 में इसका और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) का मार्केट कैप कुल 4.33 ट्रिलियन डॉलर हो गया, जिससे भारत दुनिया भर में चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया।

735 अंक बढ़त के साथ बंद हुआ निफ्टी

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद आज सेंसेक्स 2,303 अंक (3.20%) की तेजी के साथ 74,382 के स्तर पर बंद हुआ। कल ये 4,389 अंक गिरा था। वहीं निफ्टी में 735 अंक (3.36%) की बढ़त रही। ये 22,620.35 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 में तेजी और केवल 1 में गिरावट रही। इंडसइंड बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 7.75% चढ़ा। टाटा स्टील, M&M, बजाज फाइनेंस, कोटक बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर 4% से ज्यादा तेजी के साथ बंद हुए। LT में मामूली गिरावट रही।

दुनिया की दूसरी सबसे वैल्युएबल कंपनी बनी एनवीडिया

आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल को पीछे छोड़ा, मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर के पार

कैलिफोर्निया, 7 जून (एजेंसियां)। अमेरिका की सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया एपल को पीछे कर दुनिया की दूसरी सबसे वैल्युएबल कंपनी बन गई है। एनवीडिया कॉर्प का शेयर बुधवार 5 जून को 60.03 डॉलर (5.16%) की तेजी के साथ 1,224.40 डॉलर (करीब 1,86,958 रुपए) पर बंद हुआ। शेयर में आई इस तेजी से कंपनी का मार्केट कैप 3.01 ट्रिलियन डॉलर (करीब 251 लाख करोड़ रुपए) हो गया है। वहीं, एपल का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर (करीब 250 लाख करोड़) है। बुधवार को एपल का शेयर 0.78% की तेजी के साथ 195.87 डॉलर पर बंद हुआ है।

साल 2002 में भी एनवीडिया का मार्केट कैप एपल से आगे पहुंच गया था। तब दोनों कंपनियों का मार्केट कैप 10 बिलियन डॉलर यानी, करीब 83,000 करोड़ रुपए से कम था। 5 साल बाद 2007 में एपल ने पहला आईफोन लॉन्च किया, उसके बाद उसका मार्केट कैप तेजी से बढ़ा।

एनवीडिया के शेयर में पिछले 5 कारोबारी दिनों में 6.93% और 6 महीने में 169.08% की तेजी आई है। इस साल अब तक एनवीडिया के शेयर ने 154.19% का रिटर्न दिया है। वहीं, पिछले एक साल में एनवीडिया का शेयर 216.76% और पिछले 5 साल में 3,265.59% चढ़ा है।

दुनिया की सबसे वैल्युएबल सेमीकंडक्टर फर्म

एनवीडिया पहले से ही दुनिया की सबसे वैल्युएबल सेमीकंडक्टर फर्म है।एनवीडिया के भारत में चार इंजीनियरिंग डेवलपमेंट सेंटर हैं। ये हैदराबाद, पुणे, गुरुग्राम और बेंगलुरु में स्थित हैं। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, एनवीडिया अपने AI एक्सेलरेटर को अपग्रेड करने की योजना बना रही है।

एनवीडिया एक टेक्नोलॉजी कंपनी है, जो ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट के डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग के लिए जानी जाती है। 1993 में जेन्सेन हुआंग, कर्टिस प्रीम और क्रिस मालाचोव्स्की ने इसकी स्थापना की थी। इसका मुख्यालय कैलिफोर्निया के सांता क्लारा में है। एनवीडिया गेमिंग, क्रिप्टोकरेंसी माइनिंग और प्रोफेशनल एप्लिकेशन्स के लिए चिप को डिजाइन और मैन्युफैक्चर करती है। इसके साथ-साथ व्हीकल्स, रोबोटिक्स और अन्य उपकरणों में भी उसके चिप सिस्टम का इस्तेमाल होता है।

कंपनी के सीईओ जेन्सेन हुआंग की नेटवर्थ 89 लाख करोड़

ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार, बुधवार को शेयर में उछाल से कंपनी के सीईओ जेन्सेन हुआंग की नेटवर्थ में 5 बिलियन डॉलर से ज्यादा (करीब 41 हजार करोड़ रुपए) की बढ़ोतरी हुई, जिससे उनकी कुल नेटवर्थ 107.4 बिलियन डॉलर (करीब 89 लाख करोड़) हो गई।

एपल को इस साल चुनौतियों का सामना करना पड़ा

इस साल एपल को चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, चीन में आईफोन की घटती मांग और यूरोपीय यूनियन से जुर्माने की चिंताओं के कारण इसके शेयरों पर दबाव पड़ा है। बुधवार को एपल का शेयर 0.78% की तेजी के साथ 195.87 डॉलर पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में एपल के शेयर में 7.79% की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने में एपल के शेयर में 1.85% और एक साल में 9.30% का रिटर्न दिया है।

बीजेपी महामंत्री रोहरा ने कांग्रेस पर कसा तंज

बोले- राहुल-प्रियंका की सभाएं हुई फ्लॉप, जनता ने नकारा

रायपुर, 6 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 10 लोकसभा सीट जीतने के बाद भाजपा प्रदेश महामंत्री जगदीश रोहरा ने कांग्रेस पर तीखा कटाक्ष किया है। राज्य की जनता ने कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं को भी नकार दिया। साथ ही कांग्रेस के बड़े चेहरे राहुल और प्रियंका की सभाएं फ्लॉप साबित हुई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी बजाय आत्ममंथन करने के अपनी तथाकथित जीत का झूठा प्रचार करके मुंगेरीलाल का चरित्र प्रदर्शित कर रहे हैं।

प्रदेश महामंत्री रोहरा ने निशाना साधते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने अपनी राजनीतिक दुर्गति की यह पटकथा खुद अपने राजनीतिक आचरण की कलम से लिखी है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस में कार्यकर्ताओं का सम्मान तक नहीं किया गया। उनके साथ जरखरीद गुलामों की तरह बर्ताव किया गया। उस कांग्रेस की छत्तीसगढ़ में यह दुर्दशा तो नियति ने ही तय कर दी थी।

उनका कहना है कि कांग्रेस में गुटबाजी और अंतर्कलह की पराकाष्ठा से क्षुब्ध वरिष्ठ पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस को अलविदा कहा, लेकिन कांग्रेस का केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व इस ओर से आँखें मूंदे बैठा रहा।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में मन की बात रखने वाले कार्यकर्ताओं को स्लीपर सेल बताने तक का अहंकार प्रदर्शित किया गया। महिला नेत्रियों ने भी चुनाव के दौरान कांग्रेस के रवैए से व्यथित होकर जिस भारी संख्या में कांग्रेस से अपना नाता तोड़ा, उससे भी कांग्रेस संगठनात्मक धरातल पर कंगाल हो गई। कांग्रेस को लोकसभा में अपने दम पर 100 सीटों तक के लाले आखिरी दम तक पड़े हुए थे। उस कांग्रेस के लोगों को आखिर जीत की झूठी खुशफहमी पर शर्म क्यों महसूस नहीं हो रही है? कांग्रेस का पूरा ठगबंधन इंडी अलायंस ले-देकर जितनी सीटें जुटा पाया है, उससे ज्यादा सीटें तो भाजपा ने अकेले अपने दम पर जीती है।

रोहरा ने कहा कि कांग्रेस की सत्ता-पिपासा जनादेश का अपमान करने से भी बाज नहीं आ रही है, यह शर्मनाक है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के नेता सत्ता के हसीन सपनों में गोता लगाने के बजाय पहले इस बात को साफ करें कि प्रदेश में कांग्रेस की इस दुर्गति के लिए किसके सिर पर ठीकरा फोड़ने की तैयारी है? अपनों-अपनों को रेवड़ियों की तरह टिकट दिलाकर कांग्रेस को रसातल में पहुँचाने वालों की पहचान करके उनकी जिम्मेदारी तय करने के बजाय कांग्रेस के लोग बगलें बजाने में मशगूल हैं।

झारखंड के 9 जिलों में हीटवेव का अलर्ट

रांची में आज बारिश की संभावना, प्रदेश में 15 से 21 जून के बीच पहुंचेगा मानसून

रांची, 6 जून (एजेंसियां)। झारखंड में अभी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। राज्य में 7 जून को हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, इस दौरान तापमान में दो से तीन डिग्री की बढ़ोतरी होगी। इस दौरान लू की भी स्थिति बनी रहेगी। वेदर एक्सपर्ट अभिषेक आनंद के मुताबिक, 9 जून तक अभी प्रदेश के लोगों को गर्मी से राहत मिलने वाली नहीं है। हालांकि, कुछ जगहों पर दोपहर के बाद हल्की बारिश हो सकती है। रांची का अधिकतम तापमान एक बार फिर 42 के आसपास पहुंच सकता है। वेदर एक्सपर्ट अभिषेक आनंद ने बताया कि मानसून के झारखंड में 15 से 21 जून के बीच पहुंचने की संभावना है। क्योंकि मानसून अभी बंगाल की खाड़ी के आसपास भी नहीं पहुंचा है। राज्य के 14 जिलों में अभी झुलसाने वाली गर्मी से लोग परेशान है। इन जिलों में का तापमान अभी भी 40 डिग्री से ज्यादा है।

केंद्रीय मंत्री बनने की रेस में तीन नाम

हर बार राज्यमंत्री का दर्जा ही मिला इस बार क्या कहते हैं समीकरण

रायपुर, 6 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद केंद्र की नई सरकार के गठन की तैयारी शुरू हो गई है। ऐसे में छत्तीसगढ़ में भी सियासी हलचल तेज हो गई है। भाजपा ने यहां 11 में से 10 सीटें जीती हैं। चर्चा है कि इनमें 3 चेहरे मंत्री बनने की रेस में हैं। इनमें बृजमोहन अग्रवाल, विजय बघेल और संतोष पांडेय का नाम ऊपर है। रायपुर से बृजमोहन अग्रवाल ने सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। वहीं दुर्ग से विजय बघेल दूसरी बार सांसद चुने गए हैं। जबकि राजनांदगांव से संतोष पांडेय पूर्व सीएम भूपेश बघेल को पटखनी देकर दूसरी बार दिल्ली पहुंचे हैं। अब सवाल यह है कि क्या इन्हें केंद्रीय कैबिनेट में जगह मिलेगी या फिर संगठन की जिम्मेदारी दी जाएगी। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के भी चुनाव होंगे और नई कार्यकारिणी बनेगी। ऐसे में छत्तीसगढ़ के नेताओं और सांसदों को भी इसमें बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। केंद्र में इनकी दावेदारी मजबूत क्यों है, दिल्ली जाने के बाद छत्तीसगढ़ की राजनीति पर इसका असर है।

छात्र राजनीति से सियासत में एंट्री करने वाले बीजेपी के कद्दावर नेता बृजमोहन अग्रवाल पहली बार सांसद चुने गए हैं, लेकिन अविभाजित मध्यप्रदेश के समय से ही मंत्री पद का लंबा अनुभव है। अग्रवाल 1990 में पहली बार विधायक चुने गए।साल 2023 में 8वीं बार जीतकर आए। 1990-92 में बृजमोहन अविभाजित मध्यप्रदेश में मंत्री रहे। राज्य बनने के बाद साल 2003, 2008 और 2013 में भी महत्वपूर्ण विभागों का मंत्री पद बृजमोहन के पास रहा। 2018 में कांग्रेस की लहर में भी जीतकर आए। विधानसभा चुनाव में उन्होंने महंत रामसुंदर दास को 67 हजार 719 रिकॉर्ड मतों से हराया और इस लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ में 5 लाख 75 हजार 285 वोटों के साथ प्रदेश में सबसे बड़ी जीत हासिल की है। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के साथ ही विजय बघेल के पॉलिटिकल करियर की भी शुरुआत हुई। साल 2000 में विजय बघेल ने भिलाई नगर परिषद का चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीता था।

10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षाएं होगी दो बार

फेल हुए छात्रों को मिलेगा दूसरा मौका

रायपुर/जगदलपुर, 6 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अब 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं दो बार होगी। दो बार परीक्षा का नियम राजपत्र में प्रकाशित किया गया है। फरवरी मार्च में प्रथम मुख्य परीक्षा इसके बाद जून के तीसरे सप्ताह के बाद द्वितीय मुख्य परीक्षा होगी। दूसरी परीक्षा में शामिल होने के लिए पहली परीक्षा के लिए आवेदन करना जरूरी होगा। अब छात्र प्रथम मुख्य परीक्षा में असफल विषयों में दोबारा परीक्षा दे सकेंगे। यह नियम सत्र 2024-25 से पूरी तरह से लागू होगी। बता देन कि सत्र 2023-24 की परीक्षा देने वाले छात्रों को भी दोबारा परीक्षा देने के मौके को लेकर चर्चा भी चल रही है।

एचओडी ने फटकारा, इसलिए प्लांट इंचार्ज ने मार डाला

भिलाई में सीमेंट फैक्ट्री के अंदर 3 जून को हुआ मर्डर, वारदात के बाद शर्ट बदलकर आया था

भिलाई, 6 जून (एजेंसियां)। भिलाई के जामुल स्थित एसीसी सीमेंट फैक्ट्री के कैप्टिव पावर प्लांट के एचओडी आर बालाराजू की हत्या का खुलासा हो गया है। इस मामले में पुलिस ने संजय तिवारी नाम के कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। संजय ने ही दो दिन पहले हथौड़े से वार कर बालाराजू की हत्या की थी। आरोपी संजय आर बालाराजू के अंडर में उसी डिपार्टमेंट में काम करता था। पूछताछ में उसने बताया कि आर बालाराजू 3 जून को कोल्ड हैंडलिंग प्लांट आया था। ब्रीफिंग के दौरान वह संजय पर काफी चिल्लाया और कोयले की लगातार आपूर्ति न होने पर जमकर फटकारा था। थोड़ी देर बाद बालाराजू कोल अनलोडिंग एरिया पहुंचा, जहां उसने संजय को बुलाया और ट्रक ना लगाने की बात को लेकर जमकर डांट लगाई थी। इसके बाद बालाराजू केप्टिव पावर प्लांट के निरीक्षण के लिए निकल गया। वह कोल अनलोडिंग एरिया से पैदल जा रहा था। संजय ने उसका पीछा किया और सुनसान जगह पाकर बालाराजू के सिर पर पीछे से हथौड़े से वार कर दिया। बालाराजू जमीन पर गिर गया तो संजय ने उसके सिर के पिछले हिस्से, कान और नाक के पास कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी ने बताया कि पहले भी आर बालाराजू ने उसे कई बार फटकार लगाते हुए नौकरी से निकालने और सड़क पर ला देने की धमकी दी थी। इससे वह काफी नाराज था। वारदात को अंजाम देने के बाद हथौड़े को उसने कोयले के ढेर में दबा दिया। इसके बाद वापस कोल्ड हैंडलिंग प्लांट आया और अपने रूटीन कामें जुट गया, ताकि किसी को उस पर शक न हो। इस दौरान सीमेंट प्लांट की मेडिकल टीम और पुलिस के पहुंचने और शव को उठाकर ले जाने तक आरोपी वहां नहीं रहा। वह इस बीच लंच के बहाने अपने घर पहुंचा और वहां कपड़े बदल कर वापस आया, ताकि कपड़े और जूतों पर लगे खून के धब्बों को मिटा सके।

बिलासपुर के ज्यादातर अस्पतालों में नहीं हैं फायर सेफ्टी सिस्टम

आग से बचाने केवल अग्निशमन यंत्र, 152 अस्पतालों को लाइसेंस, निरीक्षण भी नहीं करते अफसर

बिलासपुर, 6 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, रायपुर सहित बड़े अस्पतालों में एक बार फिर से फायर सेफ्टी सिस्टम की व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगा है। बिलासपुर के 152 लाइसेंसी हॉस्पिटल्स में से गिने चुने हॉस्पिटल में ही फायर सेफ्टी सिस्टम बनाया गया है, जहां आपातकालीन स्थिति से निपटा जा सकता है। दरअसल, राज्य शासन के स्वास्थ्य विभाग ने सभी छोटे-बड़े हॉस्पिटल्स में फायर सेफ्टी ऑडिट के बाद ही लाइसेंस जारी करने का आदेश दिया है। वहीं, ज्यादातर अस्पताल ऐसे हैं, जहां फायर सेफ्टी सिस्टम के नाम पर केवल अग्निशमन यंत्र रखकर खानापूर्ति की जा रही है। भीषण गर्मी के चलते अस्पताल के साथ ही गेमिंग जोन सहित मॉल और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में आग लगने की आशंका बढ़ जाती है। क्योंकि, गर्मी में बिजली की खपत बहुत होती है। ऐसे में पावर अप डाउन के समय शॉर्ट सर्किट होने की आशंका रहती है। जिसके कारण कई बार आग लग जाती है। इन हालातों से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जिले के सभी निजी अस्पतालों को अपने फायर सेफ्टी सिस्टम को अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, प्राइवेट संस्थानों में भी फायर सिस्टम ठीक करने के लिए कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग से जानकारी लेकर शहर के प्राइवेट अस्पताल और क्लीनिक का हाल जाना। यहां ज्यादातर अस्पताल में टीम को सिक्योरिटी गार्ड और उनके स्टाफ ने देखकर रोक दिया। इस दौरान छोटे से लेकर बड़े अस्पताल और क्लीनिक में केवल दिखावे के लिए अग्निशमन यंत्र रखा गया है। वहीं, गली-कूचों में संचालित अस्पतालों में न तो फायर सेफ्टी सिस्टम लगा है और न ही वहां तक फायर ब्रिगेड की गाड़ियों के पहुंचने की व्यवस्था है। सरकंडा क्षेत्र से लेकर मंगला, लिंक रोड, पुराना बस स्टैंड सहित ज्यादातर इलाकों में छोटी-छोटी गलियों में अस्पताल संचालित है, जहां फायर ब्रिगेड की गाड़ियों के पहुंचने में भी आधा से एक घंटा का समय लग जाएगा। ऐसे में इन अस्पतालों में फायर सेफ्टी सिस्टम होने के बाद भी दमकल के पहुंचते तक हालात को काबू करना मुश्किल होगा।

शहर में कई अस्पताल ऐसे हैं, जहां फर्स्ट फ्लोर में ओपीडी है और सेकेंड और थर्ड फ्लोर में मरीज भर्ती करने के लिए वॉर्ड बनाए गए हैं। तोरवा स्थित प्राइवेट अस्पताल में मरीजों के लिए लिफ्ट है। लेकिन, सीढ़ियां इतनी सकरी है कि हादसा होने की स्थिति में सीढ़ियों से मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने की भी व्यवस्था नहीं है।

लोकसभा चुनाव के नतीजे ने इंडिया गठबंधन में जान फूंकी

इसी परिणाम से तय होगा झारखंड विधानसभा का रास्ता, एनडीए को करनी होगी मेहनत

रांची, 6 जून (एजेंसियां)। झारखंड की जनता ने लोकसभा चुनाव के परिणाम के साथ यह बता दिया कि उनका राजनीतिक मूड क्या है। अब सवाल है कि क्या लोकसभा चुनाव के परिणाम का असर झारखंड के विधानसभा चुनाव पर पड़ेगा। झारखंड की सभी आरक्षित लोकसभा सीट एनडीए हार चुकी है। लोकसभा में झारखंड की जनता ने जिन मुद्दों पर वोट दिया क्या वह विधानसभा में जस के तस रहेंगे। आइए इस रिपोर्ट में इन सारे सवालों के जवाब तलाशते हैं। लोकसभा के चुनाव परिणाम ने झारखंड में सांसे गिन रही इंडिया गठबंधन में जान फूंक दी है। साल 2019 में लोकसभा की दो सीटों पर सिमट कर रह गई इंडिया गठबंधन (तब की यूपीए) के खाते में अब पांच सीट आई है। इस परिणाम से इंडिया गठबंधन इसलिए भी उत्साहित है क्योंकि सभी रिजर्व सीटें उनके हिस्से आई हैं। ऐसे में राज्य की राजनीति में लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद से जो परिस्थितियां बन रही हैं, वह झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव की उठता पहला कदम दिख रहा है। चुनाव परिणाम के बाद राज्य में इंडिया गठबंधन का उत्साह और एनडीए की चुप्पी विधानसभा चुनाव की ओर बढ़ता पहला कदम है? इस सवाल के जवाब में विशेषज्ञ कहते हैं 'हां'। वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह कहते हैं कि लोकसभा चुनाव के परिणाम से इंडिया गठबंधन पूरी तरह उत्साहित है। वह इसे भूनाने की पूरी कोशिश भी करेगा। इंडिया गठबंधन अब यह मान कर चल रही है कि लोकसभा चुनाव में जनता ने हमें आशीर्वाद दिया है और वह चाहेगी कि विधानसभा चुनाव में भी उसे आशीर्वाद दे। वह मानते हैं कि इस परिणाम ने एनडीए गठबंधन को भी बता दिया है कि उन्हें वोट बैंक को मजबूत करने के लिए स्ट्रैटजी बनानी होगी। एनडीए पांच रिजर्व सीट हार गई। ग्रामीण वोटर्स में भी कमी हुई है। ऐसे अब दोनों गठबंधन के लिए विधानसभा चुनाव महत्वपूर्ण हो गया है। पॉलिटिकल एक्सपर्ट कहते हैं कि लोकसभा के इस परिणाम ने जहां इंडिया गठबंधन को उत्साहित किया है। वहीं एनडीए गठबंधन को चिंता में डाल दिया है। उनका मानना है कि जहां इंडिया गठबंधन मजबूत हुआ है। वहीं आगामी विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए को मेहनत करना होगा। वर्तमान परिदृश्य में इंडिया गठबंधन और एनडीए की क्या स्थिति है, इसे नीचे दिए गए ग्राफिक से समझा जा सकता है। राजनीति के वर्तमान स्वरूप को लेकर वरिष्ठ पत्रकार अभिषेक शास्त्री थोड़ी अलग सोच रखते हैं। वो कहते हैं कि परिणाम तो अब सामने है। अब तो आगामी विधानसभा में स्ट्रैटजी पर सोचना होगा। इसमें संदेह नहीं है कि इंडिया गठबंधन मजबूत हुआ है। भाजपा को अब अच्छी स्ट्रेटजी बनानी होगी, इंडिया गठबंधन के पक्ष में कई अच्छी बात है। इनके पास कल्पना सोरेन जैसा बड़ा चेहरा है। मतदाताओं का साथ है।

जबकि भाजपा की ओर से देखें तो इनके पास कई चैलेंजे हैं। इसे समझने की जरूरत है। पहला, यह कि पार्टी ने जिस उद्देश्य से सीता सोरेन को लाया वह उलट साबित हुआ। दूसरा, खूंटी से अर्जुन मुंडा चुनाव हार गए हैं। अब उनका क्या होगा। क्या वे राज्य की राजनीति में वापस होंगे। बाबूलाल की स्ट्रेटजी भी कुछ खास नहीं की। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि सीता, गीता, अर्जुन मुंडा को लेकर पार्टी क्या रणनीति बनाती है। एक सवाल यह भी आता है कि इस लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की ओर से सीटिंग विधायकों ने बगावत की थी। कहीं ये परेशानी का सबब न बन जाएं। इस विषय को लेकर वरिष्ठ पत्रकारा जितेंद्र सिंह कहते हैं कि यह बड़ी समस्या नहीं है। अगर परिस्थियां यह कहेंगी कि बागियों को लाने से फायदा होगा तो उन्हें वापस लाएंगी। कुछ ऐसी ही बात एक्सपर्ट अभिषेक शास्त्री भी कहते हैं। उनका मानना है कि बागियों की वापसी संभव है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य कहते हैं कि सरकार जनता के पक्ष में है या किसी ओर के, इस परिणाम ने एनडीए को इसकी समझ दे दी है, लेकिन बात आगामी विधानसभा चुनाव की करें तो यहां भी जीत की गिनती 29 से शुरू होगी।

ग्रामीणों के राशन में कटौती कर कोटेदार भर रहे अपना पेट

गौरेला पेंड्रा मरवाही, 6 जून (एजेंसियां)। गौरेला जिले में शासन की महत्वाकांक्षी योजना पर कैसे पलीता लगाया जा रहा है, इसका नजारा देखने को मिला है। गरीबों को मुफ्त में मिलने वाले राशन पर डाका डाला जा रहा है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाला राशन ग्रामीणों को कम तो कईयों को महीनों से नहीं मिला है। अलाम यह है कि ग्रामीण करें तो करें क्या। वे बाजार से चावल खरीदकर खाने को मजबूर हैं।

प्रशासन मामले में जल्द कार्रवाई किये जाने की बात कह रहा है। पेंड्रा विकास खंड अंतर्गत ग्राम पंचायत जाटादेवरी के आश्रित गांव हर्राडीह में रहने वाले ग्रामीणों को पिछले अप्रैल माह में शासन के द्वारा एक साथ 70 किलो चावल देना था, लेकिन गांव में राशन दुकान का संचालन करने वाली वैष्णवी महिला स्वं. सहायता समूह के द्वारा गरीब हितग्राहियों को 70 किलो चावल नहीं दिया गया।

बिहार में झारखंड की बच्ची की संदिग्ध मौत

सासाराम में ईंट-भट्टी में काम करती थी, ठेकेदार ने पलामू में दफनाया, रेप के बाद हत्या की आशंका

पलामू, 6 जून (एजेंसियां)। सासाराम के ईंट भट्टी में काम करने वाली आदिम जनजाति की नाबालिग बच्ची की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मृतक बच्ची की उम्र सिर्फ 13 साल थी और वह झारखंड के पलामू की रहने वाली थी। परिवार का आरोप है कि बच्ची के साथ पहले रेप किया गया फिर उसकी हत्या कर दी गई।

बताया जा रहा है कि नाबालिग की मौत के बाद ईंट-भट्टी का ठेकेदार नाबालिग का शव लेकर पलामू उसके घर पहुंचा था और बच्ची की मां की गैरमौजूदगी में शव को दफना दिया। गांव वालों ने इसकी सूचना मृतका की मां को दी। मां अपनी बेटी की हत्या को लेकर थाने पहुंची और हत्या का आरोप लगाया। दरअसल, नाबालिग बच्ची मानव तस्करी का शिकार हुई थी। लड़की कोरवा जनजाति से आती है तो उसकी गिनती आदिम जनजाति में होती है। लड़की के पिता का देहांत हो चुका है। मां जीरा कुंवर ने दूसरी शादी कर ली है। नाबालिग बिल्कुल अकेली थी, जिसका मानव तस्करों ने फायदा उठाया। मां का आरोप है कि बच्ची के साथ पहले दुष्कर्म किया गया, फिर उसकी हत्या कर दी गई। बुधवार को पलामू पुलिस से इस मामले की शिकायत की गई। पीड़िता पलामू के रामगढ़ थाना क्षेत्र की रहने वाली है, जबकि उसके साथ दुष्कर्म की वारदात बिहार के सासाराम इलाके में हुई है। यही वो एक ईंट-भट्ठे में काम करती थी। गांव वालों का भी आरोप है कि यहां उसके साथ दुष्कर्म करके उसकी हत्या की, फिर उसके शव को पलामू के रामगढ़ में लाकर दफना दिया। पुलिस तक जैसे ही मामला पहुंचा, इसकी जांच के लिए पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव को कब्र से बाहर निकाला। इस पूरे मामले में एफआईआर दर्ज की गयी और बिहार के सासाराम के एक ईंट भट्ठा मालिक के मालिक को मुख्य आरोपी बनाकर इसकी जांच की जा रही है। लिखित शिकायत में बताया है कि आठ महीने पहले मानव तस्कर क की शिकार हुई थी। पीड़िता के पिता इस दुनिया में नहीं हैं, जबकि उसकी मां ने दूसरी शादी कर ली है। गांव के एक ठेकेदार ने पीड़िता को पैसे का लालच देकर बिहार के सासाराम में ईंट-भट्ठी पर काम करने के लिए भेज दिया था। 3 जून को ठेकेदार और उसके साथ कुछ लोग पीड़िता का शव लेकर पहुंचे। पीड़िता की मौत का स्पष्ट कारण किसी ने नहीं बताया। शव को गांव में ही दफना दिया गया। पीड़िता की मां उस दिन गांव से बाहर थी स्थानीय ग्रामीणों ने पीड़िता की मां को पूरे मामले की जानकारी दी।

पीड़िता की मां बुधवार की देर शाम रामगढ़ थाना पहुंची और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। जिसके बाद इस पूरे मामले की पुलिस जांच कर रही है।

फांसी पर लटके मिले प्रेमी-प्रेमिका के शव

बलौदाबाजार, 6 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में बुधवार को एक युवक-युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। दोनों के शव पास-पास ही फंदे पर लटके हुए मिले हैं। बताया जा रहा है कि दोनों प्रेमी युगल थे। पुलिस को आशंका है कि शादी नहीं हो पाने के चलते आत्महत्या कर ली। मामला सिटी कोतवाली क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम कंची निवासी राजेंद्र साहू अपनी पत्नी भुवनेश्वरी साहू और बेटी प्रमिला (17) के साथ बलौदाबाजार बस स्टैंड के पीछे किराये के मकान में पिछले 6 महीने से रह रहा है। रोज की तरह राजेंद्र अपनी पत्नी के साथ मजदूरी करने गया था। घर में प्रमिला अकेली थी। भुवनेश्वरी साहू ने बताया कि, सुबह 9 बजे वो पति के साथ दुर्गा मंदिर में चौकीदारी का काम करने निकल गए। जब दोपहर में खाना खाने घर लौटे तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी कोशिश के बाद भी नहीं खुला तो छत से सीढ़ी लगाकर नीचे उतरे। मकान मालकिन शारदा सोनी ने इन दोनों की लाश कमरे के अंदर फंदे से लटकते देखी। उन्होंने कोतवाली पुलिस को इसकी सूचना दी। जिसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। दोनों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। परिजनों से बयान लिए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि प्रमिला 12वीं में पढ़ती थी। उसका ग्राम कुकुरदी निवासी हमेश निषाद (21) से प्रेम प्रसंग चल रहा था। वह प्रमिला से मिलने के लिए उसके घर पहुंचा था। इसके बाद दोनों के शव कमरे में लटके मिले। लड़की का शव के गले में चुनरी लगी कुर्सी पर बैठे हुई हालत में थी, जबकि युवक की लाश उसके सामने लटकती मिली है। सिटी कोतवाली टीआई अजय झा का कहना है कि, पीएम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत की असल वजह साफ हो पाएगी।

झारखंड के एकमात्र ट्रांसजेंडर उम्मीदवार को नहीं मिला जनता का साथ

रांची, 6 जून (एजेंसियां)। मंगलवार को देर शाम लोकसभा चुनाव का परिणाम घोषित हुआ। धनबाद लोकसभा सीट से झारखंड की एकमात्र ट्रांसजेंडर उम्मीदवार को नोटा से भी कम वोट मिले हैं। हालांकि उन्होंने निर्दलीय इस सीट से चुनाव लड़ा था। देश में सात चरणों में हुए लोकसभा चुनाव की मंगलवार को मतगणना हुई। देश की जनता की निगाह भाजपा और कांग्रेस की सीटों पर टिकी रही। देर शाम चुनाव का परिणाम घोषित हुआ। वहीं झारखंड की धनबाद लोकसभा सीट से एक ट्रांसजेंडर ने चुनाव लड़ा था। सुनैना किन्नर जो कि एक ट्रांसजेंडर हैं, उन्होंने धनबाद लोकसभा सीट से निर्दलीय ही चुनाव लड़ने का फैसला किया। सुनैना ने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के उम्मीदवारों को कांटे की टक्कर दी थी। हालांकि नतीजों में सामने आया कि सुनैना को 3,462 वोट मिले। वहीं इस लोकसभा सीट पर 7,354 मतदाताओं ने इनमें से कोई नहीं (नोटा) विकल्प चुना।

सुनैना किन्नर

बता दें कि धनबाद सीट से 25 उम्मीदवार मैदान में कूदे थे। सुप्रिया के अलावा 18 और उम्मीदवार थे, जिन्हें नोटा से भी कम वोट मिले हैं। भाजपा के दुलु महतो ने अपने कांग्रेस की प्रतिद्वंदी अनुपमा सिंह को 3 लाख से अधिक वोटों से हराया।

ट्रांसजेंडर का लोकसभा चुनाव लड़ना ही काफी सराहनीय था। सुनैना ने अपने नतीजों के बाद कहा कि मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि मुझे कितने वोट मिले हैं। मैं खुश हूं, कि मैंने चुनाव लड़ा। धनबाद के लोगों ने मुझे इस सीट के उम्मीदवार के रूप में स्वीकार किया है।

जवान ने एएसआई की गोली मारकर हत्या की

पति-पत्नी के विवाद को सुलझाने गए थे, रातभर बिल्डिंग में छिपा रहा आरोपी, सुबह किया सरेंडर

लोहरदगा, 6 जून (एजेंसियां)। लोहरदगा में सिपाही ने बुधवार रात एएसआई की गोली मारकर हत्या कर दी। जवान चुनावी ड्यूटी से घर लौटा था। किसी बात को लेकर उसका पत्नी से विवाद हुआ। उसने पत्नी और बेटी को एक कमरे में बंद कर दिया। उसकी पत्नी ने आसपास के पुलिस वालों से मदद मांगी।

एएसआई धर्मेंद्र सिंह मौके पर गए थे। इसी दौरान जवान भड़क गया और गोली चला दी। इसमें एएसआई धर्मेंद्र सिंह की मौत हो गई। जवान आनंद सिंह मुंडा के परिवार का कहना है कि वो मानसिक रूप से बीमार था।

वहीं एएसआई के परिवार का कहना है कि जवान को बचाने के लिए परिवार इस तरह की बातें कह रहा है। आरोप ये भी है कि जब जवान मानसिक बीमार था तो उसे ड्यूटी पर क्यों रखा गया था।

पुलिस ने आरोपी जवान को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना लोहरदगा के रघु टोली स्थित एसपी आवास के पीछे की है। बताया जा रहा है कि चुनाव ड्यूटी से पहले जवान जिले में कंट्रोल रूम में तैनात था। आरोपी को पकड़ने के लिए जब पुलिस टीम पहुंची तो वो बिल्डिंग में छिप गया। पुलिस ने हवाई फायरिंग की। आंसू गैस के गोले छोड़े, लेकिन रातभर वो पुलिस वालों को चमका देते रहा। गुरुवार सुबह करीब 8 बजे उसने सरेंडर किया।

पुलिस के अनुसार पुलिस जवान आनंद सिंह मानसिक रूप से बीमार है। वह लोहरदगा में एसपी कोठी के पीछे किराए के मकान में रहता था। कुछ दिन पहले उसकी बेटी, बेटा और पत्नी गर्मी की छुट्टी में वहां आए थे।

दुनिया के दक्षिण पूर्व एशिया से शुरू होगा तीसरा विश्वयुद्ध!

अमेरिका और चीन आ रहे आमने-सामने

मनीला, 6 जून (एजेंसियां)। दुनिया का ध्यान भले ही इस समय इजरायल और हमास के बीच जारी जंग पर है। सभी मध्य पूर्व की इस जंग में नए मोर्चे खुलने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ठीक इसी वक्त दक्षिण पूर्व एशिया में तनाव की ऐसी चिंगारी सुलग रही है जिसे अगर न बुझाया गया तो एक ऐसी जंग शुरू हो सकती है, जो महाशक्तियों के बीच होगी। इसे विश्व युद्ध में बदलने से रोकना बहुत मुश्किल होगा। दक्षिण चीन सागर में बीजिंग की आक्रामकता ने इस खतरे को और बढ़ा दिया है। इस बीच चीन ने घोषणा की है कि वह दक्षिणी चीन सागर में अपने दावे वाले जलक्षेत्र में प्रवेश करने वाले विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार करने लिए कानून बनाने की तैयारी कर रहा है। चीन का यह ऐलान अमेरिका के साथ सीधे सैन्य टकराव की वजह बन सकती है।

चीनी आक्रामकता ने स्थिति को किया तनावपूर्ण

हाल के महीनों में अमेरिका के सहयोगी फिलीपींस और चीन के बीच हिंसक घटनाएं बढ़ गई है। चीनी तटरक्षक बल के जहाजों द्वारा सेकंड थॉमस शोल के आसपास विवादित जलक्षेत्र में फिलीपींस के आपूर्ति जहाजों पर वाटरकैनन से हमला करते कई वीडियो सामने आए हैं। कुछ समय पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा करने के लिए वाशिंगटन डीसी में फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर और जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा से मुलाकात की। बाइडन ने फिलीपींस के मजबूत समर्थन की बात कही है। इसे एक बड़े घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है।

फिलीपींस की चीन को चेतावनी

मई के अंत में सिंगापुर में आयोजित शांगरी-ला सुरक्षा वार्ता में मार्कोस ने चीन की सीधी चेतावनी देते हुए कहा, 'यदि बीजिंग के जानबूझकर किए गए कार्यों के परिणामस्वरूप फिलीपीन के किसी भी नागरिक की मृत्यु होती है तो मनीला इसे 'युद्ध के कृत्य' के रूप में मानेगा और इसी के अनुसार जवाबी कार्रवाई करेगा।' फिलीपींस ने इसे रेड लाइन बताया है। यह रेड लाइन 15 जून से और लाल हो जाएगी क्योंकि चीन अपने नए विवादित कानून को इसी दिन लागू करने जा रहा है। इसके बाद इस विवादित क्षेत्र में कोई भी गिरफ्तारी बंदूक की नोक पर की जा सकती है। वर्तमान में चीनी तटरक्षक बल के जहाज दक्षिणी चीन सागर के विवादित क्षेत्र में लगातार आक्रामक गतिविधि करते हुए फिलीपींस को धमका रहे हैं। ऐसे में अगर मनीला अपनी पारस्परिक रक्षा संधि को लागू करने पर मजबूर होता है तो यह कल्पना करना मुश्किल नहीं होगा कि चीनी तटरक्षक जहाजों का सामना अमेरिकी युद्धपोतों से होगा। अमेरिकी युद्धपोत वर्तमान में नेविगेशन की स्वतंत्रता को लागू करने के लिए वर्तमान में इस क्षेत्र में गश्त कर रहे हैं।

अमेरिकी की नजर इंडो पैसिफिक पर

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सिंगापुर के शांगरी-ला डायलॉग में कहा कि 'यूरोप और मध्य पूर्व में इन ऐतिहासिक झड़पों के बावजूद, इंडो-पैसिफिक हमारी प्राथमिकता वाला कार्यक्षेत्र बना हुआ है।'

ऑस्टिन का बयान बताता है कि फिलीफींस द्वारा अमेरिकी सैन्य सहायता के किसी भी अनुरोध को वाशिंगटन में सकारात्मक रूप से देखा जाएगा। दिलचस्प बात ये है कि वाशिंगटन के सबसे मजबूत सहयोगियों में से एक ब्रिटेन भी इसमें शामिल हो सकता है। उसके पास दक्षिणी चीन सागर में महत्वपूर्ण नौसैनिक संसाधन तैनात हैं।

सुनीता विलियम्स ने उड़ान भरने से पहले कहा

'चलो चलते हैं, कैलिप्सो। हमें अंतरिक्ष ले चलो और वापस ले आओ।'

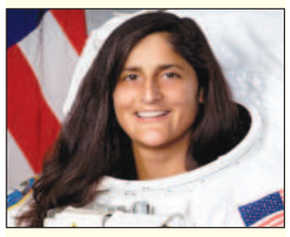

वॉशिंगटन, 6 जून (एजेंसियां)। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने बुधवार को इतिहास रचा। उन्होंने एक बार फिर अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी। हालांकि, उड़ान से पहले उन्होंने कैलिप्सो से कहा कि हमें अंतरिक्ष ले चलो और वापस भी ले आओ। बता दें, भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स तीसरी बार अपने सहयोगी बैरी बुच विलियम्स के साथ अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई हैं। दोनों ने बोइंग कंपनी के स्टारलाइनर यान से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की ओर उड़ान भरी। सुनीता ने उड़ान भरने से पहले मिशन कंट्रोल को संदेश भेजकर कहा था- 'चलो चलते हैं, कैलिप्सो। हमें अंतरिक्ष ले चलो और वापस ले आओ।'

रूस करेगा परमाणु बम का इस्तेमाल

पुतिन ने पश्चिमी देशों को क्यों दे दी महाविनाशक हथियार की धमकी

मास्को, 6 जून (एजेंसियां)। यूक्रेन युद्ध के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी देशों को बड़ी धमकी दी है। पुतिन ने परमाणु युद्ध को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में पश्चिमी देशों को चेतावनी दी कि रूस की संप्रभुता या क्षेत्रीय अखंडता को खतरा पैदा होता है तो वह अपनी रक्षा के लिए हर उस साधन का इस्तेमाल करेगा जो उसके पास मौजूद है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि पश्चिमी देश बार-बार रूस पर परमाणु धमकी देने का आरोप लगा रहे हैं लेकिन यह गलत है। उन्होंने कहा कि यह अमेरिका है जिसने जापान में दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान परमाणु बम गिराया था। पुतिन ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया से बातचीत में कहा कि रूस का परमाणु सिद्धांत इस बात की अनुमति देता है कि कई तरह के खतरों में इस तरह के हथियार का इस्तेमाल किया जा सकता है। पुतिन ने कहा कि कुछ कारणों से पश्चिमी देशों को भरोसा है कि रूस परमाणु बम का इस्तेमाल नहीं करेगा। हमारा एक परमाणु सिद्धांत है, उसको देखिए क्या कहता है। अगर किसी का कदम हमारी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को खतरा पैदा करता है तो हम अपने बचाव के लिए मौजूद हर विकल्प का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए।

इससे पहले पुतिन ने बुधवार को जर्मनी को चेतावनी दी कि यूक्रेन द्वारा रूस पर हमला करने के लिए उसके (जर्मनी के) हथियारों का इस्तेमाल किया जाना एक "खतरनाक कदम" होगा और इससे बर्लिन एवं मॉस्को के संबंध समाप्त हो जाएंगे। जर्मनी ने हाल में अमेरिका के साथ मिलकर यूक्रेन को रूसी धरती पर कुछ लक्ष्यों पर हमला करने के लिए अधिकृत किया है और इसके लिए वह कीव को लंबी दूरी के हथियारों की आपूर्ति कर रहा है। पुतिन ने कहा कि यूक्रेन को जर्मन टैंकों की आपूर्ति किया जाना रूस में कई लोगों के लिए एक झटका था। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, 'अब अगर वे रूसी क्षेत्र में प्रतिष्ठानों पर हमला करने के लिए मिसाइलों का उपयोग करते हैं तो इससे रूस और जर्मन के संबंध पूरी तरह से बर्बाद हो जाएंगे।' उन्होंने साथ ही कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में भले ही किसी की भी जीत हो, इससे रूस-अमेरिका संबंधों में कोई बदलाव नहीं होगा। पुतिन ने कहा, 'अमेरिका के लोग जिस किसी को भी राष्ट्रपति चुनेंगे, हम उसके साथ काम करेंगे।' रूसी नेता ने इस वार्षिक मंच के जरिये रूस के विकास को दर्शाने और निवेशकों को आकर्षित करने की कोशिश की।

चीन के दौरे पर पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ

शेनजेन सिटी में किया निवेशकों की बैठक को संबोधित

इस्लामाबाद, 6 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ चीन के दौरे पर हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अन्य नेताओं से मुलाकात के लिए पीएम शरीफ बीजिंग पहुंच चुके हैं। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के चीन के दौरा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच के संबंध को बेहतर करना,पाकिस्तान को आर्थिक संकट से बाहर निकालना और निवेश की संभावनाओं बातचीत करना है। बता दें कि पीएम शरीफ चार जून से ही चीन की पांच दिवसीय दौरे पर हैं। बुधवार को उन्होंने हाई-टेक सिटी शेनजेन का दौरा किया और निवेशकों की बैठकों को संबोधित भी किया। शहबाज शरीफ इस दौरान चीन के प्रीमियर ली कियांग और अन्य नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। वह यहां पाकिस्तान-चीन मैत्री और व्यापार कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। पीएम शरीफ चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर पर काम करने वाले चीनी कंपनियों के सीईओ से भी मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होने की भी संभावना है। हाई-टेक सिटी शेनझेन में निवेशकों की बैठक को संबोधित करते हुए शहबाज शरीफ ने चीनी कर्मियों को आतंकियों हमलों से सुरक्षा देने का आश्वासन दिया।

प्रभाकरन के भाई ने कहा- कुछ लोग उसके नाम पर तमिल लोगों से ठगी कर रहे हैं

कोलंबो, 6 जून (एजेंसियां)। लिट्टे नेता वेलुपिल्लई प्रभाकरन के भाई मनोहरन ने पहली बार सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किया है कि उनके भाई और पूरे परिवार की साल 2009 में हत्या कर दी गई थी। इसके साथ ही मनोहरन ने दावा किया है कि कुछ लोग भाई प्रभाकरन के नाम पर तमिल लोगों को धोखा देकर ठगी कर रहे हैं। श्रीलंका के एक पोर्टल के मुताबिक देवाकरन ने कहा, 'वेलुपिल्लई प्रभाकरन, उनकी पत्नी और तीनों बच्चों की 2009 में श्रीलंका युद्ध के अंतिम चरण में हत्या कर दी गई थी।' लिट्टे ने 2009 के पहले 30 सालों तक तमिल को अलग के लिए उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में सैन्य अभियान चलाया था लेकिन 2009 में श्रीलंका की सेना के प्रभाकरन की हत्या के बाद यह अभियान भी खत्म हो गया। श्रीलंका की स्थानीय मीडिया ने जैफना मॉनिटर मैगजीन को दिए मनोहरन के साक्षात्कार के अंश को साझा किया है।

यूएनएससी का अस्थायी सदस्य बन सकता है पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 6 जून (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र महासभा में आज सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के 5 अस्थायी सदस्य चुनने के लिए वोटिंग होगी। ये दो साल (1 जनवरी 2025 से 2026) तक दुनिया की सबसे बड़ी सिक्योरिटी काउंसिल के अस्थायी सदस्य रहेंगे। यूएनएससी की दावेदारी करने वाले देशों में पाकिस्तान भी शामिल है। आज चुने गए देश यूएनएससी में जापान, इक्वाडोर, माल्टा, मोजाम्बिक और स्विटजरलैंड की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 31 दिसंबर 2024 को खत्म हो रहा है। पाकिस्तान ने सभी देशों से समर्थन की अपील की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान के अलावा डेनमार्क, ग्रीस, पनामा और सोमालिया कार्यकाल खत्म होने वाले देशों की जगह ले सकते हैं। इसके लिए सीक्रेट बैलेट पेपर से वोटिंग होगी। यूएनएससी में कुर्सी हासिल करने के लिए इन देशों को 193 देशों से दो-तिहाई बहुमत यानी 128 वोट की जरूरत है।

मालदीव का वो काला 'इस्लामिक सच' जो नहीं जानती दुनिया

मुइज्जू के इजरायली विरोधी फैसले ने ला दिया सामने

माले, 6 जून (एजेंसियां)। मोहम्मद मुइज्जू ने जब से मालदीव के राष्ट्रपति पद की कमान संभाली है, वे खुद की साख इस्लामिक दुनिया के नेताओं के बीच मजबूत करने की कोशिश में लगे हुए हैं। राष्ट्रपति बनते ही उन्होंने सबसे पहले तुर्की की यात्रा की थी, जहां के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगान खुद को इस्लामिक दुनिया का खलीफा बनाने में लगे हैं। अब बीते सप्ताह के आखिर में मोहम्मद मुइज्जू ने घोषणा की कि उनकी सरकार इजरायली पासपोर्ट पर मालदीव में आने वाले किसी भी व्यक्ति को प्रतिबंधित करने के लिए नया कानून लेकर आएगी। मालदीव में ऐसी घोषणा करना बहुत अच्छा नहीं है, खासतौर पर जब देश के राजस्व का 90 प्रतिशत हिस्सा विदेशी पर्यटकों पर आधारित है। मुइज्जू मालदीव को जिस दिशा में ले जा रहे हैं, वह पहले से ही कट्टरपंथी देश के लिए उल्टा पड़ सकता है।

दुनिया भर में लोग मालदीव को ऐसे देश के रूप में देखते रहे हैं, जहां लैगून रिसॉर्ट्स हैं। पानी के ऊपर बने बंगले और शानदार समुद्र तटीय रेस्टोरेंट हैं। लेकिन इन निजी द्वीपों और हनीमून पैराडाइज से दूर एक असली मालदीव बसता है, जो एक कट्टरपंथी इस्लामिक राज्य है। वर्षों ने मालदीव की सरकारों ने देश के इन दो अलग संसारों को अलग रखने की कोशिश की है, लेकिन मुइज्जू की घोषणा ने इसका काला सच बाहर ला दिया है। मालदीव जाने वालों के लिए भी यह आश्चर्यजनक हो सकता है। पानी के ऊपर बने रिसॉर्ट्स के पास कॉकटेल की चुस्की लेने वालों को शायद अहसास नहीं होगा कि इसी देश में ऐसा करने पर उन्हें जुर्माना या कोड़े भी लग सकते हैं। मालदीव के एयरपोर्ट से उतरने और रिसॉर्ट्स तक पहुंचने के बीच पर्यटकों को ऐसी किसी भी बात की भनक भी नहीं लगती, क्योंकि उन्हें मालदीव की दूसरी दुनिया से अलग रखा जाता है। लेकिन इजरायल विरोधी रुख अनजाने में ही असली मालदीव की ओर ध्यान दिला सकता है। एक ऐसा देश जहां रूढ़िवादी ड्रेस के साथ ही सार्वजनिक रूप से प्यार जताने और समलैंगिक संबंधों पर सजा का प्रावधान है, जहां राजनीती कभी-कभी हिंसा में बदल जाती है। हाल के वर्षों में देश की राजनीति बाहरी लोगों के लिए अधिक कठोर और राष्ट्रवादी मोड़ लेती दिख रही है। मालदीव के राष्ट्रपति चुनाव में मुइज्जू ने इंडिया आउट का अभियान चलाया था। इसके साथ ही मुइज्जू किस तरह चीन की गोद में जा बैठे हैं, ये भी दुनिया ने देखा है। अमेरिका भी इस पर नजर बनाए हुए है। पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था वाले मालदीव के लिए कट्टरपंथ सबसे बड़ा खतरा बनकर उभर रहा है। ब्रिटिश अखबार टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रति व्यक्ति आधार पर देखें तो इस्लामिक स्टेट में भर्ती होने वाले सबसे ज्यादा विदेशी मालदीव से हैं। इस साल की शुरुआत में मालदीव ने अपने 21 नागरिकों (मुख्य रूप से महिलाएं) को वापस भेज दिया था, जो सीरिया में जिहादी समूहों में शामिल होने गए थे।

पीएम ट्रूडो ने पीएम मोदी को जीत की दी बधाई

कहा- आपकी सरकार के साथ

ओटावा, 6 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आ चुके हैं। 240 सीटों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। भाजपा नीत एनडीए बहुमत हासिल करने के बाद अब सरकार बनाने की प्रक्रिया में जुट चुकी है। नरेंद्र मोदी एक बार फिर देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि नौ जून को सपथ ग्रहण समारोह हो सकता है, ऐसे में दुनियाभर के नेता मोदी को बधाई दे रहे हैं। सबसे बड़ी बात है कि भारत और कनाडा के रिश्तों में आई तल्खी के बीच प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने नरेंद्र मोदी को जीत की बधाई दी।

कनाडा के पीएम ने लगाए थे आरोप

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने पिछले साल सितंबर में कनाडा की संसद में बयान जारी कर आरोप लगाया था कि निज्जर की हत्या में भारत के एजेंट्स का हाथ है। भारत ने कनाडा के आरोपों को बेबुनियाद बताकर खारिज कर दिया था। इस घटना के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तनाव आ गया। निज्जर हत्याकांड पर भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा को बताया था कि कनाडा ने अभी तक कोई पुख्ता सबूत नहीं दिए हैं।

प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर शुभकामनाएं देते हुए कहा, 'नरेंद्र मोदी को चुनाव में जीत के लिए बधाई।' उन्होंने आगे कहा कि कनाडा मानवाधिकारों, विविधता और कानून के शासन के लिए हमारे देशों के लोगों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए उनकी सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है।

21 नेताओं हस्ताक्षर करके मोदी को गठबंधन का नेता स्वीकार किया

एक दिन पहले ही एनडीए ने सर्वसम्मिति से नरेंद्र मोदी को अपना नेता मान लिया है। नई दिल्ली में बुधवार को हुई बैठक में एनडीए के 21 नेताओं ने एक पत्र पर हस्ताक्षर करके मोदी को अपना नेता स्वीकृत किया है। जिससे नरेंद्र मोदी के एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। बैठक में सभी नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को पिछले 10 सालों में उनके कार्यकाल और देश में विकास कार्यों के लिए उन्हें बधाई भी दी है।

भारत निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को लोकसभा 2024 के चुनाव परिणाम को घोषित किया। जिसमें भाजपा को सबसे ज्यादा 240 सीटें और इसके बाद दूसरे नंबर पर 99 सीटों के साथ कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही। हालांकि पिछली बार की अपेक्षा इस बार के चुनाव में भाजपा को 32 सीटों का नुकसान हुआ है। 2014 के बाद ऐसा पहली बार हुआ जब भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिली है।

गाजा में 76 साल पुराने नुसीरत रिफ्यूजी कैंप पर हमला

इजराइल ने एयरस्ट्राइक में स्कूल को निशाना बनाया, महिलाओं-बच्चों समेत 32 की मौत

तेल अवीव, 6 जून (एजेंसियां)। हमास के खिलाफ जंग के बीच इजराइल ने सेंट्रल गाजा में 76 साल पुराने नुसीरत रिफ्यूजी कैंप पर हमला किया। इस दौरान एक स्कूल को निशाना बनाया गया। फाइटर जेट से की गई इस एयरस्ट्राइक में 32 लोगों की मौत हुई है। इनमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

वहीं हमास के अल-अक्सा मीडिया ने बताया कि अटैक में 39 लोगों ने जान गंवाई है। इजराइल की डिफेंस फोर्स आईडीएफ ने इस हमले की पुष्टि की है। आईडीएफ ने दावा किया है कि यूएनआरडब्ल्यूए के इस स्कूल में हमास की नुखबा फोर्स के लड़ाकों ने पनाह ले रखी थी। इजराइल ने एयरस्ट्राइक में उन्हें ही निशाना बनाया।

दरअसल, इजराइल-हमास के बीच जंग शुरू होने के बाद से 10 लाख से ज्यादा लोग बेघर हुए हैं। इन्होंने गाजा में अलग-अलग जगहों पर स्कूलों और अस्पतालों में पनाह ले रखी है। नुसीरत रिफ्यूजी कैंप गाजा पट्टी के बीचों-बीच मौजूद है। 1948 में इजराइल की स्थापना के बाद लाखों फिलिस्तीन बेघर हो गए थे। इन्हें पनाह देने के लिए नुसीरत कैंप बनाया गया था।

आईडीएफ ने दावा किया है कि स्कूल पर हमले से पहले इसके लिए पूरी प्लानिंग की गई थी। इस दौरान इस बात पर खास ध्यान दिया गया था कि वहां मौजूद आम नागरिकों को ज्यादा नुकसान न पहुंचे। इसके लिए इलाके की हवाई निगरानी की गई थी। साथ ही वहां मौजूद इजराइल के इंटेलिजेंस सोर्स के जरिए भी जानकारी इकट्ठा की गई थी।

इजराइल के हमले के बाद गाजा में मौजूद हमास के नेतृत्व वाली सरकार के मीडिया ऑफिस ने भी बयान जारी किया।

उन्होंने स्कूल पर हमले को नरसंहार बताया। मीडिया ऑफिस के प्रवक्ता इस्माइल अल-थावब्ता ने कहा कि घायलों को अल-अक्सा मार्टियर अस्पताल में भर्ती किया गया है।

गाजा के 183 स्कूलों को रिफ्यूजी कैंप बनाया गया

अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, यूएन की रिलीफ एंड वर्क एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) जंग से पहले तक गाजा में 183 स्कूलों को ऑपरेट करता था। जंग शुरू होने के बाद से इन स्कूलों की इमारतों को रिफ्यूजी कैंप में तब्दील कर दिया गया है।

अमेरिका के मोस्ट वॉन्टेड आतंकी से मिले यूएई के राष्ट्रपति

तालिबान के सिराजुद्दीन हक्कानी पर 83 करोड़ का इनाम, भारतीय दूतावास पर हमला करा चुका

वाशिंगटन, 6 जून (एजेंसियां)। यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने अमेरिका के मोस्ट वॉन्टेड आतंकी और हक्कानी नेटवर्क के चीफ सिराजुद्दीन हक्कानी से मुलाकात की। हक्कानी अफगानिस्तान में मौजूद तालिबान की सरकार में गृह मंत्री है। उस पर अमेरिका में 83 करोड़ रुपए का इनाम घोषित है। दरअसल, 2010 के दशक में हक्कानी नेटवर्क ने अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों पर एक के बाद एक कई आत्मघाती हमले किए थे। 2012 में अमेरिका ने हक्कानी नेटवर्क को आतंकी संगठन घोषित कर दिया था। सिराजुद्दीन और उसके पिता ने मिलकर 2008 में काबुल के भारतीय दूतावास पर भी हमला कराया था। इसमें 58 लोगों की मौत हुई थी। 2011 में अमेरिका के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ रहे जनरल माइक मुलेन ने हक्कानी नेटवर्क को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का दायां हाथ और एजेंट बताया था। 2021 में अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद यह पहला मौका है, जब सिराजुद्दीन हक्कानी किसी विदेश यात्रा पर गया है। यूएई के राष्ट्रपति ने मंगलवार को अबु धाबी के कासर अल-शाती पैलेस में हक्कानी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने यूएई और अफगानिस्तान के रिश्तों को मजबूत करने पर चर्चा की। बैठक के दौरान अफगानिस्तान में आर्थिक और सामाजिक विकास पर भी बातचीत की गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हक्कानी की इस मीटिंग के एजेंडे में यूएई की जेलों में बंद अफगान कैदियों की रिहाई और अफगानियों के लिए यूएई की वीजा सर्विस शुरू कराने जैसे मुद्दे शामिल थे।

प्लेन के अंदर होता है सीक्रेट 'होटल'

एयरहोस्टेस के मस्ती करने की है जगह, यात्रियों को कभी नहीं दिखता

वॉशिंगटन, 6 जून (एजेंसियां)। प्लेन में कई बार सफर बेहद लंबा होता है। यात्री अपनी सीट पर बैठ कर आराम कर सकते हैं। लेकिन केबिन क्रू और एयर होस्टेस के लिए ये सफर काफी थका देने वाला होता है। लेकिन प्लेन में इनके आराम करने या रिलैक्स करने के लिए सीक्रेट एरिया होता है। ये एरिया एक उड़ता हुआ होटल जैसा है, जो पैसेंजर को नहीं दिखते। इन जगहों को क्रू रेस्ट कंपार्टमेंट (सीआरसी) कहा जाता है और विमान के हिसाब से ये अलग-अलग जगहों पर हो सकते हैं। बोइंग 787 या एयरबस ए350 जैसे नए प्लेन में ये मेन केबिन के ऊपर होते हैं। लेकिन पुराने विमानों में ये कार्गो होल्ड में या मेन केबिन में होते थे।

पायलट और केबिन क्रू के लिए यह अलग-अलग होते हैं। पायलटों के लिए आमतौर पर कॉकपिट के ऊपर होता है। इसमें दो बंक और एक रिक्लाइनर सीट शामिल होती है। केबिन क्रू के लिए विमान के पिछले हिस्से में सीआरसी होता है, जिसमें आमतौर पर छह बंक या उससे ज्यादा होते हैं। यहां पर विमान में भोजन या पेय पदार्थ रखे जाते हैं। एयरलाइन कंपनी के पास विमान खरीदते समय यह अधिकार होता है कि वह चालक दल के आराम क्षेत्र को कैसे बनाए। हालांकि अमेरिका के संघीय उड्डयन प्रशासन ने इससे जुड़े कई नियम बनाए हैं। इसमें चालक दल का आराम क्षेत्र शांत, तेज गंध और कंपन से मुक्त होना चाहिए। इसके अलावा उसमें तापमान नियंत्रण और लाइट को कम ज्यादा करने की सुविधा हो।

बंक बेड 6.5 फीट X 2.5 फीट का होना चाहिए। इसके अलावा कपड़े बदलने की भी जगह होनी चाहिए। ये एरिया देखने में जापानी कैप्सूल होटलों की तरह होगा। जहां कोई खिड़की नहीं होगी, छोटी लेकिन आरामदायक जगह, बिजली के आउटलेट, ऑक्सीजन मास्क, सीट बेल्ट और इंटरकॉम होगा।

चुनाव में 11 सीट गंवाने के बाद सीएम के सामने एक और चुनौती

क्या इस बार भजनलाल दिला पाएंगे जीत

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में आगामी छह महीनों में पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने वाले हैं। विधायक से सांसद बने जनप्रतिनिधियों की सीटों पर नए चुनाव होंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के लिए यह दूसरी अग्निपरीक्षा होगी।

लोकसभा चुनाव 2024 में राजस्थान में पांच सीटें ऐसी रहीं, जिन पर विधायकों ने सांसद का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। दौसा से विधायक मुरारीलाल मीणा दौसा से ही सांसद बने। झुंझुनूं से विधायक बृजेन्द्र ओला झुंझुनूं से सांसद बने। खींवसर से विधायक हनुमान बेनीवाल नागौर से सांसद बने। देवली-उनियारा से विधायक हरीश चौधरी टोंक-सवाईमाधोपुर से सांसद बने और चौरासी से विधायक राजकुमार रोत बांसवाड़ा-डूंगरपुर से सांसद बने। इन पांच विधानसभा सीट दौसा, झुंझुनूं, खींवसर, देवली-उनियारा और चौरासी पर अगले

छह महीने में उपचुनाव होंगे।

भाजपा फिलहाल इस बात पर मंथन कर रही है कि उसका मिशन 25 अभियान कैसे असफल हो गया। प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के बावजूद लोकसभा में उसे बड़ा नुकसान हुआ है। राजनीति के जानकार कहते हैं कि जब पार्टी विपक्ष में होती है तो संगठन के मुखिया के नाते प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी हार जीत पर होती है। वहीं, जब पार्टी सत्ता में होती है तो हार-जीत की जिम्मेदारी सरकार के मुखिया यानी मुख्यमंत्री की होती है। इस बार राजस्थान में भाजपा की सरकार थी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश के मुखिया थे। ऐसे में चुनाव परिणाम की हार-जीत का श्रेय भी मुख्यमंत्री के खाते में जाएगा।

दूसरी बड़ी अग्निपरीक्षा

पहली परीक्षा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ज्यादा अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए, लेकिन अब उनके सामने अगले छह महीनों में दूसरी और बड़ी अग्निपरीक्षा उपचुनाव के रूप में आने वाली है। जिन सीटों पर उपचुनाव होंगे, उन सभी सीटों पर भाजपा का कमल खिले ये जिम्मेदारी उनके कंधों पर ही होगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के लिए ये चुनौती इसलिए भी बड़ी होगी, क्योंकि जिन सीटों पर उपचुनाव होंगे, उनमें से किसी भी सीट पर भाजपा का विधायक नहीं है। इनमें से तीन सीटों पर कांग्रेस और दो सीटों पर आरएलपी और बाप पार्टी के विधायक हैं।

भाजपा के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण

इन उपचुनावों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को साबित करना होगा कि वे पार्टी के लिए महत्वपूर्ण हैं और राज्य में भाजपा की पकड़ मजबूत कर सकते हैं। ये उपचुनाव भाजपा के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होंगे और पार्टी की रणनीति और नेतृत्व की क्षमता की परीक्षा भी होगी।

हार के बाद भी नहीं बदले हालात

प्री-बजट बैठक में वित्त मंत्री को नहीं बुलाया

विपक्ष को मिला मुद्दा

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों में 11 सीटें गंवाने के बाद भी राजस्थान की भाजपा सरकार के हालात और रवैया बदलने का नाम नहीं ले रहे। वित्त विभाग अफसरों की मनमर्जी का आलम ये है कि प्री-बजट जैसी अहम बैठक में वित्त मंत्री का नाम ही नहीं है। आगामी बजट की तैयारियों को लेकर वित्त विभाग ने मुख्यमंत्री भजनलाल की अध्यक्षता में प्री-बजट मीटिंग बुलाई, लेकिन वित्त मंत्री दीया कुमारी को इस बैठक की सूचना की प्रतिलिपि भेजकर इतिश्री कर ली गई। बैठक के आगंतुकों की सूची में उनका नाम तक शामिल नहीं किया गया।

क्या राजस्थान की अफसरशाही अपनी ही सरकार के खिलाफ माहौल बनाने में लगी है? प्री-बजट मीटिंग को लेकर वित्त विभाग की तरफ से बैठक का जो नोटिस जारी किया गया है, उसमें वित्त मंत्री का नाम ही गायब है।

सिर्फ मीटिंग नोटिस की प्रतिलिपि दीया कुमारी के विशिष्ट सहायक को मार्क की गई है। ब्यूरोक्रेसी की इस हरकत को विपक्ष ने मुद्दा बना लिया है, जो आने वाले बजट सत्र में सरकार को भारी पड़ सकता है।

हालांकि वित्त मंत्री दीया कुमारी फिलहाल जयपुर में नहीं हैं, लेकिन प्रोटोकॉल के हिसाब से मीटिंग नोटिस में कम से कम उनका नाम शामिल होना चाहिए था। हालांकि वित्त मंत्री के ऑफिस ने इस मामले पर कोई भी टिप्पणी करने से इंकार कर दिया है, लेकिन ये तय है कि मामला अब ऊपर तक जाएगा।

लोकसभा चुनावों में पोस्टल बैलेट में कर्मचारी वर्ग की नाराजगी साफ देखी जा रही है। इसके बाद भी सरकार के लिए कर्मचारियों में नकारात्मक माहौल तैयार किया जा रहा है। वित्त विभाग के अफसरों की मनमर्जी का आलम ये है कि न सिर्फ वित्त मंत्री बल्कि बजट तैयार करने वाले वित्त विभाग का अकाउंट्स कैडर ही गायब कर दिया गया।

अकाउंट्स एसोसिएशन में रोष

जानकारी के मुताबिक कार्मिक विभाग की तरफ से राजस्थान अकाउंट्स एसोसिएशन का नाम बैठक में शामिल होने वाले कैडर्स की लिस्ट में था, लेकिन वित्त विभाग के स्तर पर इसमें कांट-छांट कर दी गई। अब राजस्थान अकाउंट्स एसोसिएशन में इसे लेकर भारी रोष पनप रहा है। मामले की शिकायत उच्च स्तर तक किए जाने की बात कही जा रही है। ये बैठक आज गुरुवार को प्रस्तावित थी, लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दिल्ली जाने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। बैठक में राजस्थान के 47 कैडर्स को न्योता दिया गया है, लेकिन वित्त विभाग में चल रही आपसी खींचतान के चलते राजस्थान अकाउंट्स एसोसिएशन को नहीं बुलाया गया।

पिछले 5 साल में भर्ती हुए सभी कर्मचारियों की होगी जांच

सीएम भजनलाल का पेपर लीक पर बड़ा एक्शन

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पेपर लीक को लेकर बड़ा एक्शन लिया है। सभी कार्मिक विभागों ने पिछले 5 साल में भर्ती हुए सारे कार्मिकों के दस्तावेजों की गहन जांच करने के आदेश जारी किए है। इन सभी विभागों में आंतरिक कमेटी जांच करेगी। साथ ही संदिग्ध कार्मिकों की सूचना एसओजी को देने के निर्देश भी दिए है। सीएम शर्मा का ये निर्णय लेने का कारण पिछली भर्तियों में लगातार धांधली सामने आना बताया जा रहा है।

विभाग में आंतरिक कमेटी करेगी जांच

कार्मिकों विभागों ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि विगत 05 वर्षों में विभिन्न विभागों में की गई भर्तियों में फर्जी शैक्षणिक योग्यता के दस्तावेज प्रस्तुत कर एवं डमी कैंडिडेट को परीक्षा में बैठाकर कथित अभ्यर्थियों द्वारा सरकारी नौकरियां प्राप्त की गई हैं। प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुए प्रत्येक विभाग के द्वारा विगत 05 वर्षों में भर्ती किए गए कर्मचारियों के संदर्भ में आन्तरिक कमेटी गठित कर यह जांच कर लें कि परीक्षा देने वाला एवं नौकरी करने वाला लोकसेवक दोनों एक ही व्यक्ति है।

संदिग्ध की जानकारी एसओजी को दें

साथ ही भर्ती किये गये कर्मचारियों के शैक्षणिक पात्रता के दस्तावेज एवं आवेदन के समय प्रस्तुत आवेदन पत्र, फोटो, हस्ताक्षर इत्यादि की भी भली-भांति जांच करवाई जाए। जांच के उपरान्त जिन कर्मचारियों की भर्ती के संबंध में सूचनाएं संदिग्ध प्रकट हो, उनकी सूचना एसओजी को उपलब्ध कराई जाये।

कामकाज को लेकर सीएमओ में बुलाई गंभीर बैठक

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव संपन्न होते ही राजस्थान सीएम भजनलाल शर्मा एक्शन में आ गई हैं। अब सीएम भजनलाल लेखानुदान में क्रियान्विति से शेष बिंदुओं को लेकर बैठक लेंगे। बता दें कि विधानसभा सत्र में यह लेखानुदान पेश किया गया था, यह लेखानुदान विभागों में जून तक के कामकाज चलाने के लिए दिया गया था। अब विभागों को कामकाज का सारा ब्यौरा देते हुए बताना पड़ेगा कि इस लेखानुदान के क्रियान्विति के कितने बिंदु अब तक शेष बचे हैं।

सीएम भजनलाल ने इसके लिए 10 जून को सुबह 11 बजे से सीएमओ में बैठक बुलाई है। कमरा नंबर 205 में यह बैठक आयोजित होगी। इसके लिए विभागों को 7 जून दोपहर 2 बजे तक अपडेट सूचना देनी है। संयुक्त सचिव विनेश सिंघवी ने इसे लेकर आदेश जारी कर बताया कि विभागों को सीएमआईएस पोर्टल पर यह सूचना देनी होगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राजस्थान सरकार इसे लेकर एक्टिव मोड में है। इस काम को वह गंभीरता से ले रही है। इसकी एक वजह यह भी है कि लोकसभा चुनाव अब पूरा हो चुका है। ऐसे में भजनलाल सरकार लेखानुदान में अब क्रियान्विति से बाकि बचे बिंदुओं को लेकर बैठक लेगी। बता दें कि विधानसभा सत्र में जून तक का कामकाज चलाने के लिए लेखानुदान पेश किया गया था।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली हादसे का शिकार

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस हाईवे पर नीलगाय से टकराई कार

दौसा, 6 जून (एजेंसियां)। दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस हाईवे पर राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया। हादसे में जूली के बाएं हाथ में फैक्चर हुआ है। बताया जा रहा है कि हादसा नील गाय की वजह से हुआ। हादसे के बाद नेता जूली को जिला अस्पताल में ले जाया गया। मीडिया से बात कर ते हुए टीकाराम जूली अपने ठीक होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आप लोगों की दुआओं का असर है कि हादसे के बाद भी मैं ठीक हूं। टीकाराम जूली ने बताया कि हादसा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस

हाईवे के भांडारेज इंटरचेंज कट के पांच किलोमीटर पहले हुआ। उन्होंने बताया कि कार के आगे अचानक से नीलगाय आ गई। जब कुछ समझ पाते कार गाय से टकरा गई। टीकाराम ने बताया कि हादसे तुरंत बाद ही कार के एयर बैग खुल गए, जिस कारण ज्यादा चोट नहीं आई। कार में चार लोग सवार थे, सभी सुरक्षित हैं। एक्सीडेंट की सूचना पर पहुंची पुलिस ने टीकाराम जूली को दौसा के रामकरण जोशी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उनके हाथ में प्लास्टर बांधा। उसके बाद उन्हें जयपुर रवाना किया गया।

टीकाराम जूली के एक्सीडेंट की सूचना पर दौसा जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार, डिप्टी एसपी रवि शर्मा सहित जिला प्रशासन का जमावड़ा अस्पताल में लगा रहा।

मोदी की नई टीम में राजस्थान से कौन-कौन बनेंगे मंत्री ?

चौंका सकते हैं ये नए नाम

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे सामने आने के बाद अब चर्चा तेज हो गई है कि मोदी की नई टीम में राजस्थान से किसे मौका मिलेगा और किसकी छुट्टी होगी। संभव है कि इस बार राजस्थान के कुछ नए चेहरे मोदी कैबिनेट में नजर आ सकते हैं। यह भी चर्चा है कि बीजेपी एक बार फिर कुछ पुराने चेहरे को रिपिट कर सकती है। नरेंद्र मोदी की सरकार 3.0 के लिए 8 जून का दिन एतिहासिक होने वाला है। पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद संभालने वाले नेता बनेंगे।

बता दें कि साल 2019 में राजस्थान से चार सांसद मंत्री बने थे, तब बीजेपी ने 25 में से 24 सीटों पर कब्जा जमाया था। लेकिन, पिछले 10 साल से राजस्थान में कांग्रेस का सूपड़ा साफ करने वाली बीजेपी इस बार महज 14 सीटों ही जीत पाई है। ऐसे में सवाल है कि मोदी कैबिनेट में राजस्थान से कुछ नए चेहरों को मौका मिल सकता है। आईये जानते है कि मोदी की नई टीम में कौन-कौन शामिल हो सकता है।

रेस में ये बड़े चेहरे शामिल

राजस्थान में मिली जीत के बाद चर्चा है कि मोदी कैबिनेट में इस बार कुछ नए चेहरों को मौका मिल सकता है। जिनमें पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के बेटे दुष्यंत सिंह, राजसमंद सांसद

महिमा कुमारी मेवाड़ा और भागीरथ चौधरी के नाम शामिल है। वहीं, अर्जुन राम मेघवाल, गजेंद्र सिंह शेखावत और ओम बिरला को फिर से मोदी कैबिनेट में मौका मिल सकता है। हालांकि, सियासी जानकारों की मानें तो इस बार जोधपुर सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत की जगह दुष्यंत सिंह को मौका मिल सकता है।

इसलिए मिल सकता है नए चेहरों को मौका

झालावाड़-बारां सीट से बीजेपी प्रत्याशी दुष्यंत सिंह लगातार 5वीं बार सांसद चुने गए। उन्होंने कांग्रेस की उर्मिला जैन भाया को 3 लाख 70 हजार 989 वोटों से शिकस्त दी। इसके साथ ही बीजेपी ने लगातार 10वीं बार इस सीट पर परचम लहराया। ऐसे में चर्चा है कि मोदी कैबिनेट में दुष्यंत सिंह को शामिल किया जा सकता है।

इसके अलावा राजसंमद से सांसद चुनी गई महिमा कुमारी को भी मोदी की टीम में शामिल किया जा सकता है। महिमा कुमारी ने राजस्थान में सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड बनाया है। पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ने वाली महिमा कुमारी मेवाड़ ने कांग्रेस के डॉ. दामोदर गुर्जर को 3,92,223 मतों से शिकस्त दी। ऐसे में माना जा रहा है कि बीजेपी नेतृत्व उन्हें बड़ा गिफ्ट दे सकता है। वहीं, अजमेर से सांसद चुने गए भागीरथ चौधरी को भी मोदी कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है। इन्होंने कांग्रेस के रामचंद्र को 329991 वोटों से शिकस्त दी है।

साल 2019 में ये थे राजस्थान से मंत्री

साल 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने राजस्थान में 25 में से 24 सीटों पर जीत का परचम लहराया था। इस बंपर जीत के बाद मोदी कैबिनेट में राजस्थान के 3 सांसदों को मौका मिला था। इनमें जोधपुर सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत, बाड़मेर सांसद कैलाश चौधरी और बीकानेर सांसद अर्जुन मेघवाल का नाम शामिल है। वहीं, कोटा सांसद ओम बिरला को लोकसभा अध्यक्ष बनाया गया था।

कांग्रेस छोड़ बीजेपी का दामन थामना मालवीय को पड़ा भारी, वोटर्स ने इसलिए नहीं दिया साथ

बांसवाड़ा, 6 जून (एजेंसियां)। बांसवाड़ा. बागीदौरा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी का वोटबैंक टूटा और बिखरा है। यहां दशकों से चुनाव लड़कर जीत रहे व कांग्रेस छोड़ भाजपा में गए महेन्द्रजीत सिंह मालवीया का मतदाताओं ने साथ नहीं दिया। कांग्रेस का परंपरागत वोटबैंक भी खिसका है। आंकड़े बताते हैं कि इसका लाभ बीएपी ने उठाया। 6 माह पूर्व हुए विधानसभा चुनाव में बागीदौरा सीट पर 1 लाख 1 हजार 742 मतदाताओं ने मालवीया के पक्ष में वोट किया था। 41 हजार 355 वोटों से बतौर कांग्रेस प्रत्याशी जीते मालवीया के पार्टी बदलने के बाद लोकसभा चुनाव में मालवीया को यहां से 71 हजार 654 मत ही मिले।

माना जा रहा है कि कांग्रेस के 30088 वोटर्स को मालवीया का पार्टी बदलना पसंद नहीं आया। दरअसल, बांसवाड़ा-डूंगरपुर संसदीय सीट के चुनाव में बागीदौरा विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं का मिजात अन्य क्षेत्रों के लोगों के मुकाबले अलग रहा।

ध्रुवीकरण से बीएपी दोनों जिलों के अन्य विधानसभा क्षेत्रों में कामयाब रही, लेकिन यहां आम चुनाव और उपचुनाव में भाजपा के मुकाबले कांग्रेस ज्यादा असरदार रही और बीएपी ने टूट-फूट का पूरा लाभ लिया।

कांग्रेस गठबंधन की बात कर बाद में समर्थन में आई, लेकिन चुनाव में उसके चुनाव चिह्न पर प्रत्याशी डटा रहा। बीएपी मतदान से दो दिन पहले तक कांग्रेस की जरूरत को नकारती रही और कांग्रेस का जनमत अपनी ओर खींचने में जुटी रही। उसी का नतीजा रहा कि लोकसभा चुनाव में बीएपी और कांग्रेस दोनों के प्रत्याशियों के प्राप्त वोटों में हजारों का फर्क रहा। कांग्रेस की जमीन पूरी तरह खिसकने के साथ ही क्षेत्र में बीएपी ज्यादा मजबूत होकर उभरी।

बागीदौरा के दो लाख से ज्यादा मतदाताओं में से लोकसभा सीट पर कांग्रेस को 6 हजार 350, जबकि विधानसभा सीट के लिए 8 हजार 904 वोट मिले। पार्टी के चिह्न पर चुनाव लड़े प्रत्याशियों का अंतर 2 हजार 554 रहा। चूंकि लोकसभा चुनाव के अन्य प्रत्याशियों में दो राजकुमार सहित पांच अन्य भी मैदान में थे, लिहाजा उनमें उनमें भी वोट बंटे, लेकिन उपचुनाव में तीसरा कोई नहीं था। यहां 7 हजार 92 वोट नोटा में गए। साफ है अपने गढ़ में भाजपा की तुलना में कांग्रेस को नुकसान हुआ।

भाजपा के सांसद प्रत्याशी मालवीया को बीएपी उम्मीदवार राजकुमार रोत के 'घर' चौरासी में अच्छा समर्थन मिला। बीएपी के गढ़ में मालवीया ने 47 हजार 201 वोट हासिल किए।

एनआईए की चार्जशीट में गोल्डी बराड़ का नाम, मास्टरमाइंड का नाम सामने आया

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर से एक बड़ी खबर सामने आई है। एनआईए ने सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड में 12 आरोपियों के खिलाफ चार्ज शीट पेश की है। इस मामले में अभी तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि चार आरोपी अभी भी फरार हैं। फरार आरोपियों में गैंगस्टर महेंद्र कुमार, रावताराम स्वामी उर्फ रोहित गोदारा, वीरेंद्र चरण और सतविंदर सिंह उर्फ गोल्डी बरार शामिल हैं। एनआईए ने राजस्थान, हरियाणा और पंजाब से सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया था। यह मामला आईपीसी, शस्त्र अधिनियम और यूए (पी) के तहत दर्ज किया गया था। जांच के दौरान एनआईए ने खुलासा किया कि गोगामेड़ी की हत्या के पीछे एक कुख्यात आतंकवादी-गैंगस्टर सिंडिकेट का हाथ है। गोगामेडी हत्याकांड की जांच में एनआईए ने कई महत्वपूर्ण सबूत जुटाए हैं, जो इस सिंडिकेट के कामकाज और अपराधों का पर्दाफाश करते हैं।

एनआईए की चार्ज शीट में आरोपियों के खिलाफ ठोस प्रमाण और गवाहियां शामिल की गई हैं, जो अदालत में उनके खिलाफ मजबूत मामला बनाएंगे। फरार आरोपियों की तलाश जारी है और एनआईए ने जनता से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध जानकारी के बारे में तुरंत सूचित करें। एनआईए ने कहा है कि वे इस मामले को सुलझाने और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

रफ्तार ने ली श्याम दीवानी 'मीरा' की जान

सीकर, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर जिले के रींगस में तेज रफ्तार ने फिर एक जान ले ली। सड़क हादसे में कलयुग की 'मीरा' के नाम से जानी जाने वाली खाटूश्याम की दीवानी आरती टाक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है । साथ ही आरोपी कार ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी चल रही है।

राजस्थान में खाटू श्याम बाबा की भक्त आरती टाक पिछले 15 साल से रोज रींगस से निशान लेकर पैदल ही खाटूधाम जाती थी। कल रींगस से पैदल निशान लेकर खाटू जा रही आरती की उसी मंदिर के रास्ते में मौत हो गई।

आगामी 48 घंटे में होगी बारिश

आंधी-तूफान का आईएमडी अलर्ट जारी

पाली, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के पाली में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 41 डिग्री पर पहुंच गया है, लेकिन गर्मी बेहाल कर रही है। सूर्य की तेज रश्मियों के कारण दोपहर के समय घरों व दफ्तरों से निकलने पर ऐसा लगता है मानो तपती भट्टी के पास से गुजर रहे है। जिले में न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहने के कारण लोगों को रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिली। उधर, दोपहर में गर्म हवा करीब 19 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चली।

मौसम केन्द्र जयपुर की माने तो आने वाले 36 घंटों में राज्य के तापमान में हल्की गिरावट आ सकती है। लू से भी राहत मिल सकती है। एक नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राज्य में आने वाले 72 घंटे में मेघ गर्जन के साथ कुछ जगहों पर बरसात होने व आंधी चलने की प्रबल संभावना है। इसी दौरान कुछ जगहों पर अचानक तेज हवाएं 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है।

मौसम केन्द्र की माने तो 8 व 9 जून को मौसम बदल सकता है। केन्द्र की ओर से पाली के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। उस दौरान तेज झोंकेदार हवाएं 30 से 40 किमी की रफ्तार से चल सकती है। आंधी चलने के साथ मेघ गर्जन व वज्रपात की घटनाएं हो सकती है। सिरोही के लिए ऐसा अलर्ट 9 जून को जारी किया है। वहीं जालोर के लिए कोई चेतावनी नहीं दी है।

कोचिंग हब में कम अंक का डिप्रेशन निगल गया एक और जान

कोटा, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा में नीट की तैयारी कर रही छात्रा ने आत्महत्या कर ली। नीट की परीक्षा में कम अंक आने से डिप्रेशन में गई छात्रा ने पांचवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया कि छात्रा बागिशा तिवारी, रीवागढ़ मध्यप्रदेश की रहने वाली थी। यहां कोटा में नीट की तैयारी कर रही थी। वह अपनी मां और भाई के साथ जवाहर नगर इलाके में एक बहुमंजिला फ्लैट में रह रही थी। घटना के समय छात्रा की मां अपने कमरे में सो रही थी।

जवाहर नगर थानाधिकारी हरिनारायण शर्मा ने बताया कि बगिशा तिवारी (18) रिवागढ़ मध्य प्रदेश की रहने वाली थी, जो पुखराज एलिमेंट बिल्डिंग की 5वीं मंजिल पर कमरा नं. 503 में उसकी मां और भाई के साथ रहती थी। छात्रा एक साल से नीट की तैयारी कर रही थी। उसका भाई 11वीं में पढ़ता है और वो भी जेईई की तैयारी कर रहा है।

गायक से फिरौती में 15 लाख मांगने वाले 6 गिरफ्तार

बूंदी, 6 जून (एजेंसियां)। बूंदी जिले में राजस्थानी गायक के अपहरण और फिरौती मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने गायक का अपहरण कर 15 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी।

इस पर बूंदी पुलिस ने नाकाबंदी कर 36 घंटे में वारदात का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर गायक को सुरक्षित बचा लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से स्कॉर्पियो कार भी जब्त की है।

आंध्र-तेलंगाना साउथ में बीजेपी के नए एंट्री गेट

मोदी-नायुडू की जोड़ी जगन पर भारी पडी

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में बीजेपी ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है। तीनों राज्यों में पार्टी को 2019 के चुनाव से डबल सीटें मिली हैं। तेलंगाना में बीजेपी ने 2019 में 4 सीटें जीती थीं, इस बार 8 सीटें जीती हैं। आंध्र प्रदेश में पार्टी पिछली बार खाता भी नहीं खोल पाई थी, इस बार उसे यहां से 3 सांसद मिले हैं।

बीजेपी को सबसे बड़ी जीत ओडिशा में मिली। यहां पार्टी को 21 में से 20 सीटें मिली हैं। पिछले चुनाव में 12 सीट जीतने वाली बीजेडी एक भी सीट हासिल नहीं कर पाई। वहीं, कांग्रेस एक सीट ही बचा पाई। आंध्र प्रदेश को छोड़ दें तो बीजेपी ने बाकी दोनों राज्यों में कभी इतनी सीटें नहीं जीती थीं। इन राज्यों में बीजेपी के बढ़ते ग्राफ के पीछे कौन है, पार्टी को किन मुद्दों पर वोट मिले, आंध्र-तेलंगाना और ओडिशा में मोदी मैजिक के मायने क्या हैं?

बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में बीआरएस की अस्थिरता का खूब फायदा उठाया। पार्टी ने पहले 15 उम्मीदवारों में 9 बीआरएस नेताओं को चुना। ये उन रीजन के नेता थे, जहां बीजेपी पहले से कमजोर थी। लिहाजा, पार्टी ने बीआरएस के मजबूत नेताओं को अपने पाले में कर लिया। बीजेपी को इसका फायदा भी मिला। पूर्व सीएम चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता की गिरफ्तारी से भी बीआरएस कमजोर हुई, जिसका फायदा बीजेपी को मिला। आंध्र प्रदेश में इस बार

बीजेपी ने टीडीपी और जनसेना ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा। तीनों पार्टियों के बड़े नेताओं पीएम मोदी, चंद्रबाबू नायुडू और पवन कल्याण ने अलग-अलग सीटों पर प्रचार किया। इसका फायदा बीजेपी को उन सीटस पर हुआ, जहां उसकी बिल्कुल पकड़ नहीं थी।

मोदी और अमित शाह की कैंपेनिंग का असर :

तेलंगाना में पिछले चुनाव में जिन सीटों पर पार्टी हारी थी, वहां गृह मंत्री अमित शाह ने इस बार 'विजय संकल्प यात्रा' निकाली। चुनाव से तीन दिन पहले ही अमित शाह ने चेवेल्ला सीट पर बड़ी रैली की थी। आक्रामक प्रचार का असर ये हुआ कि राज्य में बीजेपी की सीटें 4 से 8 सीट हो गईं। वहीं, आंध्र में जहां-जहां पीएम मोदी ने रैली की, वहां बीजेपी सहित एनडीए कैंडिडेट को भी जीत मिली। चुनाव से 10 दिन पहले प्रधानमंत्री राजमंड्री सीट पर बीजेपी कैंडिडेट डी. पुरंदेश्वरी के लिए प्रचार करने गए थे। उन्होंने रैली में जगन सरकार में हुए सैंड-माइन स्कैम और शराब की कालाबाजारी का मुद्दे उठाया। इस पर लोगों में पहले से नाराजगी थी। जगन सरकार के खिलाफ एंटी इनकम्बेंसी का असर दिखा और बीजेपी 3 सीट जीत गई।

कैंडिडेट्स सिलेक्शन पर पहले से ज्यादा फोकस रहा :

तेलंगाना में बीजेपी ने अपने कैंडिडेट्स सिलेक्शन पर बहुत ध्यान दिया। पार्टी ने मेदक सीट पर माधवनेनी रघुनंदन राव को टिकट दिया। मोदी खुद माधव के प्रचार के लिए मेदक सीट पर गए। मेदक और जहीराबाद सीट पर 80 प्रतिशत हिंदू वोटर्स हैं। बीजेपी को इसका फायदा मिला।

आंध्र में भी भाजपा का कैंडिडेट्स सिलेक्शन पर ज्यादा फोकस रहा। पार्टी ने राजमंड्री सीट से डी पुरंदेश्वरी, नरसापुरम से बुपाथिराजू श्रीनिवास वर्मा और अंकापल्ली से सीएम रमेश को टिकट दिया। ये तीनों ही सीटें कोस्टल आंध्र में आती हैं। यहां हिंदू वोटर्स की संख्या सबसे ज्यादा है। ऐसे में यहां के ज्यादा से ज्यादा वोट भाजपा के पाले में गए।

इस बार भाजपा ने ग्राउंड लेवल पर अच्छा काम किया। पार्टी ने 5 हजार से ज्यादा वॉलंटियर्स गांवों में भेजे। इनका काम लोगों को सेंट्रल की उन स्कीम्स के बारे में बताना था, जिसका फायदा उन्हें नहीं मिल रहा। जनता तक पार्टी की सीधी कनेक्टिविटी से वोटिंग पर्सेंटेज भाजपा की तरफ शिफ्ट होता दिखा।

आंध्र प्रदेश में भाजपा के पास खोने के लिए कुछ नहीं था, इसलिए उसने अपने सहयोगी दल टीडीपी और जनसेना के साथ प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी। एनडीए ने जीतने पर जनता को सुपर-6, बुजुर्गों का फ्री इलाज और फ्री बस सेवा जैसी सुविधा देने का वादा किया था। इसका असर ग्राउंड लेवल पर दिखा, जनता ने एनडीए को वोट दिया।

तेलंगाना में भाजपा एक मजबूत ताकत के रूप में उभरी : प्रभाकर

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्य उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने कहा कि लोकसभा चुनाव के नतीजों ने साबित कर दिया है कि भाजपा तेलंगाना में आठ संसदीय सीटों पर जीत के साथ एक मजबूत वैकल्पिक ताकत के रूप में उभरी है और उसका वोट शेयर भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है।

राज्य पार्टी कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रभाकर ने आरोप लगाया कि राज्य में राजनीतिक रूप से इस आम चुनाव में सबसे ज्यादा नुकसान मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को हुआ है क्योंकि महबूबनगर संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं ने अपने ही प्रतिष्ठित जिले में कांग्रेस उम्मीदवार को हराकर भाजपा को वोट दिया है। उन्होंने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी का मतदाताओं पर कोई प्रभाव नहीं है, क्योंकि कांग्रेस ने आठ सीटों पर चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की प्रतिष्ठा के कारण जीत हासिल की है, जिनका अपने निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों के साथ तालमेल था। भाजपा नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने से पहले रेवंत रेड्डी मल्काजगिरी लोकसभा क्षेत्र के सांसद थे, जहां भाजपा उम्मीदवार एटाला राजेंद्र ने जीत दर्ज की।

8 जून को राष्ट्रीय लोक अदालत

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 8 जून को तेलंगाना में उच्च न्यायालय से लेकर राज्य स्तर तक सभी स्तरों पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी प्रकार के सिविल मामलों और शमनीय आपराधिक मामलों (दोनों मुकदमेबाजी से पहले और लंबित मुकदमेबाजी के मामले) का निपटारा किया जाएगा। इस प्रक्रिया में, मुख्य न्यायाधीश और मुख्य संरक्षक तथा तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष के कुशल मार्गदर्शन में, सभी सिविल और शमनीय आपराधिक मामलों के निपटारे के लिए 8 जून को तेलंगाना राज्य भर में सभी न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

लोक अदालत बिना किसी खर्च (या) शुल्क के सेवाएं प्रदान कर रही है। लंबित मामलों में यदि कोई न्यायालय शुल्क अदा किया गया है, तो उसे वापस कर दिया जाएगा, यदि मामला लोक अदालत के माध्यम से निपटाया जाता है और लोक अदालत में पारित पुरस्कार के खिलाफ कोई अपील नहीं की जाती है। आम जनता से अनुरोध है कि वे आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने मामलों के निपटारे के लिए लोक अदालत प्रणाली का लाभ उठाएं, चाहे वह भौतिक हो या आभासी। जो भी व्यक्ति अपने लंबित मामलों या मुकदमेबाजी से पहले के मामलों का निपटारा कराना चाहते हैं, वे 8 जून को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अपने विवादों का निपटारा करवाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष/सचिव, संबंधित जिलों के जिला न्यायालय परिसर में न्याय सेवा सदन (या) निकटतम मंडल विधिक सेवा समिति/निकटतम न्यायालय से संपर्क कर सकते है।

गंगा पहाड स्थित सत्यम शिवम सुंदरम् गौ निवास में अमावस्या के अवसर पर गौमाता को चारा खिलाते हुए श्रद्धालू।

ज्येष्ठ अमावस्या के अवसर पर बजरंग सेना राष्ट्रीय टीम के साथ तेलंगाना टीम ने राष्ट्रीय अध्यक्ष भागेंद्र व्यास शास्त्री, राष्ट्रीय महासचिव अशोक शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष एन आर लक्ष्मण राव और अन्य सभी प्रदेश अध्यक्षों के सहयोग से आज अयोध्या राम मंदिर में भगवा रैली निकाली और भगवान श्रीराम के दर्शन किए। इस अवसर पर रजनी श्रीरामजू तेलंगाना प्रदेश महिला अध्यक्ष, दीपा शाह गुजरात महिला अध्यक्ष, सूर्या शुक्ला महासचिव, येरम श्रीनिवास उपाध्यक्ष, सुनील अग्रवाल संयुक्त सचिव, रामेश्वर मिश्रा, राजाराम, दयानंद रेड्डी, नरेश चंदू, और अन्य लोग उपस्थित थे।

सोफा बनाने वाली यूनिट में लगी आग

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली में सोफा बनाने वाली यूनिट में गुरुवार शाम को आग लग गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस के अनुसार, नामपल्ली के सुभानपुरा इलाके में स्थित सोफा बनाने वाली यूनिट में शाम करीब 5 बजे आग लगी। आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय निवासी अपने घरों से बाहर निकल आए, क्योंकि उन्हें डर था कि आग घरों में भी फैल सकती है।

सूचना मिलते ही दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे तक आग पर काबू पाया और आग बुझाई। सड़कें संकरी होने और घटनास्थल पर वाहन खड़े होने के कारण दमकल कर्मियों को मौके पर पहुंचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। अग्निशमन अधिकारियों को संदेह है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी होगी। हालांकि, अधिकारी आग लगने के सही कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

मेदक में बिजली गिरने से 2 की मौत

मेदक, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले के हवेलीघनपुर मंडल के शामनापुर गांव में बुधवार रात बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। जंगल में लकड़ियां इकट्ठा करने गए दोनों व्यक्ति रात तक घर नहीं लौटे तो ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन उनका पता नहीं चल सका। हालांकि, गुरुवार सुबह जब ग्रामीणों ने फिर से तलाश शुरू की तो उन्हें एक पहाड़ी पर उनके शव मिले। वे शेट्टीबोयिना सिद्दैया (50) और चकाली नंदू (22) थे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेदक के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है। तेलंगाना के लगभग सभी जिलों में बारिश हो रही है और बुधवार को कई जिलों में बिजली चमकने और गरज के साथ छींटे पड़े।

बिहार महिला ऐसोसिएशन ने वर पुजा दुर्गा माता मंदिर इंदिरा नेहरु नगर मल्काजगिरी में मनाई। इस मौके पर भारी मात्रा में महिलाओं ने वर पुजा की।

ग्रामीणों ने माओवादियों के खिलाफ किया प्रदर्शन

मुलुगु, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के वाजेडु मंडल के अंतर्गत कोंगाला पहाड़ी जंगल में 3 जून को माओवादियों द्वारा लगाए गए संदिग्ध बारूदी सुरंग विस्फोट में मारे गए येल्लंदुला येसु के परिवार के सदस्यों ने बुधवार को जगन्नाथपुरम गांव से गुजरने वाले राजमार्ग पर माओवादियों के खिलाफ ग्रामीणों ने एक साथ रैली निकाली। उन्होंने मांग की कि सरकार उनके साथ न्याय करे। रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। गौरतलब हो कि जगन्नाधपुरम गांव के तीन ग्रामीणों के साथ येसु जंगल में जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करने गया था। जब वे जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करने में व्यस्त थे, तब येसु का पैर एक बारूदी सुरंग पर पड़ गया, जिससे विस्फोट हो गया।

ज्येष्ठ अमावस्या पर इमलीवन गोशाला गौलिगुडा चमन हैदराबाद में गायों को चारा खिलाते हुए जामबाग के नगरसेवक राकेश जयसवाल, सिकंदराबाद एवं बोईनपल्ली मार्केट व्यापार संघ के अध्यक्ष ए गौतम जैन, पी राजेंद्र यादव, मनिलाल शाह, गजानंद चौधरी, रघुनंद गोप, एम नरसिंग राव, प्रेमचंद मुंतोष, सुरेश यादव, रामचंदर आदि।

अग्रणी महिला मंच ने 6 जून को वट सावित्री पूजा के उपलक्ष्य में नारायणगुड़ा, हनुमान मंदिर में महिलाओं ने वट सावित्री पूजा की। इस अवसर पर अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, राखी, मधु आदि उपस्थित थे।

लापता विश्वविद्यालय कर्मचारी मृत पाया गया

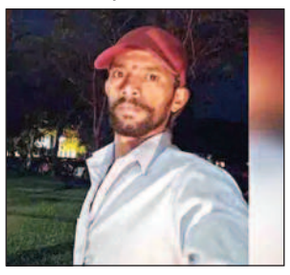

संगारेड्डी, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वॉक्सेन विश्वविद्यालय के लापता संविदा कर्मचारी दोषादा संगमेश्वर (34) का शव गुरुवार शाम सदाशिवपेट मंडल में गंगा काठवा चेक-डैम में मिला। यह जलाशय विश्वविद्यालय परिसर से करीब 15 किलोमीटर दूर स्थित है। शव मिलने से उसके परिवार की उम्मीदें टूट गईं। माली 2 जून को शाम 6.30 बजे ड्यूटी ज्वाइन करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में आया था, लेकिन अगली सुबह घर नहीं लौटा। वह सुबह 2.30 बजे तक परिसर में काम करता हुआ पाया गया। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रबंधन और पुलिस को संगमेश्वर के विश्वविद्यालय परिसर से बाहर निकलने का कोई सबूत नहीं मिला। आम तौर पर कर्मचारी ड्यूटी के बाद चेकआउट रजिस्टर में साइन करते हैं, लेकिन उसने चेकआउट रजिस्टर में साइन नहीं किया था। जब उसकी पत्नी ज्योति ने 3 जून को प्रबंधन से संपर्क किया, क्योंकि उसका पति घर नहीं लौटा, तो उसे उचित जवाब नहीं मिला।

परिवार के सदस्यों को परिसर में मुनिपल्ली के कामकोले निवासी संगमेशर द्वारा इस्तेमाल किए गए जूते और टॉर्च मिले। एक दिन इंतजार करने के बाद ज्योति ने अपने रिश्तेदारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद संगारेड्डी पुलिस ने लापता व्यक्ति का पता लगाने के प्रयास शुरू किए। सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों की जांच करने के बाद पुलिस को आखिरकार चेक डैम में शव मिला। संगारेड्डी पुलिस गुरुवार रात को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सकती है। इस बीच, विश्वविद्यालय प्रबंधन ने एक प्रेस बयान में कहा कि वे अपने कर्मचारियों के कल्याण और सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने घटना की चल रही जांच में पुलिस का समर्थन करने का आश्वासन दिया।

आईटीडीए पीओ ने दिए निर्देश

कोत्तागुडेम, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी कल्याण विभाग द्वारा संचालित आश्रम विद्यालयों, जूनियर और डिग्री महाविद्यालयों में सभी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं, आईटीडीए परियोजना अधिकारी प्रतीक जैन ने बताया। उन्होंने गुरुवार को भद्राचलम शहर के कुनावरम रोड पर स्थित आदिवासी कल्याण डिग्री महाविद्यालय, जूनियर महाविद्यालय और बालिका आश्रम विद्यालय में छात्राओं के लिए प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का निरीक्षण किया।

जैन ने अधिकारियों को सभी छात्राओं के लिए पर्याप्त संख्या में बिस्तर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि चूंकि कुछ कमरों में पंखे और ट्यूबलाइट उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए आश्रम विद्यालय के लिए 25 पंखे, 25 ट्यूबलाइट और डिग्री महाविद्यालय के लिए 20 पंखे और 20 ट्यूबलाइट लगाने होंगे, इसके अलावा 80 और बिस्तर खरीदने होंगे।

मिधानि में हिंदी कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्रालय के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में हैदराबाद एवं रोहतक के अधिकारियों, कर्मचारियों के लिए राजभाषा कार्यान्वयन में प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग विषय पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के आरंभ में उद्यम के प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) डॉ. बी. बालाजी ने कार्यशाला के आयोजन के उद्देश्य को स्पष्ट किया और परिचय दिया। उन्होंने प्रथम सत्र में प्रतिभागियों को राजभाषा नीति के संवैधानिक प्रावधान, राजभाषा अधियम, 1963 और राजभाषा नियम, 1976 की जानकारी दी और इनके कार्यान्वयन के लिए मिधानि में किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। उन्होंने प्रतिभागियों को हिंदी में कामकाज संबंधी प्रोत्साहन योजनाओं के बारे में बताते हुए हिंदी के प्रयोग के क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा की।

द्वितीय सत्र व तृतीय सत्र में ओम प्रकाश अग्रवाल, प्रबंधक (आईटी) (से.नि.), भारतीय रिज़र्व बैंक ने (से.नि.) राजभाषा कार्यान्वयन में प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग पर व्याख्यान देते हुए दो भोगों में कंप्यूटर पर हिंदी में काम करने के साथ -साथ एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल तथा एआई व चैटजीपीटी पर ज्ञानवर्धक जानकारी साझा की। यह कार्यशाला रोहतक के कर्मचारियों के लिए ऑनलाईन मोड में आयोजित की गई थी।

बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में अमावस्या के अवसर पर आयोजित विविध कार्यक्रमों में अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, कोषाध्यक्ष ढगलाराम सेपटा, अर्जुनलाल बर्फा, भंवरलाल मुलेवा, पारसमल शर्मा, बाबूलाल मुलेवा, गोपाराम मुलेवा, भगाराम मुलेवा, पवन हाम्बड़, भीकाराम पंवार, चेलाराम पंवार, बगदाराम बर्फा, नवरत्न पंवार, प्रकाश हाम्बड़, राजेश हाम्बड़, पांचाराम पंवार चन्दु पंवार, राजू पंवार, गोतम पंवार उपस्थित थे। आईमाता जी भजन मण्डली बालाजी नगर द्वारा भजन प्रस्तुत किए गए। हेल्थ चेकअप कैंप आयोजित किया गया।

ज्येष्ठ अमावस्या के अवसर पर मेडचल रोड कल्लाकल स्थित देवी श्री आईजी गौशाला में गोसेवा करते हुए चुन्नी लाल, सिरवी तारा राम पंवार, कालू राम, प्रकाश, लुम्बा राम, चिंटू, गणेश, कृष्ण, सुरेश, प्यारी बाई, मंजू बाई, द्वारिका, रिंकू, बालू देवी एवं अन्य।

शमशेरगंज स्थित शिवमंदीर गौशाला और पालमाकुल स्थित ओम शिव मंदिर गौशाला में अमावस्या के अवसर पर गो सेवा करते श्रद्धालू।

मकान मालिक के घर से सोना चुराने के आरोप में किराएदार गिरफ्तार

कोत्तागुडेम, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तागुडेम में दो-शहर पुलिस ने गुरुवार को मकान मालिक के घर से सोने के आभूषण चुराने वाले किराएदार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस निरीक्षक रमेश ने बताया कि आरोपी महावीर कस्बे के एससीबी नगर में अपनी पत्नी के साथ रहने वाले बुजुर्ग मनोहर बाबू के मकान के एक हिस्से में रह रहा था। आरोपी ने दंपति से दोस्ती की और कुछ समय पहले मकान मालिक द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले ताले की एक अतिरिक्त चाबी चुरा ली। फरवरी 2023 में जब बाबू और उनकी पत्नी मंदिर गए तो महावीर चाबी का इस्तेमाल कर मकान मालिक के घर में घुस गया और करीब 117 ग्राम वजन के सोने के आभूषण चुराकर अपने घर में छिपा दिए। कुछ दिनों बाद दंपति ने अमेरिका जाने से पहले अलमारी की जांच की, जहां उनका एक बच्चा रहता है, तो पाया कि आभूषण चोरी हो गए हैं। लेकिन बाबू पुलिस में शिकायत नहीं कर सके क्योंकि उन्हें अमेरिका जाने की जल्दी थी और बाद में उन्होंने अपने एक दोस्त से स्थानीय पुलिस में शिकायत करने को कहा। बाबू के अमेरिका से लौटने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी और महावीर को गोदुमवागु पुल पर उस समय पकड़ लिया जब वह चोरी के आभूषण बेचने जा रहा था, जिसकी कीमत 7.60 लाख रुपये थी।

भारतीय रेलवे का पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस पहल जारी

रेलवे में 249 जागरूकता और 147 कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। इस वर्ष, भारतीय रेलवे जून 2024 के महीने के दौरान पर्यावरण पर व्यवहार परिवर्तन के प्रभाव के बारे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से 'मिशन लाइफ' पर जन-आंदोलन के लिए प्रमुख आउटरीच और वकालत गतिविधियां भी कर रहा है। अब तक, सभी भारतीय रेलवे में 249 जागरूकता और 147 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें 4921 प्रतिभागियों ने भाग लिया है। भारतीय रेलवे में कुल 4395 'मिशन लाइफ' प्रतिज्ञाएं भी दिलाई गई हैं।

भारतीय रेलवे थोक परिवहन का एक पर्यावरण अनुकूल साधन है। पर्यावरण संरक्षण के लिए, रेलवे लगातार ऐसी पहल कर रहा है, जिसका प्रदूषण/जीएचजी उत्सर्जन को कम करने, संसाधनों और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने और स्थिरता में योगदान देने के माध्यम से पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। टिकाऊ होने के लिए भारतीय रेलवे द्वारा की गई कुछ प्रमुख नीतिगत पहल इस प्रकार है। भारतीय रेलवे ने अप्रैल 2024 तक 63,456 रूट किलोमीटर (आरकेएम) का विद्युतीकरण किया है, जो भारतीय रेलवे के कुल ब्रॉड-गेज नेटवर्क का 967 से अधिक है। कुल 2637 स्टेशनों और सेवा भवनों को सौर छत संयंत्रों से सुसज्जित किया गया है, जिनकी कुल विद्युत उत्पादन क्षमता 177 मेगावाट है। रेलवे स्टेशनों और अन्य भवनों के पुनर्विकास के लिए ऊर्जा दक्षता दिशा-निर्देश सुपर-ईसीबीसी अनुपालन के साथ जारी किए गए हैं। इन सुपर ईसीबीसी दिशा-निर्देशों को जलवायु अनुकूल भवन डिजाइन और ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकियों के माध्यम से ऊर्जा की मांग को कम करने के लक्ष्य के साथ विकसित किया गया है। प्रमुख रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए, भारतीय रेलवे ने पर्यावरण प्रबंधन योजना के रूप में दिशा-निर्देश प्रदान किए हैं। आसपास के क्षेत्रों में निर्माण के प्रभावों को कम करने के लिए क्षेत्रीय रेलवे में इन दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना है। नीतिगत पहल के रूप में, भारतीय रेलवे ने अपने माल ग्राहकों को "रेल ग्रीन पॉइंट्स" नामक कार्बन सेविंग पॉइंट्स आवंटित करने की अवधारणा शुरू की है, जो कार्बन उत्सर्जन की अपेक्षित बचत का विवरण देते हैं। पर्यावरणीय प्रभाव पैदा करने में ग्राहकों की भागीदारी की यह पहल उन्हें भविष्य में ट्रेन द्वारा अधिक परिवहन करने के लिए प्रेरित करेगी। भारतीय रेलवे ने व्यापक अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों को लागू किया है जो पुनर्चक्रण, कमी और इसके जिम्मेदार निपटान पर जोर देती हैं।

हरित क्षेत्र का निर्माण, खतरनाक अपशिष्ट पदार्थों का उचित निपटान और भूजल स्तर को रिचार्ज करने से भूमि क्षरण को रोका जा सकता है। भारतीय रेलवे ने अपनी उत्पादन प्रक्रिया में ऊर्जा कुशल बनने के लिए बड़े कदम उठाए हैं। वर्तमान में सभी 8 पीयू और 44 कार्यशालाएं आईएसओ-50001 प्रमाणित हैं, जो ऊर्जा संरक्षण और ऊर्जा दक्षता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। लगभग 700 प्रमुख रेलवे स्टेशनों को पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए आईएसओ 14001 प्रमाणित किया गया है। इसके अलावा, भारतीय रेलवे ने लगभग 65 अपशिष्ट उपचार संयंत्र, 86 जल पुनर्चक्रण संयंत्र, 90 सीवेज उपचार संयंत्र, 18 अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र, 186 अपशिष्ट से खाद और 32 ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र स्थापित किए हैं। लगभग 208 स्टेशनों पर खाद बनाने वाले संयंत्र हैं और 193 रेलवे स्टेशनों पर सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधाएं हैं। प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर लगभग 826 प्लास्टिक पानी की बोतल क्रशिंग मशीनें लगाई गई हैं। स्वच्छ भारत अभियान के तहत भारतीय रेलवे ने स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए कई पहल की हैं। भारतीय रेलवे ने अपने सभी कोचों में बायो-टॉयलेट की व्यवस्था सुनिश्चित की है, जिससे ट्रेनों से सीधे मानव मल निकलने की समस्या खत्म हो गई है। शौचालयों में पानी की खपत कम करने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे ने एक कदम आगे बढ़ते हुए नए कोचों में बायो-वैक्यूम टॉयलेट लगाने की शुरुआत की है। वर्ष 2023-24 में रेलवे में कुल लगभग 76 लाख पौधे लगाए गए हैं।

विराट की फ्लॉप बल्लेबाजी पर सुनील गावस्कर का रिएक्शन

पाकिस्तान के खिलाफ होगी चुनौती

न्यूयॉर्क, 6 जून (एजेंसियां)। भारत और आयरलैंड के बीच 5 जून को मुकाबला खेला गया। जिसको टीम इंडिया ने आसानी से जीत लिया था। जैसा कि इस मैच से पहले टीम इंडिया की ओपनिंग जोड़ी को लेकर कयास लगाए जा रहे थे, मैच के दौरान वहीं देखने को मिला। टीम इंडिया के लिए कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने पारी की शुरुआत की थी। जहां रोहित शर्मा ने कमाल की बल्लेबाजी की तो वहीं विराट कोहली ओपनिंग करते हुए पहले ही मैच में फ्लॉप हो गए। जिसके बाद अब विराट कोहली को लेकर पूर्व भारतीय दिग्गज का बयान सामने आया है।

आयरलैंड के खिलाफ विराट कोहली ओपनिंग करने आए थे। इस दौरान विराट 5 गेंदों पर महज एक रन बनाकर आउट हो गए थे। जिसके बाद स्टार स्पोर्ट्स पर बोलते हुए सुनील गावस्कर ने कहा कि मेरा मानना है कि विराट कोहली, स्टीव स्मिथ और बाबर आजन जैसे बड़े खिलाड़ी एक मैच में विफल होने के बाद अगले मैच में उसकी भरपाई करने का सोचते हैं। अगले मैच में ये खिलाड़ी दोगुने रन बनाना चाहते हैं। आयरलैंड के खिलाफ कोहली रन नहीं बना पाए थे लेकिन अब पाकिस्तान से बेहतर उनके लिए दोगुने रन बनाने का अच्छा मौका नहीं होगा।

भारत ने 8 विकेट से जीता था मैच

इस मैच में आयरलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में महज 96 रनों पर आउट हो गई थी। टीम इंडिया की तरफ से गेंदबाजी करते हुए हार्दिक पांड्या ने सबसे ज्यादा 3 विकेट हासिल किए थे। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल ने भी काफी शानदार गेंदबाजी की।

बुमराह ने 2 विकेट, सिराज और अक्षर ने 1-1 विकेट हासिल किया। वहीं 99 रनों के लक्ष्य को टीम इंडिया ने 12.2 ओवर में 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया था। भारत की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए कप्तान रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा 52 रनों की पारी खेली थी। इसके अलावा ऋषभ पंत ने 36 रन बनाए थे।

रोहित शर्मा की चोट गंभीर नहीं

बोले- बस थोड़ा दर्द है; आयरलैंड के खिलाफ चोट की वजह से रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा

न्यूयॉर्क, 6 जून (एजेंसियां)। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा की चोट गंभीर नहीं है। रोहित ने आयरलैंड के खिलाफ मैच के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में कहा, बस थोड़ा सा दर्द (हाथ में) है। न्यूयॉर्क के नसाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में भारत-आयरलैंड मैच के दौरान ड्रॉप-इन पिचों में असामान्य उछाल देखा गया, जिस कारण भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विकेटकीपर ऋषभ पंत चोटिल हो गए। रोहित को तो रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था। उन्हें नौवें ओवर की दूसरी गेंद पर ऊपरी बांह पर चोट लगी। चोट के कारण उन्हें 10वें ओवर की अंतिम गेंद के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा।

रोहित की अर्धशतकीय पारी

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने नसाउ में स्विंग और बाउंस हो रही आयरलैंड की गेंदबाजी के सामने आक्रामक बैटिंग की। टीम पर दबाव नहीं बनने दिया। 140 के स्ट्राइक रेट से 52 रन बनाए। 4 चौके और 3 छक्के जड़े। जब रोहित चोट के चलते रिटायर हुए, तब इंडिया को जीत के लिए 21 रन चाहिए थे। रोहित ने विराट के साथ 22 और ऋषभ पंत के साथ 54 रन की साझेदारी भी की। विराट ने रोहित के साथ साझेदारी में सिर्फ 1 रन बनाया था।

भारत ने आयरलैंड को हराया

टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया ने आयरलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच जीत लिया। न्यूयॉर्क के नसाउ इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। इंडियन बॉलर्स ने आयरलैंड की टीम को 96 रन पर ऑलआउट कर दिया। इसके बाद बल्लेबाजों ने 13वें ओवर में टारगेट चेज कर लिया। रोहित शर्मा ने फिफ्टी लगाई।

ऑस्ट्रेलिया ने ओमान को 39 रन से हराया

स्टोयनिस ने नाबाद 67 रन बनाए और 3 विकेट झटके; वॉर्नर की फिफ्टी

बारबाडोस, 6 जून (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के 10वें मैच में ऑस्ट्रेलिया ने ओमान को 39 रन से हरा दिया। ओमान ने गुरुवार को बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी है। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बैटिंग करते हुए 5 विकेट खोकर 164 रन बनाए जवाब में ऑस्ट्रेलिया 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 125 रन बना सकी।

ऑस्ट्रेलिया के लिए मार्कस स्टोयनिस ने दोहरा प्रदर्शन किया। पहले स्टोइनिस ने बल्लेबाजी में कमाल करते हुए 186.11 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 67 रनों की शानदार पारी खेली और फिर बॉलिंग करते हुए 3 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

ऑस्ट्रेलिया के स्टार ओपनर डेविड वॉर्नर ने 51 गेंदों में 6 चौके और 1 छक्के की मदद से 56 रनों की पारी खेली। उन्होंने चौथे विकेट के लिए मार्कस स्टोयनिस के साथ 102 रनों की साझेदारी की।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से बॉलर जम्पा ने दो विकेट झटके। उन्होंने 4 ओवर में 6 की इकोनॉमी से 24 रन दिए। उन्होंने शोएब खान को शून्य पर बोल्ड किया। इसके अलावा आयन खान को भी आउट किया।

फाइटर ऑफ द मैच : ओमान के बैटर मेहरान खान ने टीम की ओर से शानदार प्रदर्शन किया लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उन्होंने पहले बॉलिंग करते हुए दो विकेट झटके। उन्होंने मिचेल मार्श और ग्लेन मैक्सवेल को अपना शिकार बनाया। इसके बाद उन्होंने 16 गेंदों में 27 रन की पारी खेली। उन्होंने इस दौरान 2 छक्के लगाए। मेहरान टीम के दूसरे टॉप स्कोरर रहें।

स्टोयनिस और वॉर्नर के बीच 102 रनों की साझेदारी

ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका 19 रन के स्कोर पर लगा। ट्रैविस हेड को बिलाल खान ने आउट किया। वह सिर्फ 12 रन बना सके। टीम के लिए मार्कस स्टोयनिस ने सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 36 गेंदों में 2 चौके और 6 छक्कों की मदद से नाबाद 67 रनों की पारी खेली। ओपनर डेविड वॉर्नर ने 51 गेंदों में 6 चौके और 1 छक्के की मदद से 56 रनों की पारी खेली।

मार्कस स्टोयनिस और डेविड वॉर्नर के बीच चौथे विकेट के लिए 102 (64 गेंद) रनों की साझेदारी हुई। ओमान के लिए मेहरान खान ने सबसे ज्यादा 2 विकेट झटके। उन्होंने मिचेल मार्श और ग्लेन मैक्सवेल को अपना शिकार बनाया।

ओमान की पारी : अयान ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए

टारगेट का पीछा करने उतरी ओमान 20 ओवर में 9 विकेट पर 125 रन ही बना सकी। ओमान के लिए अयान खान ने सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 30 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 36 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टोइनिस ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके। मिचेल स्टार्क, नाथन एलिस और एडम जम्पा ने 2-2 विकेट लिए।

पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले मुश्किल में टीम इंडिया, द्रविड़ ने पहले ही दे दी थी चेतावनी

खेल डेस्क, 6 जून (एजेंसियां)। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला जा रहा है। भारतीय टीम को शुरुआती 3 मुकाबले नासाऊ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम पर खेलने हैं। टीम इंडिया ने बांग्लादेश के खिलाफ अपना वॉर्म अप मैच भी इसी मैदान पर खेला था। इस मैच में टीम इंडिया को बड़ी जीत मिली थी। इसके बाद भारत और आयरलैंड के बीच भी मुकाबला इसी मैदान पर खेला गया, जिसमें भारत को जीत मिली है। बावजूद इसके पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले टीम इंडिया की टेंशन बढ़ गई है। टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने इसको लेकर पहले ही चेतावनी दे दी थी।

बता दें कि बांग्लादेश के खिलाफ मैच होने से पहले ही राहुल द्रविड़ ने पिच पढ़ने के बाद कहा था कि यह पिच थोड़ी नरम है। इस पिच पर खिलाड़ियों को संभलकर खेलने की जरूरत है, नहीं तो खिलाड़ी चोटिल हो सकते हैं। अब आयरलैंड के खिलाफ द्रविड़ की भविष्यवाणी सच साबित हुई है। आयरलैंड के खिलाफ मैच के दौरान भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल हो गए। रोहित अर्धशतक जड़कर खेल रहे थे, लेकिन चोट लगने के कारण उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए सूर्यकुमार यादव आए, लेकिन वह सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हो गए। भारतीय टीम जब बल्लेबाजी कर रही थी, इस दौरान ना सिर्फ रोहित शर्मा, बल्कि ऋषभ पंत भी चोटिल हो गए। हालांकि पंत को अधिक चोट नहीं थी, तो वह खेलते रहे।

कई पूर्व दिग्गज इसके लेकर दे चुके हैं बयान

अमेरिका की यह पिच खूब विवादों में है। भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर इरफान पठान ने भी इसको लेकर कहा कि मुझे यकीन नहीं हो रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच इस खराब पिच पर खेला जाएगा। इतनी खराब पिच अगर एशिया में होती, तो एक मैच खेलने के बाद उस पर दूसरा मैच खेलने में लंबा वक्त लग जाता।

उन्होंने आगे कहा कि मैं खुद चाहता हूं कि अमेरिका में क्रिकेट को प्रमोट किया जाए, लेकिन इसके लिए ऐसी पिच पर खेलना, यह सही नहीं है। इसके अलावा इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर माइकल वॉन भी इस पिच को बेहद घटिया बता चुके हैं।

इंडोनेशिया ओपन के पहले दौर से बाहर हुई पीवी सिंधू

जकार्ता, 6 जून (एजेंसियां)। महिला डबल्स वर्ग के अंतिम 32 दौर में ऋतुपर्णा पांडा और स्वेतपर्णा पांडा की भारतीय जोड़ी कोरिया की छठी वरीयता प्राप्त किम सो येओंग और कोंग ही योंग की जोड़ी से 12-21, 9-21 से हार गई।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को इंडोनेशिया ओपन बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। सिंधू को महिला सिंगल्स वर्ग के मुकाबले में पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू को चीनी ताइपे की सू वेन-ची से 15-21, 21-15, 14-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। यह वेन-ची के खिलाफ उनकी पहली हार है।

ताइवान की खिलाड़ी को राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता को हराने में एक घंटे 10 मिनट का समय लगा। महिला डबल्स वर्ग के अंतिम 32 दौर में ऋतुपर्णा पांडा और स्वेतपर्णा पांडा की भारतीय जोड़ी कोरिया की छठी वरीयता प्राप्त किम सो येओंग और कोंग ही योंग की जोड़ी से 12-21, 9-21 से हार गई।

अगले महीने पेरिस ओलंपिक होना है। उससे पहले सिंधू का इनकंसिस्टेंट फॉर्म चिंता का विषय है। इससे पहले सिंधू सिंगापुर ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में कैरोलिना मरीन से हार गई थीं। उससे पहले मलयेशिया मास्टर्स में सिंधू का फॉर्म शानदार रहा था। वह फाइनल में पहुंची थीं। हालांकि, सिंधू को मलयेशिया मास्टर्स के फाइनल में चीन की वांग झी यी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय शटलर महिला एकल के खिताबी मैच में अपने चीनी प्रतिद्वंद्वी से 21-16, 5-21 और 16-21 से हार गईं थीं।

लो स्कोरिंग थ्रिलर में जीता युगांडा

पापुआ न्यू गिनी को 3 विकेट से हराया, रियाजत ने खेली 33 रन की मैच विनिंग पारी

गुयाना, 6 जून (एजेंसियां)। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप में गुरुवार को युगांडा और पापुआ न्यू गिनी के बीच मुकाबला खेला गया। अपना पहला टी-20 वर्ल्ड कप खेल रही युगांडा ने टूर्नामेंट का पहला मैच जीता। टीम ने पापुआ न्यू गिनी को 3 विकेट से हराया।

गयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में युगांडा ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। पापुआ न्यू गिनी पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.1 ओवर में 77 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाब में युगांडा ने 18.2 ओवर में 7 विकेट खोकर टारगेट चेज कर लिया।

रियाजत अली शाह ने 35 रन की मैच विनिंग पारी खेली। वहीं, जुमा मियागी ने 14 रन बनाए। वहीं, युगांडा की ओर से अल्पेश रामजानी, जुमा मियागी, कॉसमास क्यवुता और फ्रैंक न्सुबुगा को 2-2 विकेट मिले।

पापुआ न्यू गिनी के लिए ऑलराउंडर हिरी हिरी ने सबसे ज्यादा 15 रन बनाए। बॉलिंग में एली नाओ और नॉर्मन वनुआ को 2-2 सफलता मिली।

पापुआ न्यू गिनी की पारी: टीम ने लगातार विकेट खोए

पावरप्ले में पीएनजी के बैटर्स ने 3 विकेट खो दिए। टीम को पहला झटका पहले ही ओवर में लग गया।

मैच की दूसरी बॉल पर ही अल्पेश रामजानी ने ओमान के कप्तान असद वाला का एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। वहीं, सेसे बाऊ और टोनी ऊरा 1 रन बनाकर आउट हो गए। पहले 4 ओवर में ही टीम के 4 विकेट गिर गए।

पीएनजी लगातार विकेट खोती रही, टोनी उरा, लेगा सियाका और चार्ल्स अमिनी सभी अपनी टीम के लिए बड़ा स्कोर बनाए बिना ही पवेलियन लौट गए।

इसके बाद फ्रैंक न्सुबुगा ने पापुआ न्यू गिनी को एक और झटका दिया, जब उन्होंने सेट बल्लेबाज हिरी हिरि को 15 रन पर आउट कर दिया। इसके बाद अल्पेश रामजानी ने किप्लिन डोरिगा को 12 रन पर आउट कर दिया। इसके बाद युगांडा ने चाड सोपर, एली नाओ और नॉर्मन वनुआ को आउट कर टीम को 77 रन पर ऑलआउट कर दिया।

युगांडा के लिए पारी की शुरुआत ठीक नहीं रही। टीम ने पहले 7 ओवर में ही 5 विकेट खो दिए। पापुआ न्यू गिनी के पेसर एली नाओ ने पहले ओवर में ही रोजर मुकासा का विकेट लेकर टीम को सफलता दिला दी। लगातार तीन ओवर में तीन विकेट आए।

अल्पेश रामजानी और दिनेश नकरानी ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन रामजानी छठे और नकरान 7वें ओवर में पवेलियन लौट गए। टीम का स्कोर 6.3 ओवर के बाद 5 विकेट पर 26 रन हो गया।

हालांकि, रियाजत अली शाह और जुमा मियाजी ने पारी संभाली और 35 रन की साझेदारी की। रियाजत 33 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में केनेथ वैसवा (7) और कप्तान ब्रायन मसाबा (0) ने नाबाद रहे।

टर्निंग पॉइंट

रियाजत अली शाह और जुमा मियाजी के बीच 35 रनों की अहम साझेदारी ने मैच का रुख युगांडा की तरफ मोड़ दिया। 26 रन पर 5 विकेट हो जाने के बाद पापुआ न्यू गिनी जीत की ओर अग्रसर हो रही थी। हालांकि, शाह और जुमा मियाजी आए और 43 बॉल में 35 रन की साझेदारी कर, युगांडा को टारगेट के पास ला दिया।

फाइटर ऑफ द मैच

पापुआ न्यू गिनी के पेसर एली नाओ फाइटर ऑफ द मैच रहे। 77 रन के लो स्कोर को डिफेंड करने के लिए नाओ ने टीम को शानदार शुरुआत दी और पहले और तीसरे ओवर में टीम को सफलता दिलाई।

युगांडा के 43 साल के गेंदबाज ने बुमराह को भी किया फेल

टी20 वर्ल्ड कप में रिकॉर्ड बनाकर रचा इतिहास

खेल डेस्क, 6 जून (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 कई मायनों में खास है क्योंकि इस बार 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं. 2007 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार इतनी टीमें खेल रही हैं. क्रिकेट को ग्लोबल स्तर पर पहुंचाने के लिए इस वर्ल्ड कप अमेरिका की सह मेजबानी में कराया जा रहा है, जिसमें आईसीसी ने कई एसोसिएट नेशन को मौका दिया है. 6 जून को इन्हीं में से दो देश युंगाडा और पापुआ न्यू गिनी के बीच मैच हुआ. इस मुकाबले में युंगाडा के एक गेंदबाज ने अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया. उनके प्रदर्शन के आगे मौजूदा दौर के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाज माने जाने वाले जसप्रीत बुमराह भी फीके नजर आए. उन्होंने पीएनजी के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप में नया इतिहास रच दिया है. फ्रैंक नसुबुगा युंगाडा के ऑलराउंडर हैं. हालांकि वो बुमराह की तरह तेज गेंदबाज नहीं हैं बल्कि एक ऑफ स्पिनर हैं लेकिन उन्होंने अपनी स्पिन से पीएनजी के बल्लेबाजों के पसीने छुड़ा दिए.वेस्टइंडीज के गयाना में टी20 वर्ल्ड कप 2024 का नौवां मैच खेला गया, जिसमें नसुबुगा ने 2007 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे सस्ता 4 ओवर का स्पेल फेंका. इसके साथ उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है. नसुबुगा ने 4 ओवर के स्पेल में 20 डॉट गेंद फेंकी. उन्होंने टी20 में हैरान कर देने वाली 1 की इकोनॉमी से महज 4 रन दिए और 2 विकेट भी चटकाए. वहीं बुमराह ने आयरलैंड के खिलाफ 3 ओवर का स्पेल फेंका था, जिसमें 2 इकोनॉमी से 6 रन दिए थे और 2 विकेट भी चटकाए थे.

युगांडा के फ्रैंक नसुबुगा केवल इस मैच में ही बल्कि टी20 इंटरनेशनल मुकाबलों में मेडेन फेंकने के मामले में भी जसप्रीत बुमराह से आगे हैं. टी20 इंटरनेशन में सबसे ज्यादा मेडेन ओवर फेंकने का रिकॉर्ड नसुबुगा के पास ही है. उन्होंने 55 मुकाबलों में 17 मेडेन फेंके हैं. इस लिस्ट में बुमराह तीसरे नंबर पर हैं और उन्होंने 63 मैच में कुल 12 मेडेन ओवर फेंके हैं. फ्रैंक नसुबुगा ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में सबसे उम्रदराज (43 साल 282 दिन) खिलाड़ी हैं. इतना ही नहीं 43 साल के नसुबुगा टी20 वर्ल्ड कप इतिहास के भी दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं. उनके पहले रयान कैंपबेल ने 2016 में 44 साल 34 दिन की उम्र में हांगकांग के लिए टी20 वर्ल्ड कप खेला था.

पावरलिफ्टर संदीप कौर पर डोपिंग मामले में दस साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। नाडा की डोपिंग निरोधक अनुशासन पैनल (एडीडीपी) ने पावरलिफ्टर संदीप कौर पर प्रतिबंधित दवाओं के इस्तेमाल के दूसरे अपराध के कारण दस साल का प्रतिबंध लगा दिया है। पंजाब की 31 वर्ष की पावरलिफ्टर संदीप पर डोपिंग के दूसरे अपराध के लिये आठ साल का प्रतिबंध लगाया गया और अतिरिक्त दो साल उनके नमूनों में कई प्रतिबंधित पदार्थ पाये जाने के कारण लगाया गया है। पहली बार उन्हें 2019 में स्टानोजोलोल के सेवन का दोषी पाया गया था। कौर पिछले साल अगस्त में ही चार साल के प्रतिबंध के बाद लौटी है । वह उत्तराखंड के काशीपुर में राष्ट्रीय सीनियर महिला पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में ओपन 69 किलो वर्ग में तीसरे स्थान पर रही थी। प्रतिस्पर्धा के दौरान लिये गए उनके मूत्र के नमूनों में नोरांड्रोस्टेरोन, मेटांडियेनोन और मेफेंटरमाइन के अंश पाये गए।

एडीडीपी ने सभी पक्षों को सुनने के बाद कहा कि कौर यह बता नहीं सकी है कि ये पदार्थ उनके शरीर में कैसे गए। राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने अपने वकील के मार्फत पैनल से अनुरोध किया कि मामले की गंभीरता को भी ध्यान में रखा जाये क्योंकि खिलाड़ी ने कई प्रतिबंधित पदार्थों का सेवन किया है और निलंबन की अवधि दो साल और बढाई जाए। एडीडीपी ने नाडा की दलील स्वीकार करके प्रतिबंध दस साल का कर दिया जो छह सितंबर 2023 से लागू होगा। एक अन्य अहम फैसले में वुशू खिलाड़ी अवनीश गिरि पर प्रतिबंध के दौरान एक प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिये चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है। गोवा राष्ट्रीय खेल 2023 में रजत पदक जीतने वाली केरल की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम की सदस्य नेहा वी पर भी डोप टेस्ट में नाकाम रहने के लिये चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है।

जीत के बाद भी मुश्किल में ऑस्ट्रेलिया टीम

स्टार खिलाड़ी की चोट ने बढ़ाई चिंता

बारबाडोस, 6 जून (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2024 में ऑस्ट्रेलिया टीम ने अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की है। कंगारू टीम ने अपने पहले मैच में ओमान को हराया। इस मैच को जीतकर 2 प्वाइंट्स के साथ ऑस्ट्रेलिया टीम अपने ग्रुप में टॉप पर आ गई है। वहीं ओमान के साथ खेले गए मैच में कंगारू टीम का स्टार तेज गेंदबाज थोड़ा मुश्किल में दिखा। मैच के दौरान खिलाड़ी को देखकर लगा जैसे वो चोट से जूझ रहा हो। ओमान के खिलाफ खेले गए मैच में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने कमाल की गेंदबाजी की थी। मैच में स्टार्क जब अपना चौथा ओवर डाल रहे थे तब उन्होंने अपनी पिंडली पकड़ी और स्टार्क को मुंह बनाते हुए देखा गया। जिसके बाद स्टार्क ने टीम के फिजियो से बात की और उनको मैदान से बाहर जाना पड़ा। हालांकि स्टार्क का चोट कितनी गहरी है इसको लेकर अभी जानकारी सामने नहीं आ पाई है। लेकिन स्टार्क की चोट ने कंगारू टीम की चिंता को जरूर बढ़ा दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने अपने पहले ही मैच में ओमान को 39 रनों से हराया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 164 रन बनाए थे।

आईआरसीटीसी ने सिकंदराबाद से 'दिव्य दक्षिण यात्रा ज्योतिर्लिंग के साथ' की घोषणा की

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 'भारत गौरव' ट्रेन दक्षिण मध्य रेलवे पर एक बड़ी सफलता रही है, जो सभी यात्राओं के लिए लगातार अच्छे संरक्षण में दिखाई देती है। रेल यात्रियों की प्रतिक्रिया से उत्साहित, भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने सिकंदराबाद से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन की एक और यात्रा की योजना बनाई है, जिसका नाम 'दिव्य दक्षिण यात्रा ज्योतिर्लिंग के साथ' है।

रेल उपयोगकर्ताओं से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिलने पर, आईआईआईटी फिर से दिव्य दक्षिण यात्रा ज्योतिर्लिंग के साथ लेकर आ रहा है। दिव्य दक्षिण यात्रा ज्योतिर्लिंग के साथ की ये 09 दिवसीय यात्रा 22 जून, 2024 को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से शुरू होगी। ट्रेन दक्षिण भारत के दिव्य/तीर्थ स्थलों जैसे तिरुवन्नामलाई (अरुणाचलम)-रामेश्वरम-मदुरै- कन्याकुमारी- त्रिवेंद्रम-त्रिची-तंजावुर को कवर करेगी। ज्योतिर्लिंग के साथ दिव्य दक्षिण यात्रा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के सभी रेल यात्रियों को ज्योतिर्लिंग (रामेश्वरम) में से एक के दर्शन करने का अनूठा अवसर प्रदान करती है, साथ ही अन्य महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों को भी कवर करती है।

गौरतलब है कि ट्रेन तेलंगाना के सिकंदराबाद, काजीपेट, वारंगल और खम्मम के साथ-साथ आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा, तेनाली, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर और रेनीगुंटा में यात्रियों के लिए बोर्डिंग/डी-बोर्डिंग की सुविधा प्रदान करती है। पूरी यात्रा 8 रातों/9 दिनों की अवधि में पूरी की जाएगी। यह ट्रेन यात्रियों के लिए व्यक्तिगत योजना बनाने और उपयुक्त ट्रेन, आवास, भोजन आदि जैसी सभी संबंधित व्यवस्थाएं करने में आने वाली सभी कठिनाइयों से बचाती है। इसमें सभी यात्रा सुविधाएं (रेल और सड़क परिवहन दोनों सहित), आवास सुविधा, खानपान व्यवस्था (सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना-ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड दोनों), पेशेवर और मैत्रीपूर्ण टूर एस्कॉर्ट्स की सेवाएं, ट्रेन में सुरक्षा (सभी कोचों में लगे सीसीटीवी कैमरे सहित), सभी कोचों में सार्वजनिक घोषणा सुविधा, यात्रा बीमा और सहायता के लिए पूरी यात्रा के दौरान आईआईआईटी टूर मैनेजर की मौजूदगी शामिल है। इस बीच, अयोध्या-काशी: पुण्य क्षेत्र यात्रा, भारत गौरव ट्रेन की 19वीं यात्रा 08 जून, 2024 को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से शुरू होगी। यह ट्रेन 100 प्रतिशत यात्रियों के साथ 726 पर्यटकों को ले जाएगी।

यह तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्य के सभी रेल यात्रियों को आध्यात्मिक ज्ञान के लिए नवनिर्मित राम जन्मभूमि (अयोध्या) और ज्योतिर्लिंग (काशी विश्वनाथ मंदिर) के दर्शन करने या गया में पिंडदान अनुष्ठान (अपने पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित करने) का अनूठा अवसर प्रदान करती है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने कहा कि भारत गौरव पर्यटक सर्किट ट्रेन तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के सभी रेल यात्रियों को ज्योतिर्लिंग (रामेश्वरम) के दर्शन करने का एक शानदार अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि ट्रेन द्वारा दी जा रही एंड-टू-एंड सेवाएं न केवल पर्यटकों के लिए व्यक्तिगत योजना से बचकर समय बचाने में उपयोगी रही हैं, बल्कि किफायती भी हैं।

नवनिर्वाचित कांग्रेस सांसदों ने सीएम रेवंत से मुलाकात की

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नवनिर्वाचित कांग्रेस सांसदों ने गुरुवार को यहां मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। पेड्डापल्ली के सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा ने अपने पिता और विधायक विवेक वेंकटस्वामी सहित अपने परिवार के सदस्यों के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात की, जिन्होंने नवनिर्वाचित सांसद को बधाई दी। इसी तरह महबूबाबाद से लोकसभा के लिए चुने गए बलराम नाइक ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात की। पंचायत राज मंत्री सीथक्का और तत्कालीन वारंगल जिले के कांग्रेस विधायक भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री रेवंत ने चंद्रबाबू को चुनावी जीत पर बधाई दी

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी की शानदार जीत के लिए टीडीपी अध्यक्ष नारा चंद्रबाबू नायुडू को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री का पद संभालने के अवसर पर चंद्रबाबू नायुडू को हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। रेवंत रेड्डी ने जोर देकर कहा कि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के दो तेलुगु राज्यों को सौहार्दपूर्ण संबंध जारी रखना चाहिए और आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम से संबंधित लंबित मामलों को मैत्रीपूर्ण माहौल में सुलझाने में एक-दूसरे का सहयोग करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को अपने आवास पर महबूबाबाद संसदीय क्षेत्र के परिणामों की समीक्षा की। इस अवसर पर मंत्री सीतक्का, सांसद बलराम नाइक, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, सचेतक रामचंद्र नाइक और लोकसभा क्षेत्र के विधायक मौजूद थे। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने चंद्रबाबू नायुडू को फोन कर उनसे बात की।

जूपल्ली ने मदिगा जनसभा के पोस्टर का अनावरण किया

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आबकारी और पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने गुरुवार को यहां रवींद्र भारती में मदिगा जनसभा के पोस्टर का अनावरण किया। मदिगा जनसभा कार्यक्रम 7 जुलाई को पलवंचा में शुरू होगा और बाद में, यह तेलंगाना के सभी पूर्ववर्ती जिलों में आयोजित किया जाएगा। मदिगा जेएसी के संस्थापक डॉ. पिदामर्थी रवि ने कहा कि जनसभाओं के आयोजन का उद्देश्य मदिगा समुदाय के लोगों के लिए 12 प्रतिशत आरक्षण हासिल करना है। कार्यक्रम में मदिगा राजनीतिक मंच के अध्यक्ष ओक्कला गड्डा चंद्रशेखर, बीएसएफ राज्य संयोजक बोरेली सुरेश, मदिगा युवा अध्यक्ष नक्का महेश, उपाध्यक्ष पाटा कोटि करण और अन्य ने भाग लिया।

सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को पढ़ाई के प्रति जागरूक करें : शशांक

> कलेक्टर ने जिला परिषद हाईस्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला जिला कलक्टर शशांक ने कहा कि स्कूल न जाने वाले सभी बच्चों को स्कूल में दाखिला दिलाने के उद्देश्य से इस माह की 6 से 19 तारीख तक प्रोफेसर जयशंकर बदीबाता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। गुरुवार को जिला शिक्षा विभाग के तत्वावधान में रंगारेड्डी जिले के शमशाबाद मंडल के नारकुडा गांव में जिला परिषद हाईस्कूल में प्रोफेसर जयशंकर बडीबता के कार्यक्रम में जिला कलेक्टर शशांक ने भाग लिया और मशाल जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर बोलते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की मंशा है कि शिक्षा से दूर रहने वाले बच्चों का पुन: विद्यालय में नामांकन कराया जाए। उन्होंने कहा कि 6 से 19 जून तक आयोजित बड़ीबाता कार्यक्रम को जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर सफल बनायें। शिक्षकों को स्कूल न जाने वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें सरकारी स्कूलों में दाखिला दिलाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। शिक्षा एक बुनियादी अधिकार है, अगर हमारे पास शिक्षा है तो हम कहीं भी जा सकते हैं, सभी को शिक्षा मिलनी चाहिए। चूंकि रंगारेड्डी जिला हैदराबाद के नजदीक है और यह एक तेजी से विकसित होने वाला जिला है। इसलिए जिले में बहुत सारे निर्माण कार्य चल रहे हैं और शिक्षकों को सलाह दी गई है कि वे ऐसे निर्माण कार्यों के आसपास काम करने वाले बच्चों की पहचान करें और उन सभी का नामांकन करें। स्कूल आंगन वाड़ी के शिक्षक आंगन वाड़ी में पढ़ने वाले 5 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बच्चों का सरकारी स्कूलों में नामांकन कराने के लिए कड़ी मेहनत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अशिक्षितों को परिवार और समाज पर पड़ने वाले बोझ के बारे में बताना चाहिए और अभिभावकों को उन्हें स्कूलों में दाखिला दिलाने के लिए जागरूक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षित लोग भविष्य में कुछ भी हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों से पढ़े लोग ही ऊंचे पदों पर हैं। उन्होंने कहा कि हम आये दिन अखबारों में जिन राजनेताओं और उच्च पदों पर बैठे अधिकारियों को देखते हैं, वे सरकारी स्कूलों से पढ़े हुए लोग होते हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में उच्च शिक्षा प्राप्त और प्रशिक्षित शिक्षक मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि हम कहां पैदा होते हैं और कहां प्रसिद्ध होते हैं यह हमारे हाथ में नहीं है, हम किस स्तर पर पहुंचना चाहते हैं यह जरूर हमारे हाथ में है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को पढ़ाई के प्रति जागरूक कर उन्हें उत्तीर्ण करने का प्रयास किया जा रहा है। कलेक्टर ने दसवीं कक्षा में 9.77 अंक प्राप्त करने वाली नारकुडा जिला परिषद हाई स्कूल की छात्रा कार्तिका वीणा और अनुष्का को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी खूब पढ़ाई करें और अपने माता-पिता, गांव व जिले का नाम रोशन करें। इस कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी सुशीन्द्र राव, शमशाबाद तहसीलदार नागमणि एवं एमपीडीओ मुन्नी उपस्थित थे। सीडीपीओ शबाना, एमईओ राम रेड्डी, अम्मा आदर्श स्कूल समिति की अध्यक्ष मौनिका, शिक्षक, छात्र, छात्राएं, छात्रों के माता-पिता, आंगन वाड़ी शिक्षक, संबंधित अधिकारी और अन्य उपस्थित थे।

बीआरएस ने वोटों की साठगांठ पर सीएम की टिप्पणी का दिया जवाब

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति ने गुरुवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के उन आरोपों का कड़ा प्रतिवाद किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि बीआरएस ने तेलंगाना में हालिया लोकसभा चुनावों में भाजपा को आठ सीटें दिलाने में मदद की थी।

आरोपों की कड़ी निंदा करते हुए बीआरएस नेताओं ने मुख्यमंत्री के तर्क के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया और कहा कि यदि उनके आरोपों में कोई तथ्य होता तो कांग्रेस को दो-तीन सीटों से अधिक सीटें नहीं मिलतीं। पार्टी ने उनके इस बयान का भी खंडन किया कि भाजपा ने हाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस द्वारा जीती गई विधानसभा सीटों पर अधिक वोट हासिल किए। आंकड़ों के साथ रेवंत रेड्डी के आरोपों का खंडन करते हुए बीआरएस सोशल मीडिया संयोजक मन्ने कृषांक ने कहा कि महबूबाबाद में बीआरएस को 2.61 लाख वोट मिले थे, जबकि भाजपा को 1.08 लाख वोट मिले थे। उन्होंने पूछा कि इस परिदृश्य में भाजपा के साथ गठबंधन कैसे संभव है? इसी तरह, वारंगल में कांग्रेस उम्मीदवार ने भाजपा के खिलाफ 2.2 लाख वोटों के अंतर से जीत हासिल की। उन्होंने तर्क दिया कि यदि बीआरएस, जिसे 2.32 लाख वोट मिले थे, ने वास्तव में भाजपा से हाथ मिला लिया होता तो कांग्रेस जीत नहीं पाती। उन्होंने कहा कि यदि बीआरएस और भाजपा के बीच पर्दे के पीछे कोई समझौता होता, जैसा कि रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया है, तो नलगोंडा, खम्मम और महबूबाबाद को छोड़कर कांग्रेस तीन से अधिक सीटें नहीं जीत पाती। एक अन्य परिदृश्य का हवाला देते हुए कृषांक ने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार ने भोंगीर निर्वाचन क्षेत्र में अपने भाजपा प्रतिद्वंद्वी को 2.2 लाख मतों से हराया। बीआरएस को यहां 2.54 लाख मत मिले, जो फिर से भाजपा के साथ गठबंधन न होने का संकेत है। नागरकुरनूल में कांग्रेस ने भाजपा को 94,000 वोटों से हराया, जबकि बीआरएस को 3.19 लाख वोट मिले, जो भाजपा से मात्र 40,000 वोट कम थे।

जमीन मालिक पर हत्या के प्रयास के आरोप में 3 अरेस्ट

संगारेड्डी, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पटनचेरु पुलिस ने गुरुवार को पटनचेरु मंडल के इंद्रेशम गांव में एक महिला और उसके बेटे पर हमला करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। संगारेड्डी के एएसपी संजीव राव के अनुसार जिन्नाराम मंडल के मंत्रिकुंटा की निवासी महिला एरुकली पोचम्मा ने कुछ साल पहले 200 गज का प्लॉट खरीदा था। हाल ही में जब उन्होंने भूखंड पर निर्माण कार्य शुरू किया तो नरसापुर निवासी तिम्मारेड्डीगरी विभीषण रेड्डी और पाटनचेरू मंडल के राल्वकटवा गांव निवासी रॉयपल्ली गोपाल ने कथित तौर पर भूखंड पर अतिक्रमण करने का प्रयास किया।

जब पोचम्मा और उसके परिवार के सदस्यों ने इस पर आपत्ति जताई तो आरोपियों ने पोचम्मा की हत्या करने के लिए अलवाल निवासी करण सिंह नामक एक बदमाश को शामिल कर लिया। करण सिंह ने अपने साथियों के साथ 31 मई को पोचम्मा और उसके परिवार के सदस्यों पर हमला किया, लेकिन वे भागने में सफल रहे। हालांकि, सिंह और उसके लोगों ने निर्माणाधीन घर को नुकसान पहुंचाया। पोचम्मा की शिकायत के बाद पाटनचेरु पुलिस ने विभीषण रेड्डी और करण सिंह समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गोपाल फरार है।

अतिरिक्त आयुक्त ने केबीआर पार्क का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी अतिरिक्त आयुक्त (यूबीडी विंग) ने डॉ.के. सुनंदा रानी, के. बलय्या, डीडी, यूबीडी और इंजीनियरिंग विंग डीई (बंजारा हिल्स डीई-मणिपाल और जुबली हिल्स डीई-हरे राम) और अंजनेयुलु, फील्ड सहायक (यूबीडी) के साथ केबीआर पार्क का निरीक्षण किया और जीएचएमसी आयुक्त द्वारा पहले दिए गए निर्देशों के अनुसार चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इसके अलावा, उन्होंने बताया हाल ही में यूबीडी विंग ने केबीआर वॉकवे के अंदर और आसपास हर्बल और औषधीय उद्यान, इक्सोरा गार्डन, फिकस गार्डन आदि जैसे 10 अलग-अलग थीम पार्क विकसित किए हैं। इसके अलावा, पार्क को हरे-भरे बनाए रखने के लिए नियमित संचालन जैसे कि छंटाई, सफाई और हरे कचरे को उठाना और गैप फिलिंग को तुरंत करने का निर्देश दिया। ड्रिप सिंचाई एजेंसी के साथ ड्रिप सिस्टम की स्थापना के लिए भी चर्चा की, जिससे पानी के उपयोग की दक्षता में सुधार हो। उत्तर में नियमित आधार पर बेबी तालाब की सफाई करने का भी निर्देश दिया गया। इंजीनियरिंग विंग को लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए कहा गया। इसके अलावा डीडी (यूबीडी) को इंजीनियरिंग विंग और सभी लाइन विभागों के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया ताकि आयुक्त महोदय द्वारा सौंपे गए सभी कार्यों को पूरा किया जा सके।

अस्थमा रोगियों को आयुर्वेदिक दवा वितरित करेगा गीता आश्रमम

संगारेड्डी, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मृगशिरा कार्थी के अवसर पर 8 जून को मेडचल-मलकाजगिरी जिले के कंडलकोया स्थित गीता आश्रम में अस्थमा और अन्य फेफड़ों के संक्रमण को ठीक करने के लिए आयुर्वेदिक दवा वितरित की जाएगी। आश्रम पिछले तीन दशकों से लोगों को दवा वितरित कर रहा है। ट्रष्टा श्री श्री श्री सद्गुरु साईं कुमार बाबा की देखरेख में आश्रम लोगों को दवा वितरित करेगा। वितरण शनिवार को सुबह 8 बजे शुरू होगा और दोपहर 3 बजे समाप्त होगा। आश्रम प्रबंधन ने कहा कि वे ऋषि पाराशर महर्षि की विरासत का पालन करते हुए दवा वितरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दवा लेने के बाद कई लोग अस्थमा और अन्य फेफड़ों के संक्रमण से ठीक हो गए हैं, प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि इसका स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा।

जाको राखे साइयां... 2 लोग बाल-बाल बचे

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद में एक अन्य कार से टकराने के बाद दो व्यक्ति चमत्कारिक रूप से बाल-बाल बच गए। जिसके बाद यह कहावत चरितार्थ हुई कि जाको राखे साइयां, मार सके ना कोय...। यह घटना सिकंदराबाद क्लब के पास उस समय घटी जब कारखाना से जुबली हिल्स बस स्टेशन की ओर आ रही एक काली कार को सिकंदराबाद क्लब से निकल रही एक अन्य कार ने टक्कर मार दी। टक्कर के कारण काली कार कई बार पलट गई। घटना की सूचना मिलते ही ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल और स्थानीय लोगों ने कार में फंसे लोगों को बचाया और उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। रिपोर्ट के अनुसार, एक कार चालक ने ट्रैफिक सिग्नल पर कार नहीं रोकी, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। कार में सवार लोगों को मामूली चोटें आईं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

रेलवे पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 27 किलोग्राम गांजा बरामद

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर जीआरपी, आरपीएफ द्वारा 6 लाख 75 हजार रुपये मूल्य का 27 किलोग्राम गांजा जब्त किया। गुरुवार को सिकंदराबाद रेलवे पुलिस और आरपीएफ ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्मों और ट्रेनों पर ड्रग्स तस्करों के खिलाफ औचक जांच की और सूखा गांजा जब्त किया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार एसआई एमए मजीद आरपीएफ, महिला स्टाफ और जीआरपी स्टाफ के साथ सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्मों और ट्रेनों पर सामान्य जांच कर रहे थे। उन्हें संदिग्ध परिस्थितियों में प्लेटफार्म नंबर एक पर एक ट्रॉली सूटकेस और एक बैक पैक बैग मिला। इस पर उन्होंने आसपास के यात्रियों, दुकानदारों और फेरीवालों से बैग के बारे में पूछताछ की, लेकिन किसी ने कोई जवाब नहीं दिया। बाद में एसआई ने दो मध्यस्थों की मौजूदगी में खोला गया तो 17 पैकेटों में गांजा भरा हुआ मिला। दो बैग में कुल 27 किलोग्राम गांजा मिला।

मूल्यांकन की समीक्षा करें सीबीएसई स्कूल

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को अपने संबद्ध स्कूलों से अपनी आंतरिक मूल्यांकन प्रक्रियाओं की समीक्षा करने को कहा। बोर्ड द्वारा यह परामर्श इसलिए जारी किया गया है क्योंकि उसने उन्नत एआई उपकरणों के माध्यम से पाया है कि लगभग 500 सीबीएसई संबद्ध स्कूलों में 50 प्रतिशत या उससे अधिक छात्रों के बीच कुछ विषयों में सिद्धांत और व्यावहारिक अंकों के बीच महत्वपूर्ण अंतर है। सीबीएसई ने बुधवार को कहा कि इसके परिणामस्वरूप बोर्ड ने ऐसे स्कूलों को अपनी आंतरिक मूल्यांकन प्रक्रियाओं की समीक्षा करने के लिए एक परामर्श जारी किया है।

चिड़ियाघर के सुरक्षा गार्ड का वायरल वीडियो फर्जी

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला सुरक्षा गार्ड द्वारा चिड़ियाघर में प्रवेश टिकट अधिक कीमत पर बेचने के वायरल वीडियो के जवाब में नेहरू प्राणी उद्यान प्रबंधन ने बुधवार को स्पष्ट किया कि वीडियो झूठा और निराधार है। बुधवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो क्लिप वायरल हुई, जिसका शीर्षक था 'नेहरू प्राणी उद्यान में 70 रुपये का टिकट 100 रुपये में ब्लैक में बिक रहा है', जिसमें कथित तौर पर एक चिड़ियाघर की महिला सुरक्षा गार्ड को ऊंचे दाम पर टिकट बेचते हुए दिखाया गया है।

चिड़ियाघर प्रबंधन ने जांच के बाद बताया कि एक अज्ञात आगंतुक बुकिंग काउंटर पर एक महिला सुरक्षा गार्ड के पास आया और उसने कतार में खड़े हुए बिना टिकट खरीदने का अनुरोध किया, क्योंकि उसके परिवार के सदस्यों ने पहले ही टिकट खरीद लिए थे। चिड़ियाघर ने बताया कि सुरक्षा गार्ड ने 70 रुपये का एक टिकट लाया और टिकट तथा शेष खुले पैसे आगंतुक को दे दिए, जिसने गार्ड से खुले पैसे अपने पास रखने को कहा। चिड़ियाघर ने बताया कि यह घटना किसी अन्य आगंतुक ने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड कर ली और उसे सोशल मीडिया पर साझा कर दिया, क्योंकि उसे गलतफहमी हो गई थी कि गार्ड ब्लैक में टिकट बेच रहा है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.